Established 1865

पायनियर

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

Follw us on:
www.dailypioneer.com
@thedailypioneer
dailypioneer
dailypioneer

RNI N0. UPHIN/2010/36547 | वर्ष-16 | अंक-20 | लखनऊ, शुक्रवार, 7 नवंबर 2025 | पृष्ठ-12, मूल्य 6 रुपये | (नगर संस्करण)

बिहार के मतदाताओं में उत्साह, 65 फीसद वोट पड़े

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में बृहस्पतिवार को 121 सीट पर मतदान संपन्न हो गया। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) विनोद सिंह गुंजियाल ने बताया कि शाम तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 3.75 करोड़ मतदाताओं में करीब 64.46 प्रतिशत (अनंतिम) ने मतदान किया। उन्होंने बताया कि यह आंकड़ा कुल 45,341 मतदान केंद्रों में से 41,943 केंद्रों से प्राप्त सूचनाओं पर आधारित है।

गुंजियाल ने कहा, ''यह अनंतिम आंकड़ा है, क्योंकि कुछ मतदान केंद्रों से सूचनाएं अभी आनी बाकी हैं। अंतिम मतदान प्रतिशत के आंकड़े के इससे अधिक रहने की संभावना है।₹ मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान शांतिपूर्ण और निष्पक्ष माहौल में संपन्न हुआ। कुछ स्थानों पर छिटपुट घटनाओं के अलावा कहीं से कोई बड़ी गड़बड़ी की सूचना नहीं मिली। राज्य के 18 जिलों में फैली इन 121 सीट के लिए आज हुए मतदान में मतदाताओं में काफी उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही मतदान केंद्रों पर लंबी-लंबी कतारें देखने को मिलीं और मतदाताओं ने लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

अभी भी कई मतदान केंद्रों पर लोगों की लंबी लाइन लगी हुई है। हालांकि 56 बूथों पर सुरक्षा की दृष्टि से शाम पांच बजे ही मतदान समाप्त कर दिया गया था। बिहार चुनाव के इस पहले चरण के संपन्न होने के साथ ही तेजस्वी यादव उनके भाई तेज प्रताप यादव और डिप्टी सीएम विजय सिन्हा समेत बिहार के 16 मंत्रियों की किस्मत ईवीएम में लॉक हो गई है। इससे पहले, सीएम नीतीश कुमार से लेकर विपक्षी नेता तेजस्वी यादव तक, बिहार की बड़ी हस्तियों ने पटना में अपना मतदान किया। 18 जिलों की 121 विधानसभा सीटों पर मतदान हो रहा है। कुल 1314 उम्मीदवारों का भाग्य तय होगा। बीजेपी-जेडीयू और महागठबंधन के बीच कांटे की टक्कर है, जबकि प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी भी तीसरा विकल्प बनकर उभरी है। इस चरण में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के चेहरे तेजस्वी यादव और भाजपा के उम्मीदवार एवं उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के साथ-साथ 16 मंत्रियों की किस्मत भी दांव पर है।

थोड़ी-थोड़ी अवधि के कुछ व्यवधानों को छोड़कर लगभग 20 वर्षों से सत्ता में रही राजग सरकार ''सुशासन'' की अपनी छवि को प्रमुख मुद्दा बना रही है जो उस 'जंगलराज' की छवि के विपरीत है जिसे राजद और कांग्रेस की संयुक्त सरकार के 15 साल के शासन के रूप में चिह्नित किया जाता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनाव प्रचार के दौरान अपने संबोधनों में कहा था कि मतदान केंद्रों पर महिलाओं की अधिक उपस्थिति राजग के लिए शुभ संकेत है।उन्होंने कहा था, ''माताएं, बहनें और बेटियां 'जंगलराज' से सर्वाधिक पीड़ित रही हैं। आज वे मतदान केंद्रों के चारों ओर एक सुरक्षा कवच की तरह खड़ी हैं ताकि जंगलराज की वापसी न हो सके।'' राजग को उम्मीद है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का रिकॉर्ड और हाल में की गई कल्याणकारी योजनाएं (जैसे कि 125 यूनिट मुफ्त बिजली, एक करोड़ से अधिक महिलाओं को 10,000 रुपये की नकद सहायता और सामाजिक सुरक्षा पेंशन में वृद्धि) सरकार विरोधी लहर को कमजोर करेंगी। वहीं, विपक्ष का दावा है कि लोग अब बदलाव चाहते हैं।

नीतीश-तेजस्वी समेत दिग्गजों ने डाले वोट

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उनके दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव, वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह व राजीव रंजन सिंह ललन' सहित कई प्रमुख नेताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। राज्य निर्वाचन कार्यालय के अनुसार, सुबह एक बजे तक 3.75 करोड़ मतदाताओं में से 42.31 प्रतिशत ने मतदान किया था। गोपालगंज जिले में सर्वाधिक 46.73 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ, जबकि लखीसराय में 46.37 और बेगूसराय में 46.02 प्रतिशत मतदान हुआ। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने गृह नगर बख्तियारपुर में मतदान किया।

डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा के काफिले पर हमला

लखीसराय। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि मतदान के दिन उनके वाहनों के काफिले पर मुख्य विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के समर्थकों ने हमला किया। उन्होंने कहा कि ये लोग इलाके में मतदाताओं को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहे थे। लगातार चौथी बार चुनाव लड़ रहे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता सिन्हा ने स्थानीय प्रशासन की भूमिका पर असंतोष जताया और कहा कि वह इस मामले को निर्वाचन आयोग के समक्ष उठाएंगे।

इस बीच, मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने घटना पर संज्ञान लेते हुए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। एक अधिकारी ने कहा, किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

मोदी-योगी का महागठबंधन पर हमला

जंगलराज लाने वालों को जनता देगी जवाब

एजेंसी। भागलपुर/अररिया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि बिहार की जनता, विशेषकर माताएं और बेटियां, बड़ी संख्या में मतदान कर रही हैं ताकि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के जंगलराज को वापस आने से रोका जा सके। उन्होंने कहा कि फिर एक बार बिहार में सुशासन की सरकार बननी चाहिए। बिहार के भागलपुर में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने राजद और कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि इन दलों ने बिहार के गरीबों और महिलाओं के हितों के बारे में कभी नहीं सोचा।

उन्होंने कहा, राजद और कांग्रेस ने कभी महिलाओं के खाते खोलने के बारे में नहीं सोचा। आज वे पोस्टरों में साथ तो दिखते हैं, लेकिन एक-दूसरे का चेहरा देखने को भी तैयार नहीं हैं।

राजद के पोस्टरों में कांग्रेस के नामदार का चेहरा तक गायब है। राहुल गांधी पर अप्रत्यक्ष कटाक्ष करते हुए मोदी ने कहा, राजद ने कांग्रेस से मुख्यमंत्री पद की उम्मीदवारी बंदूक की नोक पर छीन ली, और कांग्रेस को यह पसंद नहीं आया। दोनों दल सत्ता की लड़ाई में एक-दूसरे को खत्म करने पर उतारू हैं।

जो राम का नहीं, वह किसी काम का नहीं

एजेंसी। सीतामढ़ी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीतामढ़ी में कहा कि बिहार की जनता अब पहचान का संकट से निकलकर, विकास का विकल्प चुन रही है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने भगवान श्रीराम और जानकी पर सवाल उठाए उनको सबक सिखाना है, क्योंकि जो राम का नहीं है, वह हमारे किसी काम का नहीं है। वहीं चंपारण में योगी ने कहा कि राजद काल में 1990 से 2005 के मध्य 60 से अधिक जातीय नरसंहार व अपहरण की 30 हजार घटनाएं हुईं। उस समय इंजीनियर, डॉक्टर, बच्चे, व्यापारी के साथ ही सड़क, पुल का भी अपहरण हो जाता था। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के प्रचार में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को सीतामढ़ी जिले के परिहार और सुरसंड विधानसभाओं में एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया।

दूसरी रैली में उन्होंने पूर्व उप मुख्यमंत्री व बेतिया विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार रेणु देवी के लिए कमल खिलाने की अपील की। परिहार से भाजपा प्रत्याशी गायत्री देवी और सुरसंड से जदयू प्रत्याशी नागेंद्र राउत के पक्ष में विशाल जनसमूह को भी योगी ने संबोधित किया।

अनिल अंबानी को ईडी का समन

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी को बैंक धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन मामले में अगले सप्ताह फिर पूछताछ के लिए बुलाया है। सूत्रों के अनुसार 66 वर्षीय उद्योगपति को 14 नवंबर को पेश होकर बयान दर्ज कराने के लिए कहा गया है। मामला रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड (आरकॉम) द्वारा एसबीआई से 2,929 करोड़ रुपये की ऋण धोखाधड़ी से संबंधित है। ईडी ने अगस्त में अंबानी से करीब 10 घंटे तक पूछताछ की थी। यह

जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की 21 अगस्त को दर्ज प्राथमिकी पर आधारित है। सीबीआई ने इस मामले में मुंबई स्थित अंबानी के परिसरों पर छापे भी मारे थे। प्राथमिकी में आरकॉम, उसके निदेशक अनिल डी. अंबानी, अज्ञात सरकारी अधिकारियों और अन्य व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। एसबीआई की शिकायत के अनुसार, कंपनी पर विभिन्न बैंकों का 40,000 करोड़ रुपये से अधिक बकाया था, जिसमें अकेले सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक एसबीआई को 2,929.05 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

सट्टेबाजी मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई

रैना और धवन की 11.4 करोड़ की संपत्तियां कुर्क

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित अवैध सट्टेबाजी वेबसाइट के संचालन से जुड़े धनशोधन मामले में पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना और शिखर धवन की 11.14 करोड़ रुपये की संपत्तियां कुर्क की हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। ईडी के अनुमान के मुताबिक यह करीब एक हजार करोड़ रुपये के धनशोधन का मामला है।

संघीय एजेंसी ने बताया कि ऑनलाइन सट्टेबाजी साइट '1एक्सबेट' के खिलाफ मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत धवन (39) का दिल्ली स्थित करीब 4.5 करोड़ रुपये का वाणिज्यिक भखंड और रैना (38) के 6.64 करोड़ रुपये के म्यूचुअल फंड को कुर्क करने का अनंतिम आदेश जारी किया गया है।संघीय एजेंसी की जांच में पाया गया है कि दोनों पूर्व क्रिकेटर ने 'स्थिति को जानते हुए एक्सबेट' और उसके सहयोगियों के प्रचार के लिए विदेशी संस्थाओं के साथ समझौते किए।

ईडी ने एक बयान में आरोप लगाया, ''ये प्रचार विदेशी संस्थाओं के माध्यम से किए गए भुगतान के बदले में किए गए थे, ताकि धन के अवैध स्रोत को छुपाया जा सके, जो अवैध सट्टेबाजी गतिविधियों से उत्पन्न अपराध की आय से जुड़ा हुआ है।''सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि ईडी इन दोनों संपत्तियों को अवैध सट्टेबाजी से अर्जित ''अपराध की आय'' मानती है। उन्होंने बताया कि ईडी के इस आदेश के खिलाफ पीएमएलए न्यायाधिकरण और अन्य कानूनी मंचों पर अपील की जा सकती है। दोनों पूर्व क्रिकेटर की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई। धवन ने अगस्त में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की थी, जबकि रैना ने 2020 में संन्यास ले लिया था ईडी ने बताया कि उसने 6,000 संदिग्ध बैंक खातों (अवैध धन का लेन-देन करने के लिए इस्तेमाल किए गए) का पता लगाया है। उसने सट्टेबाजी से प्राप्त राशि को भेजने के चार मंचों से जुड़े 60 बैंक खातों की पहचान की है जिनमें चार करोड़ रुपये से अधिक की जमा राशि है।पुलिस द्वारा दर्ज कई प्राथमिकी के आधार पर ईडी ने '1एक्सबेट' और उसके सहयोगी ब्रांड '1एक्सबैट' के खिलाफ जांच शुरू की। एजेंसी ने आरोप लगाया है कि '1एक्सबैट'पूरे भारत में अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुआ संचालन को बढ़ाव और सुविधा प्रदान कर रही थीं। कैरेबियाई द्वीप कुराकाओ में पंजीकृत '1एक्सबेट' को पोर्टल द्वारा सट्टेबाजी उद्योग में 18 वर्षों के अनुभव के साथ विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त सट्टेबाज बताया गया है।

जानबूझकर प्रचार के लिए विदेशी संस्थाओं के साथ समझौते किए

ईडी ने युवराज और उथप्पा जैसे क्रिकेटरों से भी पूछताछ की

बिहार में राहुल गांधी पर बरसे अमित शाह

सेना के जवानों की जाति-धर्म पूछने पर शर्म आनी चाहिए

अवैध घुसपैठिए नौकरियां छीन रहे और सुरक्षा के लिए खतरा

एजेंसी। बेतिया/मोतिहारी/मधुबनी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सेना के जवानों की जाति और धर्म जानने की बात कहने पर शर्म आनी चाहिए। बिहार के मधुबनी, पश्चिम चंपारण और मोतिहारी जिलों में चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि अवैध बांग्लादेशी घुसपैठिए देश की नौकरियां छीन रहे हैं और सुरक्षा के लिए खतरा बने हुए हैं। उनका कहना था कि बिहार विधानसभा चुनाव राज्य को घुसपैठियों से मुक्त करने का चुनाव है।

चंपारण में बनेगा नया हवाईअड्डा

बिहार ने इंदिरा गांधी के भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी, आपातकाल का विरोध किया था, लेकिन अब कांग्रेस राजद की मदद से राज्य में शासन करने की कोशिश कर रही है। गृह मंत्री ने कहा कि राजग के दोबारा सत्ता में आने पर चंपारण में नया हवाईअड्डा बनाया जाएगा।

आज शाम वाराणसी पहुंचेंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

चार 'वंदे भारत' ट्रेन की देंगे सौगात

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आठ नवंबर को वाराणसी का दौरा करेंगे और चार नयी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पीएमओ की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि यह विश्वस्तरीय रेलवे सेवाओं के माध्यम से नागरिकों को आसान, तेज एवं अधिक आरामदायक यात्रा प्रदान करने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को साकार करने में एक और मील का पत्थर है।

पर्यटन के साथ देश भर में आर्थिक गतिविधियों को देंगी बढ़ावा

इस बयान के अनुसार भारत के आधुनिक रेल बुनियादी ढांचे के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सात नवंबर शुक्रवार की शाम लगभग पांच बजे दो दिवसीय दौरे पर काशी पहुंचेंगे। आठ नवंबर को सुबह लगभग सवा आठ बजे अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी का दौरा करेंगे और चार नयी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। बयान के मुताबिक, नयी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन बनारस-खजुराहो, लखनऊ-सहारनपुर, फिरोजपुर-दिल्ली और एर्नाकुलम-बेंगलुरु मार्गों पर चलेंगी। बयान के अनुसार, बनारस-खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस इस मार्ग पर सीधा संपर्क स्थापित करेगी और वर्तमान में संचालित विशेष ट्रेन की तुलना में लगभग दो घंटे 40 मिनट की बचत करेगी। बनारस-खजुराहो वंदे भारत परियोजना वाराणसी, प्रयागराज और चित्रकूट समेत भारत के कुछ सबसे प्रतिष्ठित धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों को जोड़ेगी। लखनऊ-सहारनपुर वंदे भारत एक्सप्रेस से लखनऊ, सीतापुर, शाहजहांपुर, बरेली, मुरादाबाद, बिजनौर और सहारनपुर के यात्रियों को बहुत लाभ होगा। साथ ही रुड़की होते हुए हरिद्वार तक उनकी पहुंच भी बेहतर होगी। बयान में कहा गया है कि फिरोज़पुर-दिल्ली वंदे भारत इस रूट पर सबसे तेज़ चलने वाली ट्रेन होगी। यह एक्सप्रेस ट्रेन राष्ट्रीय राजधानी और बठिंडा एवं पटियाला सहित पंजाब के प्रमुख शहरों के बीच संपर्क को मजबूत करेगी। दक्षिण भारत में, एर्नाकुलम-बेंगलुरु वंदे भारत से इस मार्ग पर ट्रेन यात्रा के समय में दो घंटे से अधिक कमी आयेगी।

लघु उद्योग भारती को संघ से मिली प्रेरणा

एजेंसी। बेंगलुरु

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि लघु उद्योग भारती (एलयूबी) को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से प्रेरणा मिली है। सिंह ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। बेंगलुरु अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी केंद्र (बीआईईसी) में इंडिया मैन्युफैक्चरिंग शो (आईएमएस 2025) के सातवें संस्करण के उद्घाटन सत्र के दौरान अपने ऑनलाइन संबोधन में सिंह ने कहा, मुझे खुशी है कि लघु उद्योग भारती अब लघु नहीं है। एलयूबी लगातार बढ़ रहा है और विस्तार कर रहा है तथा पूरे देश में अपनी मौजूदगी दर्ज करा चुका है।

रक्षामंत्री ने आईएमएस के सातवें संस्करण का किया उद्घाटन

विकसित देश बनाने का किया आह्वान

सिंह ने एलयूबी और सभी छोटे उद्यमों से भारत को एक विकसित देश बनाने का आह्वान किया। मुझे विश्वास है कि लघु उद्योग भारती और सभी एमएसएमई भारत सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे। यदि आप भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए एक कदम उठाएंगे, तो सरकार 10 कदम चलने के लिए तैयार है।

योगी ने प्रधानमंत्री के वाराणसी दौरे से पहले तैयारियों की समीक्षा की

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को बनारस रेलवे स्टेशन पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगामी दौरे की तैयारियों का निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री ने रेलवे और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से तैयारियों की विस्तृत जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को स्टेशन परिसर के सौंदर्यीकरण, सुरक्षा व्यवस्था, यात्री सुविधाओं और प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थल से जुड़ी व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री के आगमन के दौरान सभी व्यवस्थाएं सुचारु और व्यवस्थित रहें, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने स्टेशन पर साफ-सफाई, यातायात प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सात नवंबर को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के दो दिवसीय दौरे पर आएंगे। अगले दिन, आठ नवंबर को वह बनारस रेलवे स्टेशन से वाराणसी-खजुराहो वंदे भारत और तीन अन्य ट्रेन की शुरुआत करेंगे। पीआईबी के एक बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी अपनी दो दिवसीय वाराणसी यात्रा के दौरान आठ नवंबर को सुबह लगभग 8:15 बजे चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे।

नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन बनारस-खजुराहो, लखनऊ-सहारनपुर, फिरोजपुर-दिल्ली और एर्नाकुलम-बेंगलुरु मार्गों पर चलेंगी। बनारस-खजुराहो वंदे भारत इस मार्ग पर सीधा संपर्क स्थापित करेगी और वर्तमान में चल रही विशेष ट्रेनों की तुलना में लगभग दो घंटे 40 मिनट की बचत करेगी। बयान में कहा गया है कि बनारस-खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस भारत के कुछ सबसे प्रतिष्ठित धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों जैसे वाराणसी, प्रयागराज, चित्रकूट और खजुराहो को जोड़ेगी। इस संपर्क से न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि तीर्थयात्रियों और यात्रियों को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल खजुराहो तक एक तेज़, आधुनिक और आरामदायक यात्रा भी मिलेगी। लखनऊ-सहारनपुर वंदे भारत यह यात्रा लगभग सात घंटे 45 मिनट में पूरी करेगी, जिससे यात्रा समय में लगभग एक घंटे की बचत होगी। बयान के अनुसार, लखनऊ-सहारनपुर वंदे भारत एक्सप्रेस से लखनऊ, सीतापुर, शाहजहांपुर, बरेली, मुरादाबाद, बिजनौर और सहारनपुर के यात्रियों को बहुत लाभ होगा, साथ ही रुड़की के रास्ते पवित्र शहर हरिद्वार तक पहुँच में भी सुधार होगा।

बयान में आगे कहा गया है कि फिरोजपुर-दिल्ली वंदे भारत इस मार्ग पर सबसे तेज़ ट्रेन होगी, जो यह यात्रा केवल छह घंटे 40 मिनट में पूरी करेगी। फिरोजपुर-दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस राष्ट्रीय राजधानी और पंजाब के प्रमुख शहरों, जिनमें फिरोजपुर, बठिंडा और पटियाला शामिल हैं, के बीच संपर्क को मजबूत करेगी। दक्षिण भारत में, एर्नाकुलम-बेंगलुरु वंदे भारत यात्रा के समय को दो घंटे से अधिक कम कर देगी, जिससे यह यात्रा आठ घंटे 40 मिनट में पूरी हो जाएगी। एर्नाकुलम-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस प्रमुख आईटी और वाणिज्यिक केन्द्रों को जोड़ेगी, जिससे पेशेवरों, छात्रों और पर्यटकों को तेज और अधिक आरामदायक यात्रा का विकल्प मिलेगा।

सीएम ने श्रीकाशी विश्वनाथ और काल भैरव के किए दर्शन

- सतुआ बाबा आश्रम में संतों से की भेंट, क्रूज से गंगा तटों पर जलते दीपों के भव्य दृश्य का किया अवलोकन

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने दो दिवसीय वाराणसी प्रवास के दूसरे दिन गुरुवार की सुबह बाबा काल भैरव मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने शहर के कोतवाल माने जाने वाले भगवान काल भैरव का विधिवत दर्शन-पूजन किया। मंदिर में पूजा अर्चना के बाद मुख्यमंत्री सीधे श्री काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने षोडशोपचार विधि से बाबा विश्वनाथ का पूजन-अर्चन किया और देश एवं प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि, कल्याण तथा शांति की कामना की। पूजन के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ ने 'हर हर महादेव' के जयकारों से वातावरण को गुंजायमान कर दिया। मुख्यमंत्री ने विधिवत अभिषेक के बाद गर्भगृह में विशेष पूजा संपन्न की। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी मणिकर्णिका घाट स्थित सतुआ बाबा आश्रम पहुंचे। वहां उन्होंने आश्रम परिसर स्थित शिव मंदिर में दर्शन-पूजन किया और सतुआ बाबा के शिष्य महंत संतोष दास जी महाराज से भेंट की। मुख्यमंत्री ने संतों का आशीर्वाद लिया और वाराणसी सहित पूरे प्रदेश में शांति एवं समृद्धि की प्रार्थना की। इस अवसर पर राज्यमंत्री रविन्द्र जायसवाल, विधायक सौरभ श्रीवास्तव तथा सुशील सिंह भी मौजूद रहे। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री बुधवार की शाम वाराणसी पहुंचे थे। आगमन के बाद उन्होंने नमो घाट पर दीप प्रज्ज्वलित कर देव दीपावली महोत्सव का शुभारंभ किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने क्रूज से गंगा तटों पर जलते दीपों के मनमोहक और भव्य दृश्य का अवलोकन किया।

शुभम्

शुभम हाउसिंग डेवलपमेंट फायनेंस कम्पनी लिमिटेड

कार्पोरेट कार्यालय : 425, उद्योग विहार फेस -IV, गुरूग्राम -122015 (हरियाणा)
फोन: 0124-4212530/31/32, ईमेल : customercare@shubham.co, वेबसाईट - www.shubham.co

अचल संपत्ति/(यों) की नीलामी सह विक्रय हेतु आम सूचना

नियम 8 (6) / 9 (1) एवं परिशिष्ट –IV– ए के प्रावधानों के अनुसार अचल सपंतियों के विक्रय की आम सूचना
(सिक्योटराईजेशन एण्ड रिकन्सट्रक्शन ऑफ फायनेंशियल एसेट्स एण्ड इन्फोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंट्रेस्ट एक्ट 2002, के अंतर्गत)

जहाँ कहीं, अधोहस्ताक्षरकर्ता शुभम हाऊसिंग डेवलपमेंट फायनेंस लिमिटेड (यहाँ आगे कंपनी कहा जायेगा) के प्राधिकृत अधिकारी में से एक हैं। अधोहस्ताक्षरकर्ता शुभम हाऊसिंग डेवलपमेंट फायनेंस लिमिटेड के बतौर प्राधिकृत अधिकारी सिक्यूरीटाईजशेन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनेन्शियल एस्टेटस एंड इंफोर्समेंट ऑफ सिक्युरिटी इंट्रस्ट एक्ट 2002 एवं सिक्युरिटी इंट्रस्ट (इंफोर्समेंट) नियम 2002 (अधिनियम) का नियम 9 के अनुपालन के साथ सिक्युरिटी इंट्रस्ट (इंफोर्समेंट) रूल्स, 2002 (नियम) नियम 9 में प्रदत्त शक्तियों को सपठित धारा 13 (2) के अंतर्गत नीचे संबधित ऋणकर्ताओं जिनके नाम नीचे कॉलम (सी) में तिथि पर जो कॉलम (डी) में और चुकाये जाने वाली शेष राशि कॉलम (ई) में दर्शाई गई है, को प्रत्येक खाते में वर्णित राशि का पुर्नभुगतान उपरोक्त सूचना की प्राप्ती दिनांक / सूचना की दिनांक से 60 दिवस में करने हेतु बुलाया गया था।

ऋणकर्ता/ओं राशि का भुगतान करने मे असफल रहे है, इस एतद सूचना द्वारा ऋणकर्ता/ओं को एवं सामान्य जनों को सार्वजनिक रूप में यह सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने नियम की धारा 13 (4) के साथ सपठित उपरोक्त नियम 9 के अंतर्गत उनको / उन्हे प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रत्येक खाते के समक्ष दर्शायी गयी दिनांक को नीचे कॉलम (एफ) में दर्शाई वर्णित सम्पत्ति / यों पर नीचे कॉलम (एच) दर्शाई तिथि को अधिग्रहण कर लिया है। ऋणकर्ता को विशेष तौर पर एवं आम जनता को सामान्य तौर पर सावधान किया जाता है कि कॉलम (एफ) में दर्शाई संपत्तियों के साथ संव्यवहार न करें और इन संपत्तियो के साथ कोई भी व्यवहार कॉलम (जी) में दर्शाई राशि के लिए शुभम हाऊसिंग डेवलपमेंट फायनेंस कम्पनी लिमिटेड के प्रभार के अंतर्गत होगा । अब, ऋणकर्ताओं और आम जनता को यह सूचना भी दी जाती है कि प्रत्येक संपत्ति के लिये कॉलम (के) में दर्शाई तिथि, समय और स्थान पर संपत्तियों का विक्रय किया जायेगा।

क्र. सं.	आवेदन संख्या	ऋणकर्ता (ओं) का नाम एवं पता	धारा 13(2) के तहत सूचना की तिथि	मांग सूचना राशि	बंधक संपत्ति का विवरण	वर्तमान देय राशि (03.11.2025 तक)	अधिकरण की तिथि एवं प्रकार	आरक्षित राशि (रु.)	ईएमडी (रु.) आरक्षित मूल्य का 10%	नीलामी की तिथि, समय व स्थान
ए	बी	सी	डी	ई	एफ	जी	एच	आई	जे	के
1.	0LKO2007 00000502 8697	सीमा अग्रवाल, मानसा अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, फ्लैट नंबर 117, चौथी मंजिल, एसएम अपार्टमेंट, न्यू ग्रेन मार्केट, हनुमान मंदिर के पास, गणेशगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश – 226018	20-07-2024	₹ 18,57,078 /-	फ्लैट संख्या ई–117, संपति संख्या 96/88, पुरानी संख्या –96/76, चौथी मंजिल पर, एस.एम. अपार्टमेंट, अनाज मंडी पर स्थित, पुराना गणेशगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश 226001	₹ 24,23,825 /-	16–09–2025 (भौतिक आधिपत्य)	₹ 28,80,000 /-	₹ 2,88,000 /-	25–11–2025, सुबह 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक, कार्यालय संख्या 108, प्रथम तल, वैशाली आर्केड, 6 पार्क रोड, लखनऊ–226001
2.	0ALB1911 00000502 4880	सना उल्ला, मोहम्मद शानू, राजू, 13/5, मुइर रोड रीगल गेस्ट हाउस के पास, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश –211002	20-01-2024	₹ 6,31,542 /-	फ्लैट नंबर 9, ईडब्ल्यूएस (ग्राउंड फ्लोर), डबल स्टोरी, कटरा मछली बाजार हाउसिंग स्कीम, फकीरी गंज, परगना और तहसील– सदर, जिला–इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश– 211002	₹ 9,41,501 /-	27–03–2024 (सांकेतिक आधिपत्य)	₹ 11,94,720 /-	₹ 1,19,472 /-	09–12–2025, सुबह 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक, कार्यालय संख्या 108, प्रथम तल, वैशाली आर्केड, 6 पार्क रोड, लखनऊ–226001
3.	0ALB2102 00000503 5226	अब्दुल गफूर, कनीज फातिमा, जी1/165 कालिंदीपुरम राजरूपपुर जागृति चौराहा, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश –211011	25-04-2024	₹ 15,43,911 /-	मकान नं. जी 1 / 165 बसेरा सेक्टर गोवर्धन प्रथम मौजा कालिंदीपुरम हाउसिंग स्कीम, इलाहाबाद परगना और तहसील सदर, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश–211011	₹ 20,78,927 /-	01–07–2024 (सांकेतिक आधिपत्य)	₹ 28,95,360 /-	₹ 2,89,536 /-	
4.	0VRN2202 00000504 4283	शिव कुमार, अर्चना मौर्य, एन10/39 ए–1–के–जे लखराव बजरडीहा केवी होटल लखराव, वाराणसी, उत्तर प्रदेश – 221109	20-07-2024	₹ 9,11,260 /-	मकान नंबर–एन 10/39 – ए–1– के –जे, आराजी नंबर – 435 मौजा लखराव, ककरमत्ता, वार्ड–नगावा, परगना–देहात अमानत, तहसील–सदर, वाराणसी, उत्तर प्रदेश – 221106	₹ 12,18,341 /-	28–09–2024 (सांकेतिक आधिपत्य)	₹ 31,37,280 /-	₹ 3,13,728 /-	
5.	0ALB2308 00000506 8146	मो. अखलाक, शाइस्ता परवीना, 92, चकदोंदी नैनी एनआर बीड़ी कारखाना, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश –211008	20-07-2024	₹ 4,88,804 /-	प्लॉट आराजी का भाग 75 मौजा इरादतगंज परगना अरैल, तहसील बारा, जिला प्रयागराज, इलाहाबाद उत्तर प्रदेश – 212111	₹ 6,66,791 /-	28–09–2024 (सांकेतिक आधिपत्य)	₹ 1,15,200 /-	₹ 11,520 /-	
6.	0LKW221 20000050 54937	मुकेश कुमार, गौरी, 12, बसंत विहार कैंपरा गढ़ी मड़ियावन, परशुराम मंदिर के पास, लखनऊ, उत्तर प्रदेश –226021	23-12-2024	₹ 20,15,878 /-	खसरा संख्या 199 के प्लॉट संख्या 183–ए के भाग पर निर्मित मकान, स्थित है, सेमरा गौढ़ी वार्ड फैजुल्लागंज तहसील और जिला लखनऊ, उत्तर प्रदेश–226020	₹ 23,15,010 /-	05–03–2025 (सांकेतिक आधिपत्य)	₹ 23,00,000 /-	₹ 2,30,000 /-	
7.	0KAN190 20000050 17659	राम सिंह, शुभम सिंह, रमा कांति यादव, 2 /39 रमा देवी चौराहा हरजिंदर नगर, कानपुर, उत्तर प्रदेश –208007	23-12-2024	₹ 16,37,820 /-	मकान नंबर 164 सफीपुर सेकेंड, कानपुर नगर आराजी नंबर 162 मौजा सफीपुर, कानपुर नगर, उत्तर प्रदेश – 208011	₹ 20,05,589 /-	05–03–2025 (सांकेतिक आधिपत्य)	₹ 69,61,440 /-	₹ 6,96,144 /-	
8.	0LKW230 60000050 64273	फागुलाल उर्फ आशुतोष, रीता भारती, प्लॉट नंबर 14 राम नगर नौबस्ता खुर्द मड़ियांव राम लीला मैदान के पास, लखनऊ, उत्तर प्रदेश –226024	23-12-2024	₹ 8,97,980 /-	खसरा नंबर 201/2, ग्राम– रसूलपुर कायसाथ पर स्थित है, परगना– महोना, तहसील–बीकेटी लखनऊ, उत्तर प्रदेश – 226021	₹ 10,65,801 /-	05–03–2025 (सांकेतिक आधिपत्य)	₹ 11,52,000 /-	₹ 1,15,200 /-	
9.	0VRN2112 00000504 1475	संतोष कुमार यादव, लालजी यादव, इंद्रावती देवी, मनोज कुमार यादव, गली नंबर 6 कृष्णा नगर कॉलोनी सामनेघाट लंका भगवानपुर सामनेघाट, वाराणसी, उत्तर प्रदेश – 221005	18-01-2025	₹ 41,54,822 /-	आराजी संख्या 437 पर मकान, मौजा–भगवानपुर, परगना–देहात अमानत, तहसील और जिला–वाराणसी, उत्तर प्रदेश – 221005	₹ 42,25,340 /-	07–04–2025 (सांकेतिक आधिपत्य)	₹ 62,93,520 /-	₹ 6,29,352 /-	
10.	0ADY2212 00000505 5554	राजा राम, ललिता देवी, परसरामपुर, एसबीआई बैंक के पास, बस्ती, उत्तर प्रदेश – 272130	20-02-2025	₹ 7,52,941 /-	मकान नंबर 238 ग्राम–बरहपुर पांडे, टप्पा बनगवा परगना –अमोढ़ा, तहसील –हर्रैया जिला–बस्ती, उत्तर प्रदेश– 272130	₹ 8,94,746 /-	30–04–2025 (सांकेतिक आधिपत्य)	₹ 64,28,800 /-	₹ 6,42,880 /-	
11.	0LKO2103 00000503 5956	सियाराम यादव, नीलम यादव, मकान नंबर 22 खसरा नंबर 428 गौरभीट फैजुल्लागंज पावर हाउस, लखनऊ, उत्तर प्रदेश –226021	20-02-2025	₹ 10,20,864 /-	प्लॉट संख्या–22, खसरा संख्या–428 का भाग, यासीन बाग कॉलोनी, ग्राम गौरभीठ, वार्ड–फैजुल्लागंज, तहसील एवं जिला लखनऊ, उत्तर प्रदेश – 226020	₹ 11,37,262 /-	30–04–2025 (सांकेतिक आधिपत्य)	₹ 22,08,000 /-	₹ 2,20,800 /-	09–12–2025, सुबह 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक, कार्यालय संख्या 108, प्रथम तल, वैशाली आर्केड, 6 पार्क रोड, लखनऊ–226001
12.	0LKI2307 00000506 6962	अमित कुमार वर्मा, सोनिका सिंह, प.न.–खसरा भाग नं 71, अशोक विहार आलमनगर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश –226017	22-03-2025	₹ 14,96,674 /-	खसरा संख्या 71 के भूखंड भाग पर निर्मित मकान ग्राम भपटामऊ अशोक विहार में स्थित, वार्ड हैदरगंज परगना तहसील और जिला लखनऊ, उत्तर प्रदेश – 226017	₹ 16,76,683 /-	30–05–2025 (सांकेतिक आधिपत्य)	₹ 14,28,000 /-	₹ 1,42,800 /-	
13.	0LKO2307 00000506 6871	गौरव त्रिपाठी, गिरजेश कुमार, माधुरी, 356 /340 /1193 अशोक विहार आलम नगर आवास विकास कॉलोनी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश –226017	22-03-2025	₹ 29,21,827 /-	मकान नंबर 356 /340 /1193 प्लॉट नंबर 64 /7 खसरा नंबर 239/2 पर स्थित, ग्राम कोढ़र वार्ड सआदतगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश – 226017	₹ 32,26,870 /-	30–05–2025 (सांकेतिक आधिपत्य)	₹ 39,77,280 /-	₹ 3,97,728 /-	
14.	0LKO2409 00000509 0922	फारूक अंसारी, नवाज सफी अंसारी, मोहम्मद तुफैल, 131 ख्यालीगंज अमीनाबाद पार्क, कैसरबाग बस स्टैंड के पास, लखनऊ, उत्तर प्रदेश –226018	22-04-2025	₹ 20,82,806 /-	मकान संख्या 117/100 पर निर्मित चौथी मंजिल पर फ्लैट संख्या O, अवध अपार्टमेंट में स्थित, पुल झाऊलाल थाना वजीरगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश– 226018	₹ 22,91,203 /-	03–07–2025 (सांकेतिक आधिपत्य)	₹ 18,20,400 /-	₹ 1,82,040 /-	
15.	0ADY2311 00000507 3239	अनुराग यादव, पुनिता यादव, इस्माइलपुर कूरेभार चौरे बाजार, सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश –228151	22-05-2025	₹ 9,44,449 /-	खसरा संख्या–467 का भाग, ग्राम–दखिनवाड़ा पर स्थित है, परगना–बरौसा, तहसील–सदर, जिला–सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश–224209	₹ 10,33,969 /-	30–07–2025 (सांकेतिक आधिपत्य)	₹ 8,80,800 /-	₹ 88,080 /-	
16.	0LKI23110 00005073 280	मुस्तफा हनीफ, मोहम्मद हनीफ, 406/21, कच्चापुल चौपटिया बाबा स्टूडियो, लखनऊ, उत्तर प्रदेश –226003	22-05-2025	₹ 28,28,270 /-	फ्लैट संख्या 203, दूसरी मंजिल पर स्थित, मकान संख्या 40/035 (ऐ) मिर्जापुरवा वार्ड रामतीरथ परगना तहसील और जिला लखनऊ, उत्तर प्रदेश – 226001	₹ 30,35,134 /-	30–07–2025 (सांकेतिक आधिपत्य)	₹ 40,32,000 /-	₹ 4,03,200 /-	
17.	0KAN2111 00000504 1234	धीरज कुमार, साक्षी गुप्ता, नीरज कुमार, आराजी नंबर 1157 वकील नगर बारासिरोही, आईआईटी श्रीवास्तव जनरल स्टोर कानपुर नगर, उत्तर प्रदेश – 208016	22-05-2025	₹ 5,10,636 /-	आराजी नंबर 1157 का हिस्सा, मौजा बारासिरोही, कानपुर नगर, उत्तर प्रदेश – 208017	₹ 5,63,163 /-	30–07–2025 (सांकेतिक आधिपत्य)	₹ 9,89,600 /-	₹ 98,960 /-	

नोट : कंपनी की जानकारी के अनुसार उपरोक्त संपत्तियों पर कोई भार नहीं है।
नीलामी सह विक्रय के लिए नियम व शर्तें

आम नीलामी के लिए नियम व शर्तें : – बोली आमंत्रण द्वारा आम नीलामी की प्रक्रिया एवं नियम व शर्तें:

1. सम्पत्तियों का निरीक्षण हेतु **नंबर 1 दिनांक 22/11/2025 एवं हेतु नंबर 2 से 17 दिनांक 05/12/2025 को प्रातः 10:00 बजे से सायं. 4:00 बजे** के मध्य किया जा सकता है।
2. विक्रय सरफेसी एक्ट / रूल्स 2002 के और इच्छुक / भागीदार बोलीकर्ताओं द्वारा जमा किये गये प्रस्ताव / बोली दस्तावेज के अनुसार यहाँ दर्शाई गई नियम व शर्तों के अनुसार उस पर कड़ाई से लागू शर्तों अनुसार होगा। इच्छुक बोलीकर्ताओं द्वारा जमा किए गए प्रस्ताव / निविदा प्रपत्र में दर्शाई गई नियम व शर्तों के अनुसार विक्रय होगा।
3. बोलीया एक मोहरबंद लिफाफे में जमा धरोहर राशि (ईएमडी) सहित अपने प्रस्ताव किसी अधिसूचित बैंक के डिमांड ड्राफ्ट / पे ऑर्डर के द्वारा स्थानीय शुभम हाऊसिंग डेवलपमेंट फायनेंस कंपनी में भुगतान योग्य प्राधिकृत अधिकारी के कार्यालय में जमा करें। जमा धरोहर राशि पर कोई ब्याज देय नहीं होगा। बोली आवेदन के साथ प्रस्तावित बोलीदाता को उसका / उसकी पहचान पत्र / केवाईसी मानदंड आवास का प्रमाण पत्र जैसे पासपोर्ट, आधार कार्ड, निर्वाचन आयोग कार्ड, राशन कार्ड, ड्राईविंग लायसेंस आदि की छायाप्रति संलग्न करना होगी एवं आय कर विभाग द्वारा जारी पैन कार्ड की छायाप्रति अनिवार्य है।
4. **धरोहर राशि जमा करने की अंतिम तिथि हेतु नंबर 1 दिनांक 24/11/2025 एवं हेतु नंबर 2 से 17 दिनांक 08/12/2025 को प्रातः 10:00 बजे से सायं. 4:00 बजे के मध्य किया जा सकता है।**
5. अंत में संपत्ति की दर्शाई आरक्षित मूल्य से कम पर विक्रय नहीं होगी।
6. विक्रय की तिथि पर सभी बोलियाँ खोली जायेगी संपत्ति दिये गये आरक्षित मूल्य से उच्चतम बोलीकर्ता को विक्रय की जायगी । यद्यपि उपस्थित बोलीकर्ता अपनी बोली बढ़ाने का अधिकार रखते हैं, न्यूनतम 5000/– (रुपये पाँच हजार मात्र) और उच्चतम प्रस्तावित मूल्य को कंपनी को स्वीकार करने का अधिकार है। सफल बोलीकर्ता / क्रेता द्वारा निर्धारित राशि (धरोहर राशि सहित) का 25% (पच्चीस प्रतिशत) प्राधिकृत अधिकारी द्वारा विक्रय के संबंध में स्वीकार करने के तुरंत / उसी दिन या बोली समाप्त होते ही करनी होगी, जिसकी प्राप्ति पर विक्रय की पुष्टि होगी। समय में विस्तार का निवेदन प्राधिकृत अधिकारी द्वारा नियम व शर्तों के अंतर्गत उसके एकल निर्णय के अनुसार होगा। बोली समाप्त होने के तुरंत बाद उच्चतम बोलीकर्ता 25 प्रतिशत राशि जमा करने में असफल होता है तो तब उच्चतम बोलीकर्ता द्वारा जमा धरोहर राशि जब्त कर ली जायेगी एवं सम्पत्ति द्वितिय उच्चतम बोलीकर्ता को प्रस्तावित की जायेगी। सफल बोलीकर्ता / क्रेता द्वारा निलामी राशि का शेष राशि प्राधिकृत अधिकारी द्वारा विक्रय के संबंध में स्वीकार करने के पन्द्रह दिन के भीतर अथवा लिखित में प्राधिकृत अधिकारी द्वारा विस्तार की गई अवधि में जमा करनी होगी। शेष विक्रय राशि के भुगतान में चूक होने पर निर्धारित अवधि में, जमा की गई राशि जब्त कर ली जाएगी और सुरक्षित लेनदार पुनः बिक्री के लिए स्वतंत्र हो जायेगा तथा चूककर्ता क्रेता का क्रय के लिए पहले किये गए भुगतान के किसी भाग को जब्त तथा संपत्ति या उसके किसी अंश से संबंधित सभी दावे समाप्त समाप्त माने जाएगे।
7. क्रेता द्वारा सभी भुगतान डिमांड ड्राफ्ट / पे ऑर्डर द्वारा शुभम हाऊसिंग डेवलपमेंट फायनेंस कंपनी लिमिटेड के पक्ष में करने होंगे।
8. विक्रय का क्रेता द्वारा पूर्ण भुगतान करने पर, कंपनी क्रेता के पक्ष में एक सेल सर्टिफिकेट जारी करेगी तथा संपत्ति का अधिग्रहण क्रेता को सौंपा देगी।
9. यहाँ दर्शाई अचल संपत्ति अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा पुष्टीकरण की तिथि के बाद आग द्वारा हानि या क्षय, चोरी या अन्य दुर्घटना, अन्य खतरे पूर्णः पेश सफल क्रेता के एकल जोखीम पर होगी। सफल बोली दाता को उक्त बिक्री को किसी भी आधार पर रदद करने का अधिकार नहीं होगा।
10. असफल बोलीकर्ताओं द्वारा धरोहर राशि के लिये जमा किये गये डिमांड / पे आर्डर वापस कर दिये जायेंगे।
11. संपत्ति 'जहाँ है, जैसी है' एवं 'जैसी है वैसी है एवं बिना किसी सहारे' के आधार पर विक्रय होगी। कंपनी को उपरोक्त संपत्तियों पर किसी भार की जानकारी नहीं है।
12. सभी व्यय स्टैंप ड्यूटी, रजिस्ट्रेशन चार्ज, ट्रांसफर चार्ज अतिदेय सहित कोई अन्य बकाया क्रेता द्वारा भुगतान किया जाएगा।
13. प्राधिकृत अधिकारी उच्चतम प्रस्ताव या किसी या सभी प्रस्तावों को स्वीकार करने के लिए बाध्य नहीं है और कंपनी किसी या सभी बोली को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार रखते हैं।
14. बिक्री प्रक्रिया में बोलीकर्ताओं / प्रस्तावकर्ताओं या उनके प्राधिकृत प्रतिनिधियों के अतिरिक्त किसी अन्य को भागीदारी की अनुमति नहीं होगी ।
15. उपरोक्त नीलामी प्रक्रिया में यदि सभी लागत, अधिभारों और कंपनी द्वारा किए सभी खर्चों सहित उपरोक्त ऋणकर्ता द्वारा, नीलामी की तय तिथि के किसी भी समय पूर्व सेक्शन 13 (8) के अंतर्गत सम्पूर्ण राशि का भुगतान हेतु प्रस्तुत किए जाते है, तब संपत्ति विक्रय नहीं की जायेगी तथा भावी बोलीकर्ताओं द्वारा जमा की गई बोलीकंपनी के विरुद्ध बिना किसी देयता / दावे के वापस कर दी जायेगी।
16. यह सूचना उपरोक्त ऋणकर्ता के लिये सिक्योरिटी इंट्रेस्ट एनफोर्समेंट रूल्स 2002 के रूल 8 (6) एवं परिशिष्ट IVA के अंतर्गत एक नोटिस है, ग्राहक के कॉलम सी एवं एफ में दर्शाये पते पर ।
17. विस्तृत नियम व शर्तों के लिये कृपया सुरक्षित लेनदार की वेबसाईट अर्थात् www.shubham.co रेफर करें।
18. अधिक जानकारी, स्पष्टता या किसी भी सहायता के लिए, **प्राधिकृत अधिकारी – जय प्रकाश तिवारी से मोबाइल नंबरः 9838220100 पर संपर्क किया जा सकता है।**

स्थान : गुडगाँव
दिनांकः 06-11-2025

प्राधिकृत अधिकारी
शुभम हाउसिंग डेवलपमेन्ट फायनेंस कम्पनी लिमिटेड

पायनियर
लखनऊ, शुक्रवार, 7 नवंबर 2025

बिहार से सटे यूपी के जिलों की सीमा हुई सील

- 40कंपनी पीएसी और 94नाका व बैरियर हुए स्थापित
- तस्करों और संदिग्धों पर नजर रखने के लिए हो रही है संघन चेकिंग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बिहार राज्य में हो रहे विधानसभा चुनाव को लेकर यूपी से सटे सात जिलों की सीमाओं को सील कर दिया गया है। यूपी के सीमावर्ती जनपदों में 94 नाका व बैरियर स्थापित किया गया है। जहां पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर संघन चेकिंग चलाकर संदिग्धों पर नजर रखी जा रही है। वहीं बिहार में विधानसभा चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए 40 कंपनी पीएसी आवश्यक संसाधन एवं उपकरण उपलब्ध कराये गये है।

प्रदेश के आईजी कानून-व्यवस्था एलआर कुमार ने बताया कि बिहार राज्य की सीमा से यूपी राज्य के 07 जनपदों (देवरिया, कुशीनगर, महराजगंज, गाजीपुर, चन्दौली, बलिया एवं सोनभद्र) के 40 थानों की लगभग 524 किमी सीमा लगती है। लिहाजा बिहार से सटे जिलों में सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता कर दी गयी है। प्रथम चरण का मतदान गुरूवार को बिहार राज्य की यूपी राज्य के चार जनपदों कुशीनगर, देवरिया, बलिया व गाजीपुर से लगने वाली 15 विधानसभा क्षेत्रों में सम्पन्न हो रहा है। वहीं द्वितीय चरण का मतदान 11नवंबर 2025 को बिहार राज्य की उत्तर प्रदेश राज्य के पांच जनपदों महराजगंज, कुशीनगर, गाजीपुर, चंदौली व सोनभद्र से लगने वाली पांच विधानसभा क्षेत्रों में सम्पन्न होना है। आईजी कानून-व्यवस्था एलआर कुमार ने बताया कि यूपी के सीमावर्ती जिलों में 94 नाका व बैरियर (मिरर चेकपोस्ट-51. सीसीटीवी सहित चेकपोस्ट-45) पर एसआई-188, हेडकांस्टेबल-187, कांस्टेबल-227 (कुल 602) का व्यवस्थापन कर बिहार राज्य की सीमा को पूर्णतया सील कर दिया गया है जबकि चेकनपोस्ट पर बैरियर लगाकर प्रभावी चेकिंग सुनिश्चित करायी जा रही है। उन्होंने कहा कि नाका व बैरियर मतदान समाप्ति तक प्रभावी रहेंगे।

7409 लीटर शराब व पांच किग्रा मादक पदार्थ बरामद

प्रदेश के आईजी कानून-व्यवस्था एलआर कुमार ने बताया कि बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर यूपी से सटे जिलों में सख्ती बरती जा रही है। अवैध शराब व मादक पदार्थों की बिक्री, परिवहन व तस्करी करने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर अब तक अवैध शराब के 197 अभियोग पंजीकृत कर 209 अभियुक्तों की गिरफ्तारी करते हुये 7409 लीटर अवैध शराब बरामद किया गया है। जिसकी कीमत करीब 24 लाख 50 हजार बतायी जा रही है। वहीं अवैध मादक पदार्थ के संबंध में 04 अभियोग पंजीकृत कर 04 अभियुक्तों की गिरफ्तारी करते हुये लगभग पांच किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ बरामद हुआ। जिसकी कीमती करीब दो लाख 42 हजार रूपए बतायी जा रही है।

एसटीएफ ने फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले दो को पकड़ा

फर्जी वेबसाइट के जरिए तैयार करते थे फर्जी प्रमाण पत्र

- अलीगढ़ से हुई गिरफ्तारी, कई फर्जी आधार कार्ड बरामद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

फर्जी वेबसाइट के माध्यम से कूटरचित जाति, आय, निवास, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र तैयार कर आधार कार्ड बनाया जा रहा था। एसटीएफ ने अधिकृत आपरेटर के माध्यम से फर्जी एवं कूटरचित आधार कार्ड बनाने वाले गिरोह के दो लोगों को अलीगढ से गिरफ्तार किया है।

एसटीएफ एसएसपी सुशील घुले ने बताया कि विगत कुछ महीनों से आधार कार्ड बनाने वाले अधिकृत साफ्टवेयर को अनाधिकृत कम्प्यूटर सिस्टम पर रिमोट एक्सेस लेकर फर्जी आधार कार्ड, जाति, आय, निवास, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र, बनाने वाले ऐसे गिरोहों के बारे में जानकारी मिल रही थी। इसी बीच एसटीएफ को जानकारी मिली कि जीवनगढ़ गली नं 12, थाना क्षेत्र क्वार्सी, अलीगढ़ में अवैध रूप से फर्जी आधार कार्ड एवं अन्य प्रमाण पत्र बनाने का काम किया जा रहा है। सटीक जानकारी होते ही एसटीएफ की टीम ने जनसुविधा केन्द्रों में छापा मारकर दो लोगों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए अभियुक्त ने अपना नाम साजिद हुसेन पुत्र सलीम अहमद निवासी गली नं 12 जीवनगढ़ थाना क्वार्सी और नईमुद्दीन पुत्र फईमुद्दीन निवासी जीवनगढ़ थाना क्वार्सी अलीगढ़ बताया। जिनके पास से 88कूटरचित आधार कार्ड, फिंगर प्रिन्ट स्कैनर, आईरिस स्कैनर, फर्जी मोहर, लैपटॉप, डेस्कटॉप, उपकरण सहित प्रिंटर बरामद किया। पूछताछ में अभियुक्त साजिद ने बताया कि वह आधार कार्ड बनाने वाली टेक स्मार्ट कम्पनी में वर्ष 2016-17 बतौर आपरेटर का काम करता था। वर्ष 2020 के बाद बैंक व पोस्ट आफिस के माध्यम से आधार कार्ड बनाये जाने के कारण उसकी कंपनी का काम खत्म हो गया तो स्वयं का जन सूविधा केन्द्र खोलकर जिलाधिकारी कार्यालय के अनुमति से जाति, निवास, आय, जन्म, मृत्यु आदि प्रमाण पत्रों के आवेदन पत्रों की डेटा फीडिंग का काम करने लगा।

पश्चिम बंगाल के तीन लोगों के जरिए बनाये फर्जी आधार कार्ड

इसी दौरान गुजरात में डिपार्टमेन्ट आफ वीनेन एण्ड चाइल्ड डेवलपमेण्ट की ओर से अधिकृत तौर पर आधार कार्ड बनाने वाले आपरेटर प्रशान्त से सम्पर्क हुआ, जिसके माध्यम से वास्तविक आधार कार्ड साफ्टवेयर का रिमोट एक्सेस प्राप्त कर फर्जी आधार कार्ड भी बनाने लगा। प्रशान्त के अतिरिक्त उसने पश्चिम बंगाल के आधार कार्ड बनाने वाले आपरेटर नोमान, मुजीबुर तथा अमीन के साथ मिलकर फर्जी आधार कार्ड बनाने का काम किया है। वर्तमान समय में उसके एक लैपटाप पर जन्म, मृत्यु, निवास आदि प्रमाण पत्र बनाने वाला पोर्टल इन्सटॉल है, जिसे लॉगिन आईडी एवं पासवर्ड के माध्यम से खोलने पर एक डैशबोर्ड प्रदर्शित होता है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से छात्रा की मौत

- कोचिंग खत्म कर वापस लौट रही थी घर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मड़ियांव थाना क्षेत्र में बुधवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में 18 वर्षीय छात्रा की मौत हो गई। मृतका की पहचान प्रांजलि सिंह के रूप में हुई है, जो अलीगंज स्थित एलएन कोचिंग में नीट की तैयारी कर रही थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, प्रांजलि रोजाना की तरह बुधवार को अपनी कोचिंग से पढ़ाई खत्म कर घर रैथा लौट रही थी। इसी दौरान भिठौली फ्लाईओवर के समीप एक अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी।

हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से छात्रा को अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। परिजनों ने बताया कि प्रांजलि का सपना डॉक्टर बनने का था, जिसके लिए वह लगातार मेहनत कर रही थी। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मचा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

संक्षिप्त समाचार

एसडीआरएफ ने 26 लोगों की जान बचायी

लखनऊ। वाराणसी और आगरा में एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू कर दो दर्जन से अधिक लोगों की जान बचायी है। जिसमें वाराणसी में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर एक नाव अनियंत्रित होकर चंदौली की दिशा में बहने लगी, जिसमें लगभग 25 श्रद्धालु सवार थे। लिहाजा जानकारी होते ही आनन-फानन में एसडीआरएफ टीम तत्काल रेस्क्यू उपकरणों के साथ घटनास्थल पर पहुंची। कुछ ही समय में सभी 25 लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू कर बाहर निकाला। वहीं आगरा मेला बटेश्वर घाट पर एक व्यक्ति सोनू पुत्र पप्पू निवासी ग्राम भदार, पोस्ट बटेश्वर, जो होश में नहीं था, ने अचानक यमुना नदी में छलांग लगा दी। घटना की जानकारी मिलते ही एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू करते हुए सुरक्षित रूप से नदी से युवक को निकाला।

कुत्ते ने पांच लोगों को काटा, ग्रामीणों में दहशत

लखनऊ। माल थानाक्षेत्र में गुरुवार को कुत्ते के काटने से पांच लोग घायल हो गये। सभी घायल एक ही गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। घायल दोपहर में माल सीएचसी उपचार कराने के लिए पहुंचे थे। जिन्हें रैबीज का टीका लगाया गया और कुत्ते की गति विधि पर आगामी दस दिनों तक नजर रखने की सलाह भी चिकित्सक द्वारा दी गयी। भादवाना गांव में एक कुत्ते ने रफी(22), रामखेलावन (60),हारून (45), रामकुमार (22) और अरुण (43) को गुरुवार कुत्ते ने दौड़कर काट लिया। बताया जा रहा की कुत्ते ने लगभग एक ही घंटे के बीच सभी को काटा था। जिससे कुत्ते के पागल होने की आशंका जताई जा रही है। जिससे चिकित्सक ने सभी घायलों को कुत्ते पर दस दिनों तक नजर रखने की सलाह दी है। साथ सभी को संपूर्ण इलाज करने की भी हिदायत दी है।

खाली दुकान में मिला युवक का शव

सरोजनीनगर। बंथरा इलाके में गुरुवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का शव संदिग्ध अवस्था में सड़क किनारे खाली दुकान में पड़ा मिला। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बंथरा के जुनाबगंज निवासी डॉ. आशीष गुप्ता के मुताबिक गुरुवार सुबह वह अपने चिकित्सालय से रामाडा होटल की तरफ जा रहे थे। तभी सड़क किनारे कटी बगिया में नन्हके रावत की खाली पड़ी दुकान में एक अज्ञात व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा दिखाई पड़ा। मृतक नीले कलर की गंदी जींस पैंट और मटमैली कलर का गंदा शर्ट पहने होने के साथ ऊपर से एक कंबल ओढ़े जमीन पर पड़ा था। डॉ. आशीष ने इसकी सूचना पुलिस को दी।

दुराचार का आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। विकासनगर थाना क्षेत्र में नाबालिग पीड़िता को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई थाना विकासनगर की टीम द्वारा की गई। मामला 17 अगस्त 2025 का है, थाना विकासनगर पुलिस टीम ने बिहार के सारन जिले के मशरख निवासी विक्की कुमार (19)पुत्र हरेन्द्र राम को गुरुवार को विकासनगर क्षेत्र से गिरफ्तार किया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। विकासनगर थाना प्रभारी आलोक कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी ने नाबालिग से दोस्ती कर उसे बहला-फुसलाकर भगाया ।

फौजी ढाबा के सामने मासूम की सड़क हादसे में मौत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बख्शी का तालाब (बीकेटी) थाना क्षेत्र में गुरूवार की रात एक दिल दहला देने वाले सड़क हादसे ने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया। सीतापुर हाईवे स्थित फौजी ढाबा के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आने से आठ वर्षीय मासूम कृष्णा की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि बच्चे के शरीर पर गहरी चोटें आईं और राहगीरों ने तत्काल उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए और सड़क पर अफरा-तफरी मच गई। मासूम की मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

बीकेटी में सड़क के किनारे झोपड़ी बनाकर मूलचंद अपनी पत्नी रिंकी और बच्चों के साथ रहता है। हादसे के बाद पिता मूलचंद और मां रिंकी का रो-रोकर बुरा हाल है। वे बार-बार यही कह रहे थे कि कुछ ही पल पहले कृष्णा खेलते हुए सड़क पार कर रहा था, किसी ने सोचा भी नहीं था कि यह उसका आखिरी कदम होगा। घटना के बाद बीकेटी पुलिस मौके पर पहुंची, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि हादसे के जिम्मेदार वाहन और चालक की तलाश की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और हर संभव मदद उपलब्ध कराई जाएगी।

अंतिम संस्कार के लिए पुलिस कर्मियों ने बढ़ाए हाथः एकलौते बेटे की मौत के बाद मजदूर दम्पत्ति समेत तीनों बहनों का रो-रो कर बुरा हाल था। वहीं पिता ने बेटे के अंतिम संस्कार करने में असमर्थता जताई तो थाने पर मौजूद पुलिसकर्मी रचना शर्मा, अमरीश यादव, आशीष कुमार सिंह ने पैसे देकर बेटे का विधवत अंतिम संस्कार कराया।

ई-रिक्शा पलटने से छह लोग घायल

लखनऊ। बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार सुबह साढ़े दस बजे सीतापुर हाईवे पर फौजी ढाबा फ्लाईओवर के पास दो कारों के आमने-सामने आ जाने के चलते एक ई-रिक्शा हादसे का शिकार हो गया। इसके बाद ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ई-रिक्शा में सवार चालक समेत कुल छह लोग घायल हो गए। सभी घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत निजी अस्पताल पहुँचाया गया, जहाँ उनका उपचार जारी है। जानकारी अनुसार मडियांव के सेमरा गौढ़ी निवासी गणेश ने बताया कि वे अपनी बीमार बहू उर्मिला का इलाज करवाने के लिए अपने परिवार के साथ अपनी पत्नी पम्मी, छोटी बेटी निव्या, मोनी, उर्मिला और चालक कौशल के साथ ई-रिक्शा में जा रहे थे। तभी सीतापुर हाईवे पर फलाईओवर के पास दो कारें आमने-सामने आ गईं। उन कारों से बचने के प्रयास में ई-रिक्शा चालक ने अचानक स्टीयरिंग मोड़ा, जिससे वाहन संतुलन खोकर पलट गया और सवारियां घायल हो गईं। प्रभारी निरीक्षक बक्शी का तालाब ने बताया कि ई रिक्शा हादसे में सभी घायलों की हालत सामान्य है।

चिड़ियाघर में घुसे पांच युवक, एक गिरफ्तार

लखनऊ। डीजीपी आवास के पास स्थित चिड़ियाघर में गुरुवार को बड़ा मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि चार अज्ञात युवक गूलर के पेड़ की डाल काटकर और फेंसिंग तोड़ते हुए अंदर घुस गए। इन लोगों ने अंदर जाकर हिरण के बच्चे को पकड़ने की कोशिश की। मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने शोर मचाया तो युवक भाग निकले। सूचना मिलते ही चिड़ियाघर प्रशासन ने पुलिस को जानकारी दी। जांच में पता चला कि घटना में शामिल एक व्यक्ति डीजीपी आवास के पास रहने वाला राजेश मिश्रा है। उसके खिलाफ चिड़ियाघर प्रशासन ने चार अन्य साथियों के ऊपर मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने देर रात छापा मारकर राजेश मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया, जबकि बाकी चार युवकों की तलाश की जा रही है। चिड़ियाघर के अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की घटना वन्यजीव संरक्षण अधिनियम का उल्लंघन है।

युवक से 2.83 लाख ठगे

लखनऊ। गुडम्बा के जानकीपुरम सेक्टर-एच निवासी संजय सिंह के साथ ऑनलाइन धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पीड़ित ने बताया कि उन्होंने दर्शिता इलेक्ट्रॉनिक्स नामक फर्म से मोबाइल फोनों का ऑर्डर दिया था। संजय सिंह ने बताया कि 24 जून 2025 को व्हाट्सएप नंबर से उनकी बातचीत हुई। आरोपी ने कंपनी का पैन और जीएसटी नंबर भेजते हुए 2,83,542 रुपये का कोटेशन दिया। भरोसा होने पर संजय ने एक जुलाई को अपने इंडियन ओवरसीज बैंक खाते से आरटीजीएस के माध्यम से उक्त रकम आरोपी के इंडियन बैंक खाते में भेज दी। रकम पहुंचने के बाद आरोपी ने फोन उठाना बंद कर दिया और न ही ऑर्डर किया गया सामान भेजा।

उपमा का 8वाँ वार्षिक अधिवेशन हुआ सम्पन्न

यूपी में रोजगार, महिला सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता को मिली नई दिशा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

माइक्रोफाइनेंस एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश (उपमा) ने गुरूवार को होटल ताज में अपने 8वें वार्षिक अधिवेशन का भव्य आयोजन किया। माइक्रोफाइनेंस रोजगार में सहायक विषय पर आधारित इस अधिवेशन में देश के शीर्ष वित्तीय विशेषज्ञों ने भाग लिया और प्रदेश में रोजगार सृजन, उद्यमिता विकास तथा आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए अपने महत्वपूर्ण विचार साझा किए।

मुख्य अतिथि भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व उप-गवर्नर एमके जैन तथा सिडबी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. क्षत्रपति शिवाजी ने विशेष रूप से मुंबई से आकर सत्रों को संबोधित किया। दोनों विशिष्ट अतिथियों ने माइक्रोफाइनेंस की महत्ता, भविष्य की संभावनाओं तथा उत्तर प्रदेश की आर्थिक प्रगति में इसकी भूमिका पर गहन विचार प्रस्तुत किए। अधिवेशन के दौरान उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने में माइक्रोफाइनेंस की भूमिका पर एक विस्तृत रिपोर्ट जारी की गई, जिसमें यह रेखांकित किया गया कि माइक्रोफाइनेंस संस्थानों ने ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों में महिलाओं की आर्थिक भागीदारी, उद्यमिता को प्रोत्साहन और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विवेक तिवारी, चेयरमैन, उपमा ने बताया कि अधिवेशन में ग्राहकों की अपेक्षाएँ, जिम्मेदार वित्तपोषण, फइकके दिशा-निर्देशों के अनुरूप संचालन तथा व्यवसाय वृद्धि की रणनीतियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक मंथन हुआ। उपमा के मंत्री पारस वासनिक ने कहा, यह हमारा आठवां वार्षिक अधिवेशन है और हमें विश्वास है कि यह माइक्रोफाइनेंस क्षेत्र के सभी हितधारकों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक सिद्ध होगा।

विशिष्ट विभूति हुए सम्मानित

इस अवसर पर माइक्रोफाइनेंस क्षेत्र में अमूल्य योगदान देने वाली विशिष्ट विभूतियों नवनीत कुमार सहगल आईएएस चेयरमैन प्रसार भारती, अमिताभ यश एडीजी कानून-व्यवस्था, शैलेंद्र कुमार सिंह महाप्रबंधक बैंक ऑफ बड़ौदा एवं चेयरमैन एसएलबीसी और एडीजी जोन सुजीत पांडेय को सम्मानित भी किया गया।

जिम ट्रेनर ने युवक को रास्ते में रोककर बुरी तरह से पीटा

- युवक की पत्नी से ट्रेनर का चल रहा है प्रेम-प्रसंग

पायनियर समाचार सेवा। सरोजनीनगर

सरोजनीनगर के एक युवक ने अपनी पत्नी के कथित अवैध संबंध और जान से मारने की धमकी का आरोप लगाते हुए पत्नी और उसके जिम ट्रेनर प्रेमी व दो अज्ञात लोगों के खिलाफ सरोजनीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है। पीड़ित के मुताबिक वह अपने काम में अधिक व्यस्त रहता है। उसकी पत्नी सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में अपने माता-पिता के साथ रहती हैं और पीड़ित को अप्रैल माह में पता चला कि उसकी पत्नी के अवैध संबंध एलडीए कालोनी निवासी जिम ट्रेनर आकाश सिंह से हैं। पीड़ित का कहना है कि पत्नी अक्सर विभिन्न राज्यों में आकाश के साथ जाती और परिवार को सहेलियों के साथ बाहर घूमने जाना बताती रही। आरोप है कि जब पीड़ित ने इस पर सवाल उठाये तो पत्नी ने आक्रोश व गाली-गलौज की और कहा कि यदि परिवार उसे रोकेगा तो वह झूठे मुकदमों में फंसा देगी। आरोप है कि करीब एक सप्ताह पहले आकाश सिंह अपने एक अज्ञात साथी के साथ पीड़ित को घर के पास रोक कर आपत्तिजनक फोटो व वीडियो दिखाकर अपमानित किया।

व्यापारी के मकान से 25 लाख की ज्वेलरी चोरी

लखनऊ। जानकीपुरम थाना क्षेत्र के आयुष विहार फेस-2 में दिनदहाड़े हुई चोरी की वारदात से इलाके में हड़कंप मच गया। व्यापारी शुभम सिंह निवासी आयुष बिहार फेस-2 जानकीपुरम विस्तार का फास्टफूड का कारोबार है। पीड़ित ने बताया कि बुधवार को दोपहर करीब तीन बजे अपनी ससुराल महानगर गए थे। बृहस्पतिवार को वह करीब 11:30 बजे दिन में घर लौटे तो देखा कि मुख्य द्वार खुला पड़ा था और कमरे का दरवाजा टूटा हुआ था। घर का सारा सामान बिखरा पड़ा था।

जांच करने पर पता चला कि अज्ञात चोर घर से 25 हजार नकद और करीब 25 लाख रुपये के कीमती जेवरात चोरी कर ले गए हैं।

मेला देखने गए युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

पायनियर समाचार सेवा। सरोजनीनगर

बंथरा इलाके में कार्तिक पूर्णिमा का मेला देखने गया युवक संदिग्ध परिस्थितियों में सड़क किनारे घायल पड़ा मिला। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से उसे घर भिजवाया, लेकिन गुरुवार सुबह उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।

बंथरा के मवई पड़ियाना निवासी विमलेश उर्फ बबलू रावत (26) मजदूरी कर जीवनयापन करता था। करीब सात माह पहले उसके पिता भगवान दीन और पांच माह पहले बड़े भाई कमलेश की बीमारी से मौत हो चुकी है। वहीं उसकी मां की मृत्यु लगभग 20 वर्ष पूर्व ही हो गई थी। परिजनों की मौत के बाद विमलेश घर में अकेले ही रहता था। बुधवार शाम करीब पांच बजे विमलेश गांव के ही नीरज की बाइक से उसके और दोस्त रामशंकर के साथ अमावा स्थित स्वामी सागर तट पर आयोजित कार्तिक पूर्णिमा मेला देखने गया था। मेला देखकर नीरज और रामशंकर घर लौट आए, जबकि विमलेश वहीं रुक गया। रात करीब आठ बजे राहगीरों ने फतेहगंज-नारायणपुर रोड पर अमावा जंगल के पास सड़क किनारे उसे नशे की हालत में घायल पड़ा देखा।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

सूच्य हो कि मैंने अपने पुत्र बलराम को उसका चाल-चलन ठीक ने होने के कारण अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। अब से उसके किसी भी कृत्य व लेन-देन से मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता व सरोकार नहीं रहेगा। रघुराई पत्नी स्व. रामदत्त निवासी-ग्राम शेखवापुर, पोस्ट-कोरैया उदनापुर, थाना-हरगांव, तहसील व जिला-सीतापुर

सूचना

सूचित हो कि मेरे पति प्रमोद सिंह नशे के आदी है और उनका मानसिक संतुलन ठीक नहीं है चूंकि उनका लीवर सोराइसिस का इलाज चल रहा है। इस दौरान मेरे पति से कोई भी गलत कार्य करवा सकता है। आज से उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्यों को वैध नहीं माना जायेगा। मेरी व मेरे पति की जिम्मेदारी नहीं होगी। स्वीटी सिंह पत्नी प्रमोद सिंह, नि.-डडियामऊ, पोस्ट-नाहामऊ, थाना-मसौली, जनपद-बाराबंकी।

फर्जी कंपनियों के जरिए करोड़ों की ठगी करने वाले तीन गिरफ्तार

पकड़े गए अभियुक्त में इंडसइंड बैंक का ब्रांच मैनेजर भी शामिल

- साइबर क्राइम सेल व साइबर क्राइम थाना टीम ने किया खुलासा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

फर्जी दस्तावेजों के जरिए फर्जी कंपनी बनाकर एक निजी बैंक के डिप्टी ब्रांच मैनेजर की मदद से कई खाता खुलवाया गया। जहां ऑन लाइन ठगी और गेमिंग के जरिए मिली रकम को ट्रांसफर किया जाता था। जिसके बाद रकम को कैश और ऑन लाइन निकालकर हड़प लिया जाता था। ऐसे ही एक ठगी के प्रकरण का खुलासा करते हुए साइबर क्राइम सेल व साइबर क्राइम थाना की पुलिस ने एक निजी बैंक के मैनेजर समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से छह अदद एटीएम कार्ड, पांच मोबाइल फोन, दो आधार कार्ड, एक पैन कार्ड व 30,000 रूपए की नगदी बरामद की।

साइबर क्राइम सेल और साइबर क्राइम थाना पुलिस ने दो संदिग्धों को पकड़ा जोकि अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर साइबर ठगी कर लोगों से धोखाधड़ी करते थे। दोनों संदिग्धों से पूछताछ के बाद इनके एक अन्य साथी को एक्सिस बैंक गोल मार्केट के पास से गिरफ्तार किया। पकड़े गए अभियुक्तों ने अपने नाम उमाकांत पुत्र गौरीशंकर हाल पता भगवती यादव का किराये का मकान रायल सिटी कालोनी अनौरा थाना बीबीडी, राजीव विश्वास पुत्र प्रकाश कुमार विश्वास निवासी खम्हरिया जगदीशपुर जिला बस्ती और उत्तम कुमार विश्वास पुत्र सुभाष कुमार निवासी 843 किरन एक्लेव, कुर्सी रोड लखनऊ बताया। पकड़े गए अभियुक्तों में उत्तर कुमार इंडसइंड बैंक में ब्रांच मैनेजर है। पूछताछ में उमाकांत ने बताया कि वे अपनी फर्जी फर्म आकाश रियल स्टेट एंड डेवलपर्स प्रालि के नाम से खाता खुलवाने की योजना बना रहे थे। वह वास्तविक रूप से रियल एस्टेट का कार्य नहीं करता बल्कि विभिन्न नामों से फर्जी फर्म बनाकर अलग-अलग बैंकों में खाते खुलवाता है, जिनके माध्यम से करोड़ों रुपये की साइबर ठगी की जाती है। उसने बताया कि इस पूरे नेटवर्क में उत्तम विश्वास, जो इंडसइंड बैंक चिनहट, लखनऊ में डिप्टी ब्रांच मैनेजर हैं, सक्रिय रूप से सहयोग करते हैं। उमाकांत ने बताया कि अब तक ठगी की रकम में से लगभग 20 करोड़ रुपये में से 10-20 प्रतिशत कमीशन के रूप में उत्तम विश्वास को दिए गए हैं, जिनमें से एक लाख गूगल पे से तथा सात-आठ लाख रूपए नकद दिए गए।

मैनेजर के जरिए कई खातें खुलवाये

अभियुक्त उत्तम विश्वास, डिप्टी ब्रांच मैनेजर, इंडसइंड बैंक चिनहट ने बताया कि उसने उमाकांत व राजीव विश्वास की फर्म सोनराइज सॉल्यूशन प्रालि के नाम से इंडसइंड बैंक के अलावा कोटक महिंद्रा बैंक में भी खाता खुलवाने में सहयोग किया। इन खातों में गेमिंग और ऑनलाइन फ्रॉड से प्राप्त धनराशि आती थी, जिसे उमाकांत ऑनलाइन बैंकिंग व एटीएम के माध्यम से निकालता था। प्राप्त रकम में से 20प्रतिशत कमीशन उत्तम विश्वास को नकद व ऑनलाइन माध्यम से दिया जाता था।

करोड़ों की ठगी की रकम प्रापर्टी व ज्वेलरी में खपायी

ठगी करके करोड़ों की रकम अर्जित की गयी। जिसके बाद उमाकांत ने ठगी की राशि से गत 27अक्टूबर को अपनी पत्नी के नाम से जमीन और सोने-चांदी की ज्वेलरी खरीदी थी। जिसके संबंध में मोबाइल फोन से साक्ष्य मिला है।

मकान का ताला तोड़कर की चोरी

लखनऊ। मड़ियांव थाना क्षेत्र में चोरों ने उस वक्त घर को निशाना बनाया जब परिवार धार्मिक यात्रा पर गया हुआ था। परिवार बालाजी और खाटू श्याम के दर्शन के लिए बाहर गया था और लौटने पर देखा कि घर का ताला टूटा पड़ा है और अंदर रखे कीमती गहने व नगदी गायब थे। जानकारी के अनुसार हरिओम नगर, दुर्गा माता मंदिर, बाल निकेतन स्कूल के पास रहने वाले संजय शुक्ला पुत्र काशी प्रसाद शुक्ल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि दीपावली के अवसर पर वह अपने परिवार के साथ बालाजी और खाटू श्याम दर्शन के लिए गया था। यात्रा पूरी कर जब वह घर लौटे तो देखा कि अलमारी व बक्सों के ताले टूटे हुए थे। चोर दो जोड़ी चांदी की पायल, एक सोने की चेन, एक सोने की अंगूठी और करीब 95 हजार रुपये नकद उठा ले गए।

पायनियर

लखनऊ, शुक्रवार, 7 नवंबर 2025

रोबोटिक हथिनी एली सनबीम सनसिटी पहुंची

पायनियर समाचार सेवा सेवा। वाराणसी

सनबीम सनसिटी स्कूल, वाराणसी के छात्रों को एक अनोखा अनुभव मिला जब एली नाम की एकदम असली दिखने वाली रोबोटिक हथिनी ने स्कूल का दौरा किया। अभिनेत्री दीया मिर्जा की आवाज में बात करने वाली एली,पीपुल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स,इंडिया द्वारा शुरू किए गए जागरूकता कार्यक्रम कि मुख्य आकर्षक है। एली ने अपनी आंखें झपकाकर और कान फड़फड़ाकर एक असली हाथी जैसी हरकतें कर हजारों स्थानीय छात्रों का मन मोह लिया। एली ने बच्चों को उनकी उम्र के अनुसार एक कहानी सुनाई कि कैसे उसे बचपन में अपनी मां से ज़बरदस्ती अलग कर दिया गया,फिर एक सर्कस में उसे किस तरह दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा और अंत में कैसे उसे बचाकर एक अभयारण्य में सुखद जीवन मिला।सनबीम ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टिट्यूशन्स के चेयरपर्सन डॉ. दीपक मधोक ने अपने दिए गये संदेश में कहा कि एली का यहां आना हमारे छात्रों के लिए एक वास्तव में ज्ञानवर्धक अनुभव रहा।असली हाथी जैसी दिखने वाली एली एक महत्वपूर्ण संदेश लेकर आई,उससे छात्र बेहद प्रभावित हुए। उन्होंने एली और पेटा इंडिया के प्रयासों के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

डीएम की अध्यक्षता में राजनैतिक दलों से मंत्रणा

❖ मतदाता सूची को शुद्ध, त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाने पर दिया गया जोर

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुपालन में आगामी निर्वाचन की तैयारी के दृष्टिगत निर्वाचन नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण तथा मतदेय स्थलों के भौतिक सत्यापन के पश्चात कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी सत्येंद्र कुमार की अध्यक्षता में विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की विस्तार से जानकारी दी और कहा कि एस आई आर का प्रमुख उद्देश्य निर्वाचन नामावलियों को पूर्णतः शुद्ध, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित बनाना है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज होना लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए आवश्यक है, वहीं मृतकों अथवा अपात्र व्यक्तियों के नामों को सूची से हटाया जाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।जिलाधिकारी ने बताया की निर्वाचन आयोग ने इस प्रक्रिया में राजनैतिक दलों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु बूथ लेवल एजेंट्री प्रणाली लागू की है। इसके अंतर्गत प्रत्येक राजनैतिक दल अपने बूथ स्तर के एजेंटों की नियुक्ति कर सकेगा, जो मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।उन्होंने सभी राजनैतिक दलों से अपील किया की वे अपने एजेंटों को प्रशिक्षित कर मतदाता सूची के शुद्धिकरण एवं अद्यतन कार्य में सहयोग प्रदान करें, ताकि किसी पात्र मतदाता का नाम सूची से छूट न जाए।उन्होंने सभी प्रतिनिधियों से अनुरोध किया कि वे आम जनमानस को भी इस प्रक्रिया से जोड़ें और अधिक से अधिक पात्र नागरिकों को मतदाता पंजीकरण हेतु प्रेरित करें। साथ ही मतदाता सूची में त्रुटियों अथवा पुनरीक्षण संबंधी सुझाव समय पर प्रस्तुत करें, जिससे आयोग द्वारा निर्धारित समयावधि में संशोधन कार्य पूर्ण कराया जा सके।बैठक में उन्होंने बताया कि अपने पार्टी से बूथ लेवल एजेन्ट की नियुक्ति करके तत्काल जिला निर्वाचन कार्यालय में उपलब्ध करा दें।

बरेका की तकनीकी उत्कृष्टता और कार्य संस्कृति से अभिभूत हुईं सदस्य रेलवे बोर्ड

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

बनारस रेल इंजन कारखाना के निरीक्षण दौरे पर आईं सदस्य (वित्त) रेलवे बोर्ड उषा वेणुगोपाल कारखाने के विभिन्न शॉपों के निरीक्षण से अत्यंत प्रभावित हुईं।

बरेका आगमन पर महाप्रबंधक सोमेश कुमार ने उन्हें स्मृति चिह्न प्रदान किया एवं प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर सुशील कुमार श्रीवास्तव ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया।कारखाना निरीक्षण के दौरान उन्होंने न्यू लोको फ्रेम शॉप, लोको असेंबली शॉप, ट्रक मशीन शॉप तथा लोको टेस्ट शॉप का गहन निरीक्षण किया।

उन्होंने लोको निर्माण प्रक्रिया, तकनीकी दक्षता, गुणवत्ता मानकों एवं सुरक्षा उपायों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की और उत्पादन प्रक्रियाओं को करीब से समझा। सुश्री वेणुगोपाल ने लोको कैब का निरीक्षण करते हुए निर्माण की सूक्ष्मताओं पर विशेष ध्यान दिया।

संक्षिप्त समाचार

गोपी घाट पर हुआ भव्य देव दीपावली महोत्सव

जौनपुर। श्री संकट मोचन संगठन (ट्रस्ट) के तत्वावधान में गोमती नदी तट (शाही पुल गोपी घाट) पर भव्य देव दीपावली महोत्सव का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह रहे जिन्होंने दीप प्रज्वलन करके महोत्सव का शुभारंभ किया। साथ ही कहा कि ''देव दीपावली हमारे धर्म, संस्कृति और सामाजिक एकता का पर्व है। इस तरह के आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा और धार्मिक जागरूकता फैलाने का कार्य करते हैं।'' इसके पहले कार्यक्रम की शुरुआत मां गोमती की भव्य आरती से हुई। इसके उपरान्त श्रद्धालुओं ने गोमती तट पर दीपदान किया जिससे पूरा घाट दीपों की रोशनी से आलोकित हो उठा। जल में तैरते दीपों का दृश्य अत्यन्त मनमोहक रहा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भक्ति संगीत, नृत्य एवं आरती प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। अन्त में भंडारा एवं प्रसाद वितरण किया गया। संगठन के अध्यक्ष आदित्य चौधरी ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य समाज में धार्मिक एकता, सांस्कृतिक जागरूकता और लोक परम्पराओं के संरक्षण को बढ़ावा देना है। साथ ही उन्होंने मुख्य अतिथि, पदाधिकारियों और उपस्थित श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संरक्षक प्रदीप तिवारी, महामंत्री संदीप निषाद, उपाध्यक्ष अजय नाविक, कोषाध्यक्ष सूरज निषाद, कार्यक्रम संयोजक रितेश जायसवाल, डॉ. कमलेश निषाद सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

स्वस्थ आदतों अच्छी ओरल हैल्थ से होती है: राहुल

जौनपुर। खिलाड़ियों का सबसे बेहतर प्रदर्शन बनाए रखने के लिए ओरल हैल्थ की ओर ध्यान खींचा। कड़ी प्रतिस्पर्धा वाले खेल में सबसे ऊपर रहने के अपने अनुभव के साथ द्रविड़ ने बताया कि 'छोटी-छोटी बातों' को ध्यान में रखकर किस प्रकार उत्कृष्टता प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि ओरल हैल्थ खेल में बेहतर परफॉरमेंस बनाए रखने के लिए बहुत महत्वपूर्ण होती जा रही है। ध्यान भटकने से रोकने और शारीरिक मुश्किलों को दूर करने के लिए ओरल हैल्थ को मजबूत बनाए रखना बहुत महत्वपूर्ण है। इससे खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धा में बढ़त मिलती है, जो वो हमेशा पाना चाहते हैं। उनकी रणनीति स्पष्ट है: समस्याओं को रोकें। बेहतर प्रदर्शन करें। द्रविड़ ने इस बात पर जोर दिया कि आज की कड़ी प्रतिस्पर्धा में बहुत मामूली बढ़त या केवल 1 प्रतिशत मार्जिन भी सफलता प्रदान कर सकता है।

ग्रामीण भारत अब केवल खेती तक सीमित नहीं: नीलेश

प्रयागराज। ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती आय और कंजम्पशन अब भारत की बड़ी आर्थिक कहानी का एक अहम हिस्सा हैं। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी ने कोटक रूरल अपॉर्च्यूनिटीज फंड लॉन्च करने की घोषणा की है। यह एक ओपन एंडेड इक्विटी स्कीम है, जो ग्रामीण और इससे जुड़े क्षेत्रों में निवेश पर फोकस करेगी। यह स्कीम छह नवंबर दो हजार पच्चीस से बीस नवंबर तक निवेशकों के लिए खुली रहेगी। इस फंड का उद्देश्य लंबी अवधि में निवेशकों की दौलत में इजाफा करना है, जिसके लिए यह उन कंपनियों के शेयरों में निवेश करेगा, जो भारत के ग्रामीण विकास और बदलाव से जुड़ी हैं या उससे लाभ कमा रही हैं। इस स्कीम का बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी रूरल इंडेक्स टीआरआई होगा। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर नीलेश शाह ने इस मौके पर कहा कि ग्रामीण भारत अब केवल खेती तक ही सीमित नहीं है, यह भारत के विकास का नया मोर्चा बन चुका है। वित्तीय समावेशन से लेकर डिजिटल कनेक्टिविटी और स्थानीय मैन्युफैक्चरिंग तक, ग्रामीण भारत में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। यह बदलाव अवसरों, नई उम्मीदों और सरकारी नीतियों की वजह से आ रहा है। यह बदलाव भारत की सबको साथ लेकर चलने वाली और संतुलित आर्थिक विकास की यात्रा के साथ मेल खाता है।

भजन में लगाना चाहिए मन: शांतनु महाराज

प्रयागराज। सलोरी काटजू बाग कालोनी स्थित दुर्गा पूजा पार्क में भईया जी का दाल भात परिवार और श्री सुमंगलम सेवा न्यास की ओर से सेवा कार्यों के सहयोगार्थ आयोजित हो रही नौ दिवसीय संगीतमय श्री रामकथा के पांचवें दिन गुरुवार को कथा व्यास आचार्य शांतनु महाराज ने अयोध्या कांड की पावन मांगलिक प्रारंभिक चौपाइयों के गायन के साथ प्रारंभ किया। एक माह के बाद जनकपुर से लौटकर श्रीधाम अयोध्या और अयोध्या की स्थिति एकदम परिवर्तित हो चुकी है। रिद्धि सिद्धि समृद्धि की बाढ़ आ गई। एक माह के बाद राज्यसभा जा बैठी तो महाराज ने भरी सभा में शीशा देखा महाराज श्री ने शीशा देखने के तात्पर्य को स्पष्ट करते हुए कहा कि सही व्यक्ति का गुरु भी है दुश्मन भी है इसलिए शीशा जरूर देखना चाहिए। स्वयं के देखने से गुरु का काम करता है यदि दूसरा दिखाएं तो दुश्मन का काम करता है। शीशा देखने का अर्थ आत्मावलोकन आत्मचिंतन आत्मदर्शन आत्म संवाद से है।

अहंकार व आसक्ति मानव दुख के मूल कारण: स्वामी अभेदानन्द

पायनियर संवाददाता। प्रयागराज

चिन्मय मिशन के वरिष्ठ संत स्वामी अभेदानन्द का ज्ञान यज्ञ का शुभारम्भ चिन्मय मिशन के अखिलेश्वर मंदिर सभागार में दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। स्वामी जी ने रामचरितमानस पर आधारित श्री भरत चरित्र की व्याख्या अत्यन्त आकर्षक शैली में की। स्वामी जी ने भरत के भगवान राम के प्रति प्रेम और भक्ति को दर्शाने वाले श्लोकों का पाठ करते हुए सत्र की शुरुआत की। कहा जीवन का एक ही उद्देश्य है मन में तथा बाहर रामराज्य की स्थापना। रामराज्य का अर्थ है धर्म, भक्ति और ज्ञान पर आधारित व्यवस्था, जिसके केन्द्र में समर्पण की वृत्ति है। यही वृत्ति मानवीय समाज की आधार है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सच्चा सुख भौतिक धन में नहीं, बल्कि आंतरिक शांति और वैराग्य में निहित है, सभी को याद दिलाया कि धन आराम दे सकता है, लेकिन कभी भी संतोष नहीं दे सकता। रावण और कंस के उदाहरणों का हवाला देते हुए, स्वामी जी ने समझाया कि कैसे अहंकार और आसक्ति मानव दुख के मूल कारण बन जाते हैं।

घूरपुर में किशोरी की गला रेतकर नृशंस हत्या

❖ घर से कुछ दूरी पर मिला किशोरी का शव

पायनियर संवाददाता। प्रयागराज

घूरपुर में गुरुवार सुबह 15 साल की किशोरी की गला रेतकर हत्या कर दी गई। शव घर से करीब सौ मीटर दूर खून से लथपथ हालत में मिला। हत्या किसने और क्यों की, फिलहाल इसका पता नहीं चल सका है। परिवार वाले किसी से रंजिश की बात से इंकार कर रहे हैं। किसी पर शक भी नहीं जताया गया।

डीसीपी यमुनानगर, एसीपी कौंधियारा ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की।किशोरी की पहचान घूरपुर के कांटी गांव निवासी रमेश कुमार की बेटी सरिता के रूप में हुई। परिवार वालों का कहना है कि वह मानसिक रूप से दिव्यांग थी। परिजनों के मुताबिक, वह रोज की तरह सुबह करीब साढ़े पांच बजे घर से निकली थी। करीब आठ बजे ग्रामीणों ने उसकी लाश घर से करीब सौ मीटर दूर पानी भरे खेत के पास पड़ी देखी। उसकी गर्दन पर धारदार हथियार से वार के गहरे निशान थे। पिता ने किसी भी रंजिश से इनकार किया पिता रमेश मजदूरी कर परिवार का पालन पोषण करते हैं। मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से खून के नमूने और अन्य सबूत जुटाए हैं। डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में किशोरी के गर्दन पर जख्म के निशान मिले हैं। अब तक कि पूछताछ में परिवार ने किसी से रंजिश से इनकार किया है। हर बिंदु को ध्यान में रखकर जांच कराई जा रही है। सरिता माता पिता की चार संतानों में इकलौती बेटी थी। वह तीसरे नंबर पर थी। दो भाई उससे बड़े जबकि एक छोटा है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, घरवालों से पूछताछ की गई तो यह सामने आया कि वह मानसिक रूप से कमजोर थी। अक्सर घर से निकल जाया करती थी और कुछ देर बाद वापस आ जाती थी। बृहस्पितवार सुबह भी वह घर से निकली तो घरवालों ने सोचा कि थोड़ी देर में आ जाएगी। आठ बजे के करीब गांव के कुछ लोगों से सूचना मिली कि सरिता मृत पड़ी है। वह भागकर मौके पर पहुंचे तो देखा कि उसकी गर्दन में गहरा जख्म था। जहां लाश मिली, वहां आने जाने का रास्ता नहीं पुलिस सूत्रों के मुताबिक, जिस जगह पर किशोरी की लाश मिली, वहां आने जाने का कोई रास्ता नहीं है। यह खाली जमीन है जिसके कुछ हिस्से में पानी भरा है। इसके किनारे ही वह मृत पड़ी मिली। ऐसे में माना जा रहा है कि हत्या के लिए ही उसे वहां ले जाया गया। आशंका इस बात की भी है कि उसे जबरन नहीं बल्कि बहलाफुसलाकर ले जाया गया। पुलिस का कहना है कि गर्दन के अलावा शरीर पर अन्य कोई जाहिरा चोट के निशान नहीं मिले हैं। घटनास्थल पर फोरेंसिक टीम के साथ डॉग स्क्वॉड का भी बुलाया गया। एक चौंकाने वाली बात यह रही कि घटनास्थल पर कुछ देर इधर उधर घूमने के बाद ट्रैकर डॉग सीधे मृतका के घर पहुंच गया। इसके बाद वह वहीं मंडराता रहा।

भाजपा नेता ने अस्पताल को मुहैया कराई आधुनिक बेस कीमती मशीनें

❖ अब जनता को मात्र 30 रुपए में बड़े-बड़े अस्पतालों जैसा होगा इलाज

पायनियर संवाददाता। जौनपुर

भाजपा के वरिष्ठ नेता ज्ञान प्रकाश सिंह का जिले के विकास के लिए हर क्षेत्र में सहयोग समर्पण भाव से जारी है। गुरुवार को उन्होंने जिले के सीतापुर अस्पताल में आंख के इलाज के लिए कीमती उपकरणों को मुहैया कराया है। अब मात्र 30 रुपए में दूर दराज से आये गरीबों और असहाय मरीजों को वह इलाज मिलेगा जो बड़े-बड़े अस्पतालों में मिलता है। यह वरिष्ठ भाजपा नेता/ समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह द्वारा मुहैया कराई गई कीमती मशीनों से ही संभव हो सका है। इन मशीनों की कीमत लगभग 15 लाख रुपए बताई जा रही है। हालांकि ज्ञान प्रकाश सिंह ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में कई सराहनीय कार्य किए हैं। उन्होंने जर्जर सरकारी लीलावती हॉस्पिटल का भी जीर्णोद्धार कराया और कीमती मशीनें उपलब्ध कराई थी जिसका लाभ आज दूर-दराज से आने वाले मरीजों को भरपूर मिल रहा है। इसके अलावा उन्होंने जिला अस्पताल में डीलक्स शौचालय बनवाया था। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्य करने से और इसका लाभ जब गरीबों को मिलता है तब मुझे काफी आत्म संतुष्टि मिलती है। वह हमेशा इस बात का जिक्र करते हैं कि प्रभु ने मुझे उस लायक बनाया है तो मेरा भी फर्ज बनता है कि गरीबों और बेसहारों की जितनी भी सहायता करूं हमारे लिए कम हैं।

एसआईआर की तैयारी को लेकर हुई चर्चा

पायनियर संवाददाता। जौनपुर

जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के सम्बन्ध में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक संपन्न हुई।

आयोग के निर्देश के क्रम में अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण 28 अक्टूबर 2025 से प्रारंभ हो गया है। इसकी प्रक्रियाओं तथा तैयारी के संबंध में चर्चा की गई, जिसमें जिलाधिकारी ने कहा कि जिन राजनैतिक दलों के द्वारा अभी तक बूथवार बीएलए नामित नहीं किए गए हैं प्रत्येक दशा में 8 नवंबर तक बीएलए को नामित कर सूचना अवश्य दे दें। उन्होंने सभी राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों से अनुरोध किया कि जो भी एन्यूमरेशन फॉर्म प्रिंट कर आ रहा है उसे 2003 की मतदाता सूची के सापेक्ष मैपिंग का कार्य कराया जा रहा है उन्होंने मैपिंग कराने में सहयोग की अपील की।

बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह ने बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देश के क्रम में जनपद में मतदेय स्थलों का भौतिक सत्यापन, पुनर्निर्धारण एवं नये मतदेय स्थल स्थापित करने हेतु भवनों का चिन्हांकन 29.10.2025 से 04.11.2025 तक किया गया। मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर मतदेय स्थलों के प्रस्ताव तैयार करना 06.11.2025 से 07.11.2025 तक किया जाएगा। आपत्तियों एवं सुझावों हेतु मतदेय स्थलों की आलेख्य सूची का प्रकाशन 10.11.2025 को किया जाएगा। मतदेय स्थलों की आलेख्य सूची मा0 प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराना 10.11.2025 को किया जाएगा। वर्तमान संसद सदस्यों, विधान सभा सदस्यों तथा मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के साथ बैठकों के आयोजन के पश्चात शिकायतों एवं सुझावों के निस्तारण के बाद सूची को अंतिम अन्तिम रुप दिया जाना 18.11.2025 को किया जाएगा।

ब्रह्मालीन महंत महेंद्र नाथ योगी 25वीं पुण्यतिथि पर निकाली गई कलश यात्रा

पायनियर संवाददाता। तुलसीपुर, बलरामपुर

शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर में ब्रह्मलीन महंत महेंद्र नाथ योगी की 25वीं पुण्यतिथि समारोह का शुभारंभ गुरुवार को भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। सूर्यकुंड से सैकड़ों महिलाओं ने कलश में जल भरकर गाजे-बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली, जो देवीपाटन बाजार, तुलसीपुर रोड होते हुए हरैय्या तिराहे तक पहुंची और पुनः मंदिर परिसर में संपन्न हुई। महंत मिथलेश नाथ योगी ने कलश यात्रा का स्वागत किया और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया।

शाम को दीप प्रज्वलन के साथ श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ होगा, जिसमें सुप्रसिद्ध कथा वाचक स्वामी बालक दास महाराज प्रवचन देंगे। ब्रह्मलीन महंत महेंद्र नाथ योगी की पुण्यतिथि प्रति वर्ष श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई जाती है।

पुलिस की सक्रियता से चार वर्षीय बालिका बरामद

पायनियर संवाददाता। माहुल (आजमगढ़)

अहरौला थाना क्षेत्र के माहुल कस्बे के केवटाना मोहल्ले से गायब चार वर्षीय बालिका को कार्यवाहक चौकी प्रभारी श्याम कुमार दुबे की सक्रियता से 12 घंटे बाद बरामद कर लिया। उसके बाद पुलिस ने बालिका को उसके स्वजनों को माहुल पुलिस चौकी पर बुला कर सुपुर्द कर दिया। अम्बेडकरनगर जिले के जलालपुर थाना क्षेत्र के उसरहा गांव निवासिनी पूनम बिंद अपने बच्चों को लेकर माहुल नगर पंचायत के वार्ड न पांच केवटाना मोहल्ले में अपने मायके में दो दिन पहले आई थी। यहां के रामजतन बिंद के यहां उसका मायका है।बुधवार रात को उसकी चार वर्षीय पुत्री प्रिया अचानक गायब हो गई। थोड़ी देर बाद जब स्वजनों को इस बात की जानकारी मिली तो हलचल मच गई और इसकी सूचना माहुल चौकी की पुलिस को दिया। सूचना मिलने के बाद कार्यवाहक चौकी प्रभारी श्याम कुमार दुबे ने सक्रियता दिखाते हुए बालिका की खोजबीन में लग गए और आसपास के गांवों में बालिका के गायब होने की जानकारी ग्रामीणों को दिया। पुलिस के साथ ही साथ आसपास के गांवों के लोग भी लग गए।गुरुवार को सुबह नौ बजे श्याम कुमार दुबे अपने हमराही सिपाही के साथ कस्बे के पवई रोड तिराहे पर बालिका के संबंध में पूछताछ के लिए निकले तो देखा कि प्रिया पान की गुमटी के पीछे से निकल कर आजमगढ़ को जाने वाली बस में चढ़ने जा रही। उसके बाद उन्होंने बालिका को बस में चढ़ने से रोकते हुए पुलिस चौकी पर लेकर आए। बालिका काफी डरी सहमी थी और कुछ भी बोल नहीं पा रही थी। उसके बाद उन्होंने उसकी मां पूनम और मामा पिंटू को बुलाकर प्रिया को सुपुर्द कर दिया।

श्रीमद् भागवत कथा संपन्न

सादुल्लानगर/बलरामपुर। गूमा फातिमा जोत स्थित चैनवापुर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा का रविवार को हवन पूर्णाहुति एवं भंडारे के साथ हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में समापन हुआ। कथा व्यास पंडित प्रीतम अभिनाश शास्त्री के सान्निध्य में आयोजित इस पावन अनुष्ठान में भक्तों ने विधिविधान से आहुति प्रदान कर लोककल्याण की कामना की। हवन के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर धार्मिक आयोजन का आनंद लिया। समापन कार्यक्रम में क्षेत्र से भारी संख्या में भक्तों की उपस्थिति रही। इस दौरान मुख्य यजमान के रूप में शकुंतला मिश्रा व आलोक मिश्रा मौजूद रहे। इसके अलावा मिश्र परिवार के सदस्य–महेश मिश्रा, सुनीता मिश्रा, हिमांशु मिश्रा, मिथिलेश मिश्रा, जय ओम मिश्रा, साधना मिश्रा, ईशा मिश्रा, अक्षांश मिश्रा, प्रबल मिश्रा, प्रगति मिश्रा सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

महिलाओं को किया जागरूक ओटीपी शेयरिंग से रहें सतर्क

❖ योजनाओं का उठाएं लाभ

पायनियर संवाददाता। उतरौला (बलरामपुर)

महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वालंबन को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत कोतवाली उतरौला की मिशन शक्ति प्रभारी शालिनी सिंह व उनकी टीम ने गुरुवार को मोहल्ला गांधीनगर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम प्रभारी निरीक्षक अवधेश राज सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के दौरान शालिनी सिंह ने महिलाओं को साइबर अपराधों से बचाव की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अनजान कॉल या मैसेज पर ओटीपी या बैंक डिटेल साझा न करें। किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से पहले सतर्क रहें, क्योंकि साइबर ठग लगातार नई चालें अपनाकर लोगों को ठग रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने महिला हेल्पलाइन 1090, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा आपातकालीन सेवा नंबर 112 की जानकारी दी। महिलाओं को सरकार की मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, विधवा पेंशन, सामूहिक विवाह योजना जैसी लाभकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई।

डीएम ने किया विकास खंड हरैया सतघरवा में क्रॉप कटिंग का निरीक्षण

डीएम ने कृषकों से किया संवाद, फसल उत्पादकता का लिया जायजा

पायनियर संवाददाता। बलरामपुर

धान की फसल की उत्पादकता के आकलन हेतु डीएम विपिन कुमार जैन द्वारा विकास खंड हरैया सतघरवा के ग्राम शिवपुरा बाजार में क्रॉप कटिंग का निरीक्षण किया गया। क्रॉप कटिंग के दौरान डीएम ने कृषकों से संवाद किया एवं सिंचाई के साधन आदि की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने क्रॉप कटिंग के आकलन की विधि की विस्तृत जानकारी प्राप्त की ।

क्रॉप कटिंग किसान बेचन लाल पुत्र संगम लाल के खेत /गाटा संख्या 762 पर फसल धान पर क्राप कटिंग करवायी गयी। 10-10 मीटर के समबाहु त्रिभुज 43.33 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में फसल धान की उपज 26.660 किलोग्राम तौल किया गया, जिसका उपज परिणाम 61.58 कु० प्रति. हे. रहा। उन्होंने निर्देश दिए कि जनपद में विभिन्न स्थलों पर हो रही क्रॉप कटिंग के सटीक आंकड़े प्राप्त किए जाए। इस दौरान तहसीलदार बलरामपुर सदर , खंड विकास अधिकारी हरैया सतघरवा व अन्य संबंधित अधिकारी / कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

डीएम ने किया विकास खंड कार्यालय हरैया सतघरवा का औचक निरीक्षण

❖ विकास खंड परिसर में समुचित साफ सफाई , निष्प्रयोज भवन की मरम्मत कराते हुए प्रयोग में लाएं जाने के दिए निर्देश

बलरामपुर। डीएम विपिन कुमार जैन द्वारा प्रातः 9:00 बजे विकास खंड कार्यालय हरैया सतघरवा का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न पटलों के कार्यों का विस्तृत जानकारी तथा रजिस्टरों का अवलोकन किया। उन्होंने ब्लॉक परिसर के निरीक्षण के दौरान परिसर में निष्प्रयोज भवन की मरम्मत आदि कराते हुए उपयोग में लाए जाने का निर्देश दिया। इस दौरान ब्लॉक में स्थित आवास की पुताई आदि कराए जाने तथा परिसर में समुचित साफसफाई के निर्देश दिए। इस दौरान खंड विकास अधिकारी हरैया सतघरवा पल्लवी सचान व अन्य संबंधित अधिकारी / कर्मचारीगण उपस्थित रहें। इससे पूर्व विकास खंड हरैया सतघरवा जाते समय डीएम ने लोकहवा डीप का किया निरीक्षण, उन्होंने राहगीरों से संवाद किया। डीएम ने अधिशाषी अभियंता पीडब्लूडी को कार्यालय बुलाकर पुलिया के प्रस्ताव भेजे जाने के संबंध में निर्देश दिए।

सीतापुर के डीएम डॉ. राजागणपति एक्शन मोड में!

मिश्रिख सीएचसी में मची खलबली, लापरवाह अफसरों पर गिरी गाज

पायनियर संवाददाता। सीतापुर

जिला प्रशासन में सन्नाटा, अफसरों में हड़कंप और स्वास्थ्य विभाग में खलबली मचा दी है जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. ने। चार्ज संभालने के बाद से ही एक्शन मोड में नजर आ रहे डीएम ने गुरुवार को मिश्रिख सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) का औचक निरीक्षण कर लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की। निरीक्षण के दौरान डीएम ने ओपीडी, आईपीडी, केएमसी, महिला वार्ड, लेबर रूम, पैथोलॉजी, ऑक्सीजन प्लांट, किचन, काउंसलिंग कक्ष और एनबीएसयू समेत सभी यूनिटों की व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि ''शासन की मंशानुसार जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलनी ही चाहिए, किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

डीएम ने स्वच्छता, दवा उपलब्धता और मरीजों की सुविधा पर विशेष बल देते हुए सख्त निर्देश दिए कि अस्पताल में हर व्यवस्था जनता के हित में सुधारी जाए। निरीक्षण के दौरान प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. प्रखर श्रीवास्तव के अनुपस्थित मिलने पर डीएम ने नोटिस जारी कर आज का वेतन काटने के आदेश दिए। वहीं कार्य में लापरवाही मिलने पर ब्लॉक एकाउंट्स मैनेजर बालक राम, फार्मासिस्ट रवी यादव और स्टाफ नर्स सीता के विरुद्ध 15 दिन का वेतन काटने का प्रस्ताव डीएचएस को भेजने के निर्देश दिए। डीएम यहीं नहीं रुके कृ उन्होंने मरीजों को दिए जा रहे भोजन की गुणवत्ता और मात्रा में कमी मिलने पर सखी स्वयं सहायता समूह का टेंडर रद्द करने के निर्देश दे डाले। साथ ही बीपीएम, बीसीपीएम और बैम को कारण बताओ नोटिस जारी करने के आदेश भी दिए। डॉ. राजागणपति ने ऑक्सीजन प्लांट तुरंत चालू कराने, बेडशीट रोजाना बदलवाने, और ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों को लगातार वार्ड भ्रमण पर रहने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि मरीजों को दी जाने वाली हर दवा व इंजेक्शन का विवरण पर्चे पर दर्ज किया जाए और सभी कर्मचारी निर्धारित यूनिफॉर्म में रहें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि डिलीवरी रजिस्टर पूर्ण रूप से भरा जाए और जन्म प्रमाण पत्र डिस्चार्ज के समय ही परिवार को सौंपा जाए। साथ ही फैमिली प्लानिंग काउंसलिंग की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेश कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

डीएम बने सिस्टम के हीरो'' कृ एक्शन से कांप गया सरकारी तंत्र

चार्ज लेने के बाद से ही डॉ. राजागणपति अपनी सख्त कार्यशैली से सुर्खियों में हैं। पहले केवल चेतावनियों तक सीमित रहने वाले डीएम ने अब सीधे कार्रवाई शुरू कर दी है। गुरुवार के इस दौरे ने स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मचा दिया है कृ हर अफसर अब अपने क्षेत्र की व्यवस्था सुधारने में जुट गया है। सीतापुर के लोग अब खुले तौर पर कह रहे हैं ''अब जिला संभलने लगा है, क्योंकि डीएम ने डंडा चलाना शुरू कर दिया है।

डीएम ने तहसील मिश्रिख का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

सीतापुर। जिलाधिकारी डा. राजागणपति आर0 ने तहसील मिश्रिख में फौजदारी कक्ष, अभिलेखागार और संग्रह अनुभाग का औचक निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी न्यायालय, तहसीलदार न्यायालय और नायब तहसीलदार न्यायालय का निरीक्षण करते हुए पुराने आवश्यक दस्तावेजों की समीक्षा की। उन्होंने कब्जा संबंधी लंबित वादों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए और उपजिलाधिकारी को लगातार न्यायालय में बैठकर मामलों के निराकरण का सुनिश्चित करने को कहा। जिलाधिकारी ने जनसुनवाई रजिस्टर का भी निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को जनसुनवाई निरंतर करने एवं साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी मिश्रिख शैलेन्द्र मिश्रा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के साथ बैठक सम्पन्न, नए बूथ चयन पर हुई चर्चा

सीतापुर। जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक का उद्देश्य आगामी निर्वाचन व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी व व्यवस्थित बनाना था। डीएम ने बैठक के दौरान बताया कि जहां 1200 से अधिक मतदाता हैं, उन क्षेत्रों में नए मतदान केंद्र (बूथ) बनाए जाने का प्रस्ताव है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन स्थानों पर बूथों में परिवर्तन या पुनर्निर्धारण किया गया है, उसकी पूरी जानकारी कारण सहित राजनीतिक दलों को अवगत कराई जाएगी। डॉ. राजागणपति ने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील की कि यदि बूथ से संबंधित कोई समस्या या शिकायत हो तो उसे निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रशासन को अवगत कराएं, ताकि समय रहते उसका समाधान किया जा सके बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि तहसील स्तर पर प्राप्त शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से किया जाए। उन्होंने कहा कि लेखपालों और कानूनगो की कार्यप्रणाली पर विशेष निगरानी रखी जाए और अधिकारी स्वयं भी फील्ड भ्रमण कर स्थिति का जायजा लें। डीएम ने दो टूक कहा कि ''हर कार्य मेरिट के आधार पर किया जाए। जनता के प्रति व्यवहार सौम्य और संवाद मधुर होना चाहिए।'' उन्होंने उपजिलाधिकारियों से अपने क्षेत्रों में निरंतर भ्रमणशील रहने और आमजन से सीधा संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी नीतीश कुमार सिंह, नगर मजिस्ट्रेट कृष्णानंद तिवारी, सभी उपजिलाधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सकरन में डीएपी खाद की किल्लत पर भड़के किसान

❖ सहकारी समिति पर भारतीय किसान यूनियन का अनिश्चितकालीन धरना शुरू

पायनियर संवाददाता। सीतापुर

विकास खंड सकरन के साधन सहकारी समिति सांडा पर डीएपी खाद की किल्लत और कालाबाजारी को लेकर किसानों का आक्रोश फूट पड़ा। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के नेतृत्व में सैकड़ों किसानों ने गुरुवार को समिति के सामने अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। किसानों का आरोप है कि समिति में खाद उपलब्ध होने के बावजूद सचिव जानबूझकर खाद का वितरण नहीं कर रहे हैं, बल्कि रात में चोरी-छिपे कालाबाजारी की जा रही है।

किसानों ने कहा कि जब खेतों में खाद की सबसे अधिक जरूरत है, तब सचिव और अधिकारियों की लापरवाही से किसान परेशान हैं। इतना ही नहीं, किसानों ने क्षेत्र में चल रहे धान क्रय केंद्रों और गन्ना क्रय केंद्रों पर भी गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि धान क्रय केंद्रों पर ''सिर्फ कागजों में खरीद'' दिखाई जा रही है, जबकि वास्तव में किसानों का धान नहीं खरीदा जा रहा, जिससे मजबूर होकर किसान कम कीमत पर बिचौलियों को धान बेचने को विवश हैं। किसानों ने यह भी खुलासा किया कि बिसवां चीनी मिल से जुड़े गन्ना क्रय केंद्रों पर उतराई के नाम पर किसानों से 50 से 100 रुपये तक की अवैध वसूली की जा रही है। धरने का नेतृत्व भाकियू ब्लॉक अध्यक्ष सुशील राज, तहसील अध्यक्ष प्रमोद वर्मा, तथा संगठन मंत्री राममिलन यादव कर रहे हैं। खबर लिखे जाने तक कोई भी अधिकारी धरना स्थल पर नहीं पहुंचा था और किसानों का अनिश्चितकालीन धरना जारी था।

किसानों की प्रमुख मांगें है-

- डीएपी खाद का तत्काल वितरण किया जाए
- सांडा धान क्रय केंद्र पर धान खरीद शुरू की जाए और किसानों की सूची सार्वजनिक की जाए
- गन्ना क्रय केंद्रों पर अवैध वसूली पर रोक लगाई जाए और दोषियों पर कार्रवाई हो

पुलिस का कार्य अत्यंत चुनौतीपूर्ण, तनाव प्रबंधन और सकारात्मक सोच बेहद जरूरी: सीओ

पायनियर संवाददाता। सीतापुर

❖ कोतवाली में आयोजित संपर्क सभा में पुलिस कर्मियों की समस्याओं का हुआ समाधान

पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के निर्देश पर क्षेत्राधिकारी महोली नागेंद्र चौबे ने गुरुवार को महोली कोतवाली परिसर में पुलिस कर्मियों की संपर्क सभा का आयोजन किया। सभा में क्षेत्राधिकारी ने पुलिस कर्मियों की ड्यूटी से जुड़ी और व्यक्तिगत समस्याएं सुनीं तथा उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सीओ चौबे ने कहा कि पुलिस का कार्य अत्यंत चुनौतीपूर्ण होता है।

इसलिए मानसिक संतुलन, सकारात्मक सोच और मन की स्थिरता बेहद आवश्यक है। उन्होंने पुलिसकर्मियों से तनाव प्रबंधन और मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर संवाद किया। सीओ ने पुलिसकर्मियों के दैनिक जीवन में आने वाले मानसिक दबाव, पारिवारिक जिम्मेदारियों और ड्यूटी के दौरान उत्पन्न तनाव के कारणों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि योग, ध्यान, नियमित व्यायाम और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने से तनाव को नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने उपस्थित कर्मचारियों को शासन और उच्चाधिकारियों के आदेशों का शत-प्रतिशत पालन करने, और जनसुनवाई में आने वाली शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश भी दिए। सभा में सीओ ने मौके पर ही कई समस्याओं का निस्तारण कराया और कहा कि यदि किसी भी पुलिसकर्मी को कोई परेशानी हो, तो वह सीधे कार्यालय में आकर अपनी बात रख सकता है। कार्यक्रम में इंस्पेक्टर जंग बहादुर पांडेय, उपनिरीक्षक रामाश्रय चौधरी, के.के. उपाध्यक्ष, विनोद कुमार, एखलाख अहमद, सुनील कुमार, जितेंद्र सिंह सहित मुख्य आरक्षी व आरक्षी उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति केंद्र का किया निरीक्षण

संपर्क सभा के बाद क्षेत्राधिकारी नागेंद्र चौबे ने महोली कोतवाली परिसर स्थित मिशन शक्ति केंद्र का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी अभिलेखों की जांच की और कुछ कमियां पाए जाने पर नियुक्त महिला कर्मचारियों को सुधार लाने के निर्देश दिए। सीओ ने मिशन शक्ति केंद्र की महिला कर्मचारियों के साथ बैठक कर महिला संबंधी अपराधों, शासन के निर्देशों एवं महिलाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि हर महिला सुरक्षित, आत्मनिर्भर और सशक्त बने कृ मिशन शक्ति उसी दिशा में एक मजबूत पहल है।

नहर में घुसा मगरमच्छ!

ग्रामीणों में मचा हड़कंप, वन विभाग ने पकड़ा

पायनियर संवाददाता। बिसवां/ सीतापुर

बिसवां विकासखंड क्षेत्र की शारदा सहायक नहर में गुरुवार सुबह एक विशाल मगरमच्छ के दिखने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। नहर के किनारे पानी में तैरते मगरमच्छ को देखकर लोग अफरा-तफरी में इधर-उधर भागने लगे।

कुछ ग्रामीणों ने मगरमच्छ का वीडियो बनाकर वन विभाग को सूचना दी, जिसके बाद विभाग की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और घंटों की मशक्कत के बाद उसे सुरक्षित पकड़ लिया। घटना बिसवां कस्बे के निकट की है। ग्रामीण सुबह खेतों से लौट रहे थे, तभी उन्होंने नहर के पानी में एक बड़े आकार का मगरमच्छ तैरते हुए देखा। पहले तो लोगों को विश्वास नहीं हुआ, लेकिन जब मगरमच्छ किनारे की ओर बढ़ने लगा तो लोग भयभीत होकर पीछे हट गए। कुछ ही देर में मौके पर सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई और नहर के किनारे भारी हुजूम लग गया। सूचना पाकर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जाल व रस्सियों की मदद से मगरमच्छ को पकड़ने का अभियान शुरू किया। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद मगरमच्छ को सुरक्षित काबू में कर लिया गया। वन विभाग अधिकारियों के अनुसार, पकड़े गए मगरमच्छ को सुरक्षित पिंजरे में रखकर शारदा नदी के चहलारी घाट क्षेत्र में छोड़ा गया। वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे नहर के किनारों पर अनावश्यक रूप से भीड़ न लगाएं और अगर किसी जलीय जीव या वन्य प्राणी की सूचना मिले तो तुरंत विभाग को जानकारी दें, ताकि सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू किया जा सके।

सड़क हादसे में युवक की मौत, परिजन और गांव में शोक

सीतापुर। सिधौली कोतवाली क्षेत्र के गांव जयपालपुर में बुधवार को एक अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक दीपक सिंह परमार की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, दीपक सिंह टेढ़ेश्वर मंदिर के पास से सड़क पार कर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे की गंभीरता के कारण दीपक की मौके पर ही मृत्यु हो गई। दीपक सिंह अपने परिवार के इकलौते बेटे थे। उनकी असामयिक मौत से परिवार और पूरे जयपालपुर ग्राम पंचायत में गहरा शोक छा गया है। पुलिस ने घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर पंचनामा तैयार किया और शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस अज्ञात वाहन की पहचान और चालक की गिरफ्तारी के लिए जांच कर रही है।

सेवा ही नर्सिंग का सबसे बड़ा धर्म: आईजी रवि शंकर छवि

पायनियर संवाददाता। सीतापुर

❖ आइकॉन कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल, लहरपुर में वार्षिकोत्सव का भव्य आयोजन

नर्स मां का रूप होती है, जो अपने मरीज की देखभाल उसी ममता और समर्पण से करती है, जैसे एक मां अपने बच्चे की करती हैं। यह प्रेरणादायी विचार वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी एवं आईजी, उत्तर प्रदेश लोक शिकायत विभाग रवि शंकर छवि ने आइकॉन कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल कॉलेज, लहरपुर के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर व्यक्त किए। मुख्य अतिथि ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि ''दुनिया में कोई भी कार्य असंभव नहीं होता, बस दृढ़ निश्चय, लगन और इच्छा शक्ति की आवश्यकता होती है। मैं बिहार के छोटे से गांव सासाराम से निकला और आज यहां तक पहुंचा हूं कृ मेहनत करने वाला व्यक्ति कभी असफल नहीं होता।''

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद ला मार्टिनियर कॉलेज, लखनऊ के प्रिंसिपल गैरी डोमिनिक एवरिट ने कहा, ''आज का यह नर्सिंग कार्यक्रम मेरे लिए एक उत्सव जैसा है, क्योंकि मेरी अपनी मां भी एक नर्स थीं। नर्सिंग एक सेवा नहीं, बल्कि समर्पण का भाव है कृ इसे पूरे मन, मेहनत और ईमानदारी से करें। वहीं रीजेंसी स्कूल एंड कॉलेजेज के फाउंडर चेयरमैन एम.एफ. जैदी ने कहा कि ''गांव और ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाएं पलायन न करें, इसके लिए इस स्तर पर इतने उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना होना गौरव की बात है।'' भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य वीरेंद्र पुरी ने कहा कि ''सरकार की मंशा है कि अंतिम पंक्ति में खड़ा व्यक्ति भी समाज की मुख्यधारा से जुड़े और विकास की राह पर आगे बढ़े। कार्यक्रम में नर्सिंग कोर्स में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त छात्राओं को मुख्य अतिथि द्वारा मेडल और शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद हसीन अंसारी और शाकेबा खान ने किया आए हुए अतिथियों का स्वागत केपी सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ कॉलेजेज के चेयरमैन डॉ. एस.पी. सिंह ने बुके भेंट कर किया। इस अवसर पर सुधाकर मिश्रा, हंसराज, मोहम्मद खालिद, शामीन अब्बास, बीलू शुक्ला, समीर पुरी सहित बड़ी संख्या में सम्मानित नागरिक, छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों ने कहा कि नर्सिंग केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का पवित्र मार्ग है। आज के युवा अगर इस भावना को समझ लें, तो समाज में बदलाव निश्चित है।

तिलक समारोह में नाश्ते को लेकर झगड़ा, कई घायल

सीतापुर। पिसावां थाना क्षेत्र के देवकली गांव में बुधवार देर रात तिलक समारोह के दौरान नाश्ते को लेकर हुई मामूली कहासुनी हिंसक झगड़े में बदल गई। दोनों पक्षों के बीच ईंट-पत्थर और बर्तनों से हमला शुरू हो गया, जिससे कई लोग घायल हो गए और समारोह का माहौल पूरी तरह अफरातफरी में बदल गया। हरदोई जिले के शाहाबाद थाना क्षेत्र के नया गांव निवासी चंद्रपाल अपनी बेटी का तिलक लेकर देवकली गांव पहुंचे थे। समारोह में मेहमान नाश्ता कर रहे थे, तभी किसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हुई।

देखते ही देखते यह मामूली विवाद बढ़कर हिंसक हो गया। झगड़े में लड़के पक्ष से पप्पू, राकेश और मुकेश, जबकि लड़की पक्ष से धर्मेंद्र और अवनीश घायल हुए। सभी घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कर प्राथमिक उपचार दिया गया। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह तोमर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और किसी तरह स्थिति को शांत कराया।

इंडियन बैंक अंचल कार्यालय ने ग्राहक संवर्द्धन अभियान किया आयोजित

पायनियर संवाददाता। सीतापुर

सीतापुर में इंडियन बैंक अंचल कार्यालय के प्रांगण में गुरुवार को ग्राहक संवर्द्धन अभियान आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विकासखंडों से 500 से अधिक लोग शामिल हुए। मुख्य अतिथि ब्रिजेश कुमार सिंह, कार्यकारी निदेशक ने लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने की सलाह दी। उन्होंने स्व-सहायता समूह ऋण, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, पीएम स्वनिधि, मुद्रा और पीएमएफएमई जैसी योजनाओं का लाभ उठाने पर जोर दिया। मुख्य महाप्रबंधक सुधीर कुमार गुप्ता ने प्रतिभागियों को केवाईसी जानकारी अद्यतन रखने और डिजिटल बैंकिंग में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में ₹5.10 करोड़ के ऋण चेक और प्रधानमंत्री जन सुरक्षा योजना के तहत ₹12 लाख के बीमा चेक वितरित किए गए। अंचल प्रमुख आर. पी. दुबे, उप अंचल प्रमुख अश्वनी कुमार सिंह और अग्रणी जिला प्रबंधक मनोज कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने लाभार्थियों को वित्तीय जागरूकता और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने में मार्गदर्शन दिया।अंचल प्रबंधक ने कार्यक्रम का संचालन किया और सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

सकरन में छात्राओं से छेड़छाड़!

पायनियर संवाददाता। सीतापुर

❖ कॉलेज छुट्टी के समय सड़क पर शोहदों का आतंक

❖ अभिभावक बोले, पुलिस करे सख्त कार्रवाई

कस्बा सकरन में स्कूल और कॉलेजों से लौटती छात्राओं की सुरक्षा एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। राममनोहर लोहिया इंटर कॉलेज, शंभू दयाल विद्यालय समिति, और नेहरू जूनियर हाई स्कूल के आसपास छुट्टी के समय कुछ शोहदे बाइक से पीछा करते हुए छात्राओं को परेशान कर रहे हैं।

छात्राओं के अनुसार, ये युवक तेज रफ्तार में बाइक चलाते हैं, हार्न बजाकर डराते हैं, और स्टंट कर तमाशा बनाते हैं। कई बार इनकी हरकतों से छात्राएं सहम जाती हैं और घर पहुंचने तक भयभीत रहती हैं। छात्राओं की आपबीती सुनकर अभिभावक भड़क उठे। देवी शंकर, मोबीन, सनेही, सुशील समेत कई अभिभावकों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि स्कूल और कॉलेज की छुट्टी के समय पुलिस गश्त अनिवार्य रूप से लगाई जाए ताकि बेटियां सुरक्षित घर लौट सकें। अभिभावकों का कहना है कि अगर पुलिस जल्द कार्रवाई नहीं करती तो वे थाने और प्रशासनिक कार्यालयों के बाहर प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। इस पर थानाध्यक्ष नवनीत मिश्र ने कहा कि, छात्राओं की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। छुट्टी के समय पुलिस गश्त बढ़ाई जाएगी और शोहदों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर ऐसी घटनाओं पर तुरंत लगाम नहीं लगाई गई तो कस्बे में ''रोड रोमियो'' गैंग का हौसला और बढ़ेगा। फिलहाल, सभी की निगाहें पुलिस की कार्रवाई पर टिकी हैं।

दिल्ली की ज़हरीली हवा

स्वास्थ्य आपातकाल

नवंबर आते-आते शहर एक गैस चैंबर जैसा दिखने लगता है। हर सर्दी में एक्यूआई खराब हो जाता है, प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है और राहत कहीं नजर नहीं आती। दिल्लीवासियों को प्रतिदिन क्या सहना पड़ता है, इसे ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज (जीबीडी) आंकड़ों के एक नए विश्लेषण द्वारा स्पष्ट रूप से उजागर किया गया है, जिसे अधिकारियों और निवासियों दोनों के लिए एक चेतावनी के रूप में लिया जाना चाहिए। रिपोर्ट एक गंभीर तस्वीर पेश करती हैः 2023 में, दिल्ली में सात में से एक मौत वायु प्रदूषण से जुड़ी थी। जहरीली हवा से लगभग 17,200 लोगों की जान जाने के साथ, प्रदूषण न केवल एक पर्यावरणीय उपद्रव के रूप में उभरा है, बल्कि राजधानी का सबसे बड़ा स्वास्थ्य खतरा बनकर उभरा है।

प्रत्येक सर्दी में, जैसे ही दिल्ली का क्षितिज घने, भूरे कफन के नीचे फीका पड़ जाता है, वायु प्रदूषण सुर्खियों में छा जाता है और लोगों की जान ले लेता है। फिर भी जीबीडी डेटा से पता चलता है कि दिल्ली का वायु संकट नवंबर और दिसंबर तक ही सीमित नहीं है, यह साल भर चलने वाला हत्यारा है, जो चुपचाप सार्वजनिक स्वास्थ्य को नष्ट कर रहा है और जीवन को छोटा कर रहा है। सूक्ष्म कण पदार्थ के संपर्क में लंबे समय तक रहना मूलभूत खतरे का सबब है। इसे परिप्रेक्ष्य में रखने के लिए, वायु प्रदूषण उच्च रक्तचाप, मधुमेह या मोटापे की तुलना में अधिक लोगों को मारता है। फिर भी आधिकारिक प्रतिक्रियाएं अस्पष्ट बनी हुई हैं, अधिकारी अभी भी इस बात पर बहस कर रहे हैं कि क्या वायु प्रदूषण को निर्णायक रूप से मृत्यु दर से जोड़ा जा सकता है। हालांकि, आंकड़ा स्वयं बोलता है।

कई हस्तक्षेपों के बावजूद, श्रेणीबद्ध प्रतिक्रिया योजनाओं और विषम-सम योजनाओं से लेकर पराली जलाने पर अंकुश लगाने तक प्रदूषण से जुड़ी मौतें 2018 में 15,786 से बढ़कर 2023 में 17,188 हो गई हैं। यह प्रणालीगत विफलता की ओर इशारा करता हैः नीतियां प्रतिक्रियाशील और मौसमी बनी हुई हैं, जबकि प्रदूषण के स्रोत कई गुना बढ़ गए हैं और शहर के शहरी ढांचे में खुद को स्थापित कर लिया है।

आम धारणा के विपरीत, दिल्ली का संकट सिर्फ सर्दियों के धुंध या पंजाब में पराली जलाने से नहीं है। सीआरईए के नवीनतम आकलन से पता चलता है कि इस अक्टूबर में दिल्ली के पीएम2.5 स्तर में फसल अवशेष जलाने का योगदान छह प्रतिशत से भी कम है। असली अपराधी घर के करीब हैंः वाहन उत्सर्जन, औद्योगिक प्रदूषण, निर्माण धूल, और अनियंत्रित अपशिष्ट जलना। दिल्ली का लगभग आधा वायु प्रदूषण वाहनों से उत्पन्न होता है।

वायु प्रदूषण को अब केवल एक पर्यावरणीय चिंता के रूप में नहीं, बल्कि एक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल के रूप में माना जाना चाहिए। इसे एक स्वास्थ्य मुद्दे के रूप में परिभाषित करने के लिए मजबूत जवाबदेही, बेहतर निगरानी और महामारी प्रतिक्रियाओं के समान लक्षित हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है। सख्त वाहन उत्सर्जन मानदंड, सार्वजनिक परिवहन का त्वरित विद्युतीकरण, औद्योगिक उत्सर्जन ऑडिट और धूल नियंत्रण तंत्र को महामारी प्रतिक्रिया की तात्कालिकता के साथ लागू किया जाना चाहिए। सीआरईए के निष्कर्ष एक चेतावनी हैं, जो सांकेतिक उपायों की नहीं, बल्कि परिवर्तनकारी कार्रवाई की मांग करता है।

वृद्धिशील उपायों का समय समाप्त हो गया है, दिल्ली को साहसिक, प्रणालीगत सुधारों की आवश्यकता है। सांस लेने योग्य हवा को पुनः प्राप्त करने के लिए नागरिकों, अधिकारियों और उद्योग को एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। केवल निरंतर, समन्वित कार्रवाई ही प्रदूषण से संबंधित मौतों में वृद्धि को रोक सकती है और शहर के स्वास्थ्य को बहाल कर सकती है। दिल्ली का भविष्य वायु गुणवत्ता को एक गैर-परक्राम्य सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकता के रूप में मानने पर निर्भर करता है।

अखंड भारत के लिए पटेल का अनुसरण

यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी कि प्रधानमंत्री मोदी, एक दशक से अधिक समय से, नेहरू द्वारा की गई गलतियों को सुधारने और भारत को उस पथ पर वापस ले जाने का प्रयास कर रहे हैं, जिस पर सरदार पटेल चलते थे।

बलबीर पुंज
लेखक, जाने-माने स्तम्भकार हैं।

31 अक्टूबर को, भारत ने देश के पहले उप प्रधान मंत्री और गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती मनाते हुए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मनाया। फिर भी, आज भी एक प्रश्न मन में कौंधता हैः यदि महात्मा गांधी ने 1946 में अंतरिम प्रधान मंत्री के चयन के दौरान अपने 'वीटो' का प्रयोग नहीं किया होता तो भारत कैसा दिखता?

प्रमुख पत्रकार दुर्गा दास, जो उन घटनापूर्ण वर्षों के एक विश्वसनीय गवाह हैं, उस समय की संपूर्ण अंतरिम सरकार प्रक्रिया को सबसे अच्छी तरह से दशार्ते हैं। अपनी पुस्तक इंडिया - फ्रॉम कर्ज़न टू नेहरू एंड आफ्टर में, उन्होंने स्पष्ट रूप से याद किया हैः ₹पटेल कांग्रेस संसदीय बोर्ड के प्रमुख थे, और प्रांतीय कांग्रेस समितियों ने आजाद के उत्तराधिकारी के रूप में उनके लिए अपनी प्राथमिकता व्यक्त की थी। लेकिन गांधी को लगा कि अंग्रेजों से निपटने के लिए नेहरू एक बेहतर साधन होंगे क्योंकि वे 'सामान्य मुहावरे' में बात करेंगे।

यह भारत के राजनीतिक इतिहास में 'वोट चोरी' का पहला उदाहरण था, जिसमें कांग्रेस की अधिकांश प्रांतीय समितियों द्वारा पटेल को नामांकित करने के बावजूद, नेहरू को विजेता घोषित किया गया था। दिलचस्प बात यह है कि 14 नवंबर को नेहरू की 136वीं जयंती नजदीक है, जो हमें इस बात पर विचार करने के लिए प्रेरित कर रही है कि महान सरदार के नेतृत्व में भारत का स्वरूप कैसा रहा होगा।

सरदार पटेल का राजनीतिक दर्शन पूरी भावना के साथ भारत की समृद्ध सभ्यतागत विरासत और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद पर आधारित था। यदि युवा गणतंत्र ने धर्मनिरपेक्षता के उनके दृष्टिकोण को अपनाया होता, तो लंबे समय से चला आ रहा अयोध्या विवाद, सोमनाथ मामले की तरह, कई दशकों पहले ही सुलझ गया होता। काशी और मथुरा में मंदिर और मस्जिद को लेकर लंबित विवाद, जिसके कारण सदियों से अदालतों के अंदर और बाहर तनाव बना हुआ है, शायद बहुत पहले ही सुलझ गया होगा। 22-23 दिसंबर 1949 की रात जब अयोध्या के विवादित ढांचे के अंदर चमत्कारिक ढंग से रामलला की मूर्ति प्रकट हुई तो पहला चश्मदीद कोई हिंदू नहीं बल्कि अब्दुल बरकत नाम का एक मुस्लिम पुलिसकर्मी था।

इसके अलावा, एक दर्जन से अधिक स्थानीय मुसलमानों ने सिटी मजिस्ट्रेट के समक्ष हलफनामा प्रस्तुत किया, जिसमें स्वेच्छा से राम जन्मभूमि स्थल पर हिंदू स्वामित्व स्वीकार किया गया। यहां तक कि तत्कालीन संयुक्त प्रांत (अब उत्तर प्रदेश) के मुख्यमंत्री गोविंद बल्लभ पंत, तत्कालीन गृह मंत्री लाल बहादुर शास्त्री, वरिष्ठ नौकरशाह केके नायर, सिटी मजिस्ट्रेट गुरुदत्त सिंह, मुख्य सचिव भगवान सहाय और स्थानीय कांग्रेस नेता बाबा राघवदास सहित प्रशासनिक और सामाजिक नेतृत्व दोनों राम मंदिर के पुनर्निर्माण के पक्ष में थे।

फिर भी, यह मुद्दा सात दशकों तक लटका रहा, जिसका मुख्य कारण पंडित नेहरू की धर्मनिरपेक्षता की विकृत व्याख्या थी। यह भी माना जाता था कि नेहरू सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण को लेकर असहज थे; हालाँकि, जब तक गांधी और पटेल जीवित थे, वह इसे रोकने के लिए खुद को तैयार नहीं कर सके। एक बार जब ये विशाल व्यक्तित्व पृष्ठभूमि में फीके पड़ गए, तो हिंदू संस्कृति के प्रति नेहरू का पूर्वाग्रह सतह पर आने लगा।

वह अपनी उपनिवेशवादी मानसिकता को प्रकट करते हुए, हिंदू मंदिरों को केवल ₹दमनकारी₹ संरचनाओं के रूप में खारिज करने तक चले गए। यह वैचारिक रुख 2007 में एक चौंकाने वाले निचले स्तर पर पहुंच गया, जब कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर किया, जिसमें दावा किया गया कि भगवान राम के अस्तित्व का समर्थन करने के लिए कोई सबूत नहीं था। पटेल का दृष्टिकोण-अनुनय, समायोजन, दृढ़ता और रणनीतिक बल-550 से अधिक रियासतों को एकजुट करने में सहायक था। इस बीच, कुछ अज्ञात कारणों से, नेहरू ने अस्थिर जम्मू-कश्मीर पर व्यक्तिगत नियंत्रण बनाए रखा। पटेल जम्मू और कश्मीर को उन कई रियासतों में से एक मानते थे जो भारतीय संघ में एकीकृत हो रही थीं। हालाँकि, नेहरू ने इसे दो कारणों से एक अनोखा मामला माना। सबसे पहले, जम्मू और कश्मीर भारत में शामिल होने वाला एकमात्र मुस्लिम-बहुल राज्य था, जिसके कारण नेहरू ने इस पर विशेष ध्यान दिया, संभवतः एक सांप्रदायिक दृष्टिकोण।

दूसरे, शेख अब्दुल्ला, जो गुप्त रूप से इसके 'शेख', एक संप्रभु शासक बनने की आकांक्षा रखते थे, ने नेहरू पर पर्याप्त प्रभाव डाला और उन्हें गुमराह करने में सफल रहे। परिणाम विनाशकारी थाः कश्मीर को जनमत संग्रह के प्रस्ताव के अधीन किया गया था, अनुच्छेद 370 और 35ए ने इसे विशेष दर्जा दिया; संयुक्त राष्ट्र में इस मुद्दे का अंतर्राष्ट्रीयकरण किया गया; और पाकिस्तानी आक्रमणकारियों को पूरी तरह से खदेड़ने से पहले ही समय से पहले युद्धविराम की घोषणा कर दी गई।

कोई केवल कल्पना ही कर सकता है, यदि नेहरू ने इसी तरह जूनागढ़ या हैदराबाद से संपर्क किया होता, तो वे भी पाकिस्तानी क्षेत्र बन गए होते, नासूर घावों में बदल जाते, जिनसे खून बहता रहता, जिससे भारत दशकों तक खंडित रहता। सच्चाई स्पष्ट हैः यदि पटेल कश्मीर मुद्दे से निपटते, तो शेष भारत की तरह वहां भी शांति कायम होती। भारतीय सैनिकों पर कोई पथराव नहीं होता, धार्मिक पहचान के आधार पर कोई सांप्रदायिक हत्या नहीं होती और पाकिस्तान ने घाटी में हस्तक्षेप करने से पहले दो बार सोचा होता। 1989-90 के दौरान कश्मीरी हिंदुओं का नरसंहार कभी नहीं हुआ होगा। एक ऐसी दुनिया की कल्पना करें जहां 1960 की सिंधु जल संधि कभी अस्तित्व में नहीं आई - भारत की दीर्घकालिक संभावनाओं के लिए इसके नुकसान मिट गए।

'हिंदी-चीनी भाई-भाई' कूटनीति की पुरानी आशा पर टिके रहने या चीन को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट देने के बजाय, चीन के आक्रामक विस्तार को रोकने के लिए अधिक रणनीतिक और दृढ़ दृष्टिकोण अपनाया जा सकता था। रणनीति में इस तरह के बदलाव से इतिहास और 1962 के युद्ध के नतीजे पर काफी असर पड़ सकता है।

यदि भारत पटेल के नेतृत्व में होता, तो देश की आर्थिक नियति एक अलग रास्ता अपनाती- सुस्त, मित्रतापूर्ण समाजवाद के बजाय नवप्रवर्तन और आत्मनिर्भरता से प्रेरित। अपनी अटल दृष्टि के साथ, पटेल ने भारतीयों को अपनी पूरी रचनात्मक क्षमता को उजागर करने के लिए प्रेरित किया होगा और विदेशी वित्त पोषित विरोध प्रदर्शनों के खिलाफ एक मजबूत रुख अपनाया होगा, जो अक्सर पर्यावरण और मानवाधिकार अभियानों के रूप में सामने आते हैं, जो राष्ट्रीय प्रगति को खतरे में डालते हैं।

भारत को विरासत में मिले मार्क्स-मैकाले ब्रांड की धर्मनिरपेक्षता, जिसे नेहरू ने आकार दिया था, ने देश के सामाजिक ताने-बाने को गहराई से विकृत कर दिया है। यह अक्सर हिंदू समुदाय को लंबे समय से धार्मिक असहिष्णुता और उत्पीड़न के शिकार हमलावरों के बजाय स्थायी पीड़ित के रूप में चित्रित करता है जो वे वास्तव में हैं। इस उलटफेर की उत्पत्ति 18 मई, 1959 को मुख्यमंत्रियों को लिखे नेहरू के पत्र में देखी जा सकती है। इसमें, उन्होंने एकतरफा रूप से ₹सांप्रदायिक शांति₹ बनाए रखने का बोझ ₹बहुसंख्यक हिंदुओं₹ पर डाल दिया, जबकि आत्मविश्वास से कहा कि ₹भारत में मुसलमान, अपने स्वभाव से, आक्रामक रवैया नहीं अपना सकते।₹ एक सहस्राब्दी से अधिक समय से, हिंदुओं, बौद्धों, सिखों और जैनियों को लगातार हमलों का सामना करना पड़ा है - आक्रमण, जबरन धर्मांतरण और उनके पवित्र मंदिरों का विनाश - यह सब कट्टर एकेश्वरवादी उत्साह से प्रेरित है। क्या कोई सचमुच यह दावा कर सकता है कि उपमहाद्वीप में इस्लाम ने अपनी ऐतिहासिक रूप से मूर्तिभंजक प्रवृत्तियों को मौलिक रूप से बदल दिया है या छोड़ दिया है?

पटेल ने कट्टरता के खतरे को स्पष्टता के साथ देखा। 1939 में, गुजरात के भावनगर में, जब एक मस्जिद के भीतर छिपे जिहादियों ने उन पर तलवारों से हमला किया, तो वे बाल-बाल बच गये। हालाँकि इन भयानक प्रसंगों को अक्सर मुख्यधारा की कहानी से बाहर रखा जाता था, पटेल ने पहले ही इस्लामी चरमपंथ की उपेक्षा के घातक परिणामों को देख लिया था - एक ऐसी चूक जो अभी भी राष्ट्र की एकता और अखंडता को कमजोर करने का खतरा है।

3 जनवरी, 1948 को, कलकत्ता में एक सभा को संबोधित करते हुए, पटेल ने स्पष्ट रूप से कहाः भारत में रहने वाले मुसलमानों में से, कई, शायद अधिकांश, ने पाकिस्तान के निर्माण का समर्थन किया था। यह मेरी समझ से परे है कि उनका दिल रातोंरात कैसे बदल गया होगा। तीन दिन बाद (जनवरी 6, 1948), लखनऊ में उन्होंने पूछा, भारतीय मुसलमान भारतीय धरती पर पाकिस्तान के आक्रमण की निंदा क्यों नहीं करते? सरदार पटेल ने लगातार देश के हितों को अपनी व्यक्तिगत या पारिवारिक चिंताओं से ऊपर रखा। एक ऐतिहासिक शख्सियत से बढ़कर, पटेल एक मार्गदर्शक शक्ति बने हुए हैं जो भारत के भविष्य को आकार दे रही है।

यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी कि प्रधानमंत्री मोदी, एक दशक से अधिक समय से, नेहरू द्वारा की गई गलतियों को सुधारने और भारत को उस पथ पर वापस ले जाने का प्रयास कर रहे हैं, जिस पर पटेल चलते।

जब मानवीय रूप ले लेती है कृत्रिम बुद्धि

फरवरी 2026 में, नई दिल्ली एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगी, जिसमें यह देखा जाएगा कि प्रौद्योगिकी लोगों के जीवन, पर्यावरण और प्रगति को कैसे बदल सकती है।

चैतन्य के प्रसाद
लेखक, पूर्व सिविल सेवक हैं।

इतिहास में ऐसे क्षण आते हैं जब आविष्कार इरादे पर खरा उतरता है- जब प्रौद्योगिकी न केवल आगे बढ़ती है बल्कि जागृत होती है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ऐसे ही एक क्षण में खड़ी है। बोर्डरूम और समाचारों में एल्गोरिदम, प्रतिस्पर्धा और अस्तित्वगत जोखिम के बारे में बहुत चर्चा होती है।

लेकिन तमाम प्रचार के अलावा, एक अधिक महत्वपूर्ण और शांत प्रश्न सामने आ रहा हैः क्या एआई लोगों को जीवित रहने के बजाय आगे बढ़ने में मदद कर सकता है? फरवरी 2026 में, नई दिल्ली एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगी, जिसमें यह देखा जाएगा कि प्रौद्योगिकी लोगों के जीवन, पर्यावरण और प्रगति को कैसे बदल सकती है। इस बात पर बहस करने के बजाय कि मशीनें कैसे काम संभाल सकती हैं, दुनिया इस बारे में बात करने के लिए एक साथ आएगी कि वे कैसे लोगों को ठीक कर सकती हैं, शामिल कर सकती हैं और ऊपर उठा सकती हैं।

चुनौती सिर्फ एआई को स्मार्ट बनाने की नहीं है, बल्कि इसे 'जन एआई'-जन-केंद्रित, सहभागी और उद्देश्यपूर्ण बनाने की भी है। उस विचार के बीज पहले से ही मौजूद हैं। जिला अस्पताल में एआई-पावर्ड टूल की मदद से डॉक्टर बीमारियों का जल्द पता लगा सकते हैं। एक छोटे से गाँव में एक किसान एक ऐप का उपयोग करता है जो उपग्रह डेटा प्राप्त करके भविष्यवाणी करता है कि बारिश कब होगी। एक डिजिटल ट्यूटर बच्चे की पहली भाषा में गणित की समस्या को फिर से समझाता है।

ये भविष्य के बारे में कहानियां नहीं हैं, वे एक ऐसे वर्तमान में झांक रहे हैं जो धीरे-धीरे दिखाई न देने वाली कोड की पंक्तियों और दयालुता के कार्यों के माध्यम से बदल रहा है। एआई अब चक्रवातों के आने से पहले ही उनकी भविष्यवाणी कर देता है, उत्सर्जन में कटौती के लिए यातायात का प्रबंधन करता है और वास्तविक समय में वनों की कटाई को ट्रैक करता है। इससे शहरों को स्वच्छ हवा में सांस लेने में मदद मिलती है और किसानों को अधिक भोजन उगाने में मदद मिलती है। फिर भी इन अनुप्रयोगों से परे कुछ अधिक गहरा है - पहुंच का लोकतंत्रीकरण। पहली बार, खुफि या जानकारी ही साझा की जा सकेगी। एक वॉयस असिस्टेंट विकलांग व्यक्ति को सेवाओं तक पहुंचने का अधिकार देता है। एक बार अप्राप्य होने पर, एक एआई उपकरण एक ग्रामीण व्यवसाय के मालिक को ऋण प्राप्त करने में मदद करता है। सहानुभूतिपूर्वक डिजाइन किया गया एआई सिस्टम को स्मार्ट बनाने के अलावा समाज को अधिक न्यायसंगत बनाकर बेहतर बनाता है।

हालांकि, वैश्विक एआई मानचित्र अभी भी स्तरीय नहीं है। इसके निर्माण के केंद्र कुछ धनी देशों में केंद्रित हैं, जो विशेषाधिकार को प्रतिबिंबित करने वाले डेटासेट पर प्रशिक्षित हैं। जब एल्गोरिदम हिंदी या स्वाहिली को समझने में विफल हो जाते हैं, या समशीतोष्ण जलवायु के लिए खेती को अनुकूलित करने में विफल हो जाते हैं, तो वे एक असुविधाजनक सच्चाई प्रकट करते हैंः एआई उस दुनिया को प्रतिबिंबित करता है जो इसे बनाती है।

इसे बदलने के लिए, ग्लोबल साउथ को परीक्षण स्थल से सह-लेखक की ओर बढ़ना होगा। इसकी भाषाएं, संस्कृतियां और जीवंत वास्तविकताएं एआई को वास्तव में सार्वभौमिक बनाने के लिए डेटा और ज्ञान दोनों रखती हैं। यह बदलाव केवल नैतिक नहीं है, यह व्यावहारिक है। विविधता के अभाव में बुद्धिमत्ता बुद्धिमत्ता नहीं बल्कि नकल है। इस प्रकार, भारत विश्व की जटिलता और आशा का प्रतीक है। 1.4 अरब लोगों, सैकड़ों भाषाओं और देश के सबसे दूरदराज के क्षेत्रों तक फैली डिजिटल क्रांति के साथ, भारत समावेशी नवाचार के लिए आदर्श सेटिंग प्रदान करता है। सरकार के इंडिया एआई मिशन का लक्ष्य एआई को केवल कनेक्शन वाले लोगों के लिए ही नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के लिए फायदेमंद बनाना है। प्रौद्योगिकी क्षमता का निर्माण करती है, लेकिन संचार विश्वास का निर्माण करता है।

जन एआई को वास्तविक बनाने के लिए, हमें अमूर्त को सुलभ-मोड़ने वाले एल्गोरिदम में कहानियों में, डेटा को संवाद में, और नैतिकता को रोजमर्रा की सहानुभूति में अनुवाद करना होगा। जिस तरह स्वच्छ भारत ने स्वच्छता को एक नागरिक भावना में बदल दिया और डिजिटल इंडिया ने प्रौद्योगिकी को एक साझा सपना बना दिया, उसी तरह जन एआई को लोगों का आंदोलन बनना चाहिए - एक बातचीत जो बुद्धिमत्ता को नष्ट, विकेंद्रीकृत और लोकतांत्रिक बनाती है। जागरूकता अभियान दिखा सकते हैं कि एआई जीवन को कैसे बेहतर बनाता है। सामुदायिक रेडियो, स्थानीय भाषा सामग्री और स्थानीय प्रभावशाली लोग इसे प्रासंगिक बना सकते हैं। स्कूलों में कहानी सुनाना और कौशल कार्यक्रम एक साथ जिज्ञासा और सावधानी को बढ़ावा दे सकते हैं। जब नागरिक एआई के वादे और नुकसान को समझते हैं, तो वे डर के कारण नहीं बल्कि स्वामित्व की भावना के साथ भाग लेते हैं।

जन एआई जैसा आंदोलन ऊपर से नीचे नहीं हो सकता। इसे कई भाषाओं में व्यक्त किया जाना चाहिए, दैनिक बातचीत में महसूस किया जाना चाहिए और विभिन्न मीडिया के माध्यम से संप्रेषित किया जाना चाहिए। नैतिक डेटा साझाकरण को बढ़ावा देकर, स्थानीय अनुप्रयोगों को प्रभावित कर-के और जवाबदेही की मांग करके, इसे न केवल नागरिकों को एआई का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए बल्कि इसे सह-निर्माण भी करना चाहिए।

अच्छे, डिजिटल मीडिया, मोशन पिक्चर्स और लोकप्रिय संस्कृति के लिए एआई का उपयोग करने वाली नर्सों, शिक्षकों और किसानों के वास्तविक जीवन के उदाहरण प्रस्तुत करके इन संभावनाओं को मानवीय बनाया जा सकता है। प्रत्येक कहानी और रचना व्यापक जागृति के लिए एक चिंगारी के रूप में कार्य करती है, जो दशार्ती है कि कैसे समावेशिता बुद्धिमत्ता को सामूहिक बनने के लिए मार्गदर्शन कर सकती है।

इस बात को लेकर चिंतित दुनिया में कि मशीनें क्या कर सकती हैं, नई दिल्ली शिखर सम्मेलन एक अलग सवाल पूछता हैः हम उनके साथ एक-दूसरे के लिए क्या कर सकते हैं? सहानुभूति और समावेशिता के साथ, प्रौद्योगिकी मानवता की कहानी का अंत नहीं हो सकती बल्कि इसके अगले अध्याय की शुरूआत हो सकती है। भारत का नेतृत्व विश्व के विमर्श को निर्देशित करने का अवसर प्रदान करता है।

यदि उत्तर यहीं से शुरू होता है, ग्लोबल साउथ के केंद्र में, तो शायद 'जन एआई' आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग की शुरूआत करेगा जहां समाधान यहीं से शुरू होता है, ग्लोबल साउथ के केंद्र में। और शायद, संभवतया, अंततः सबसे मानवीय युग का उदय होगा, जो धर्म के साथ-साथ डेटा द्वारा संचालित होगा।

आप की बात

बिहार की राजनीति

बिहार की राजनीति लंबे समय से जातिगत समीकरणों और अपराधीकरण की चपेट में है। यह एक ऐसी कड़वी सच्चाई है, जिसने लोकतंत्र की आत्मा को भीतर तक खोखला कर दिया है। मोकामा में जदयू प्रत्याशी और बाहुबली अनंत सिंह की गिरफ्तारी ने इस हकीकत को फिर से उजागर कर दिया। अनंत सिंह को जनसुराज पार्टी के समर्थक दुलारचंद यादव की हत्या के मामले में पकड़ा गया, जबकि दुलारचंद खुद भी आपराधिक पृष्ठभूमि वाला व्यक्ति था। चुनावी मैदान में अनंत सिंह का सामना राजद उम्मीदवार वीणा देवी से है, जो कुख्यात सूरजभान सिंह की पत्नी हैं। यह दृश्य केवल मोकामा का नहीं, बल्कि पूरे बिहार के राजनीतिक ताने-बाने का प्रतीक है। बिहार की पिछली विधानसभा में 50 प्रतिशत विधायकों पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज थे। इनमें 16 विधायक हत्या और 30 विधायक हत्या के प्रयास जैसे संगीन अपराधों में आरोपित थे। आठ विधायकों पर यौन शोषण के मामले भी लंबित थे। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि बिहार की राजनीति में अपराधियों का प्रभाव केवल सीमित नहीं, बल्कि निर्णायक हो चुका है। चुनावी टिकट वितरण में सभी दलों की ₹दागी प्रेम₹ नीति खुलकर दिखाई देती है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सभी बाहुबलियों और उनके परिवारजनों को टिकट देने में समान रूप से उदार रहे हैं।

– **सुभाष बुड़ावनवाला**, रतलाम

सड़क सुरक्षा में महत्वपूर्ण हेलमेट

भारत में सड़क दुर्घटनाओं के चिंताजनक आंकड़े हेलमेट पहनने की अनिवार्यता की सख्त जरूरत को उजागर करते हैं। प्रतिवर्ष लाखों दोपहिया वाहन चालक और सवारी अपनी जान गंवा रहे हैं और दुखद रूप से लगभग 80 प्रतिशत वाहन चालक हेलमेट नहीं पहनते हैं। सिर की चोटें इन मौतों का एक बड़ा कारण बनती हैं, जिन्हें हेलमेट आसानी से रोक सकता है। मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा 6 नवंबर से राज्य भर में हेलमेट नहीं लगाने वालों के विरुद्ध सघन और निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। यह कार्रवाई एक सराहनीय कदम है। इस अभियान में दोपहिया वाहन पर सवार दूसरी सवारी के लिए भी हेलमेट लगाना अनिवार्य किया गया है जो सड़क सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव है। पहले लागू किए गए 'बगैर हेलमेट पेट्रोल नहीं' जैसे नियमों के सकारात्मक परिणाम देखने को मिले हैं जिसने लोगों में हेलमेट की जरूरत और खुद की सुरक्षा के प्रति चेतना जगाई है। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या को देखते हुए यह अत्यंत आवश्यक है कि इस प्रकार के सुरक्षा नियमों को तत्काल देश भर में एक साथ लागू किया जाए। हर नागरिक को अपनी जान की कीमत समझते हुए सुरक्षा नियमों का पालन करना चाहिए। यह सिर्फ एक नियम नहीं बल्कि जीवन रक्षक पहल है।

– **अमृतलाल मारू 'रवि'**, इन्दौर मप्र

हार की हताशा

निरंतर हार की हताशा व्यक्ति को मानसिक रूप से कितना कुंठित कर सकती है, इसका सबसे सटीक उदाहरण नेता प्रतिपक्ष के आचरण से मिलता है, जो अपने गिरेबान में न झांक कर चुनाव में फजीवाड़े मनगढंत किस्से गढ़कर बार बार अतार्किक प्रश्न खड़े करते हैं। चुनाव बिहार में हो या अन्य प्रदेशों में नेता प्रतिपक्ष चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए बार बार वोट चोरी का आरोप लगाते हैं। जब उनसे आरोपों की प्रमाणिकता सिद्ध करने के लिए शपथ पत्र देने कहा जाता है, तब वह रणछोड़ बनकर मुख्य मुद्दे से पलायन कर जाते हैं। प्रश्न उत्पन्न होता है, कि नेता प्रतिपक्ष के दायित्व का निर्वहन करने वाला व्यक्ति इतना संकीर्ण और कुंठित कैसे हो सकता है, कि वह चुनाव व्यवस्था जैसे गंभीर विषय पर भी गंभीर न हो। वोट चोरी का आरोप लगाकर नेता प्रतिपक्ष क्या यह सिद्ध करना चाहते हैं, कि देश में चुनाव वोट चोरी करके जीते जाते हैं। ,यह वोट चोरी की प्रथा क्या भाजपा शासित प्रदेशों में ही गतिशील है ? जिन राज्यों में कांग्रेस समर्थित सरकारें हैं, क्या वहां पूर्ण निष्पक्षता से चुनाव संपन्न होते हैं ? विपक्ष के वोट चोरी के आलाप से यही लगता है, कि जैसे इनके पास प्रमाण हैं, कि यदि कहीं वोट कटे, तो कांग्रेस पार्टी के समर्थकों के ही वोट कटे, यदि कहीं वोटों की गड़बड़ी हुई तो कांग्रेस के विरोध में ही हुई। जब किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल के अस्तित्व पर संकट उत्पन्न होने लगे, तो व्यक्ति का स्वयं पर से विश्वास उठ जाता है।

– **सुधाकर आशावादी**, मेरठ

धर्मस्थलों पर भगदड़

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम पुरम के वेंकटेश्वर मंदिर में मची भगदड़ से 11 लोगों की मृत्यु और 25 श्रद्धालुओं के घायल होने की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रत्येक वर्ष देश की अनेकों मंदिरों में ऐसी घटनाएं होती हैं और जान माल का नुकसान होता है,जिस पर राज्य सरकारों को मंदिर प्रबंधकों को और श्रद्धालुओं को जरूर गंभीर चर्चा करनी होगी । धार्मिक, आध्यात्मिक यात्राएं ,उत्सव एवं सांस्कृतिक समागम जीवन के महत्वपूर्ण पड़ाव है। एक व्यक्ति आस्था अनुरूप देशाटन करता है। लेकिन मंदिर के परिसरों में घटनाओं में श्रद्धालुओं की जान माल जाती रही है जिसकी रोकथाम के लिए मंदिर प्रबंधन को मंदिर परिसर में आवागमन के पर्याप्त प्रवेश द्वार सुरक्षा इंतजाम भीड़ नियंत्रण वॉलिंटियर्स की नियुक्ति श्रद्धालुओं को सावधान करना , ड्रोन के द्वारा परिसर की जैसे मुद्दे पर मंदिर संचालकों को काम करना होगा। पुलिस प्रशासन की दिशा निर्देशों का भी पालन,बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था भी जरूरी है। अफवाहों पर रोक एवं मोबाइल एप अलर्ट की व्यवस्था भी कारगर सिद्ध हो सकती है। श्रद्धालुओं का धैर्य और मंदिर संचालकों के दिशा निर्देशों को पालन करते हुए अपने आध्यात्मिक यात्रा सफल बनाएं।

– **वीके जाटव** , दिल्ली

पाठकगण अपने विचार responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भेज सकते हैं।

डीएम ने धान की कटाई कर किया शुभारंभ

पायनियर संवाददाता। सुलतानपुर

❖ पराली न जलाने की अपील, किसानों से सरकारी केंद्रों पर ही बिक्री की सलाह

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ वर्ष 2025-26 की औसत उपज व उत्पादकता के आंकड़ों के संकलन हेतु जिलाधिकारी कुमार हर्ष ने तहसील सदर स्थित विकासखंड दूबेपुर के ग्राम पंचायत पैगापुर में धान की फसल कटाई कर प्रक्रिया की शुरुआत की।

इस दौरान राजस्व विभाग द्वारा चिन्हित किसान मोहम्मद मुनीर के खेत में समबाहु त्रिभुज प्लॉट बनाकर सीसीई एग्री ऐप के माध्यम से क्रॉप कटिंग प्रयोग किया गया। कटाई व मड़ाई के बाद धान का तौल कराया गया, जिसमें 13.938 किलोग्राम उत्पादन प्राप्त हुआ। जिलाधिकारी ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी उपज को नजदीकी सरकारी खरीद केंद्रों पर बेचें, ताकि उन्हें उचित मूल्य मिल सके। उन्होंने किसानों को आगाह करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार के बिचौलियों के बहकावे में न आएं। जिलाधिकारी ने खेतों में पराली न जलाने की अपील करते हुए कहा कि इससे वायु प्रदूषण बढ़ता है, मिट्टी के पोषक तत्व नष्ट होते हैं और स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने किसानों को वैकल्पिक प्रबंधन अपनाकर खेत की उर्वरा शक्ति बनाए रखने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर जिला कृषि अधिकारी सदानंद चौधरी ने बताया कि क्रॉप कटिंग प्रयोगों के आधार पर ही जिले की औसत उपज और उत्पादकता का आंकड़ा तैयार होता है। इन्हीं आंकड़ों को राज्य स्तर पर कृषि निदेशालय द्वारा जारी किया जाता है। आगे चलकर इन्हीं के आधार पर फसल क्षतिपूर्ति और बीमा राशि निर्धारित की जाती है। कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी सदर विपिन द्विवेदी सहित कृषि विभाग और राजस्व विभाग के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

30 रुपए का बांका, मोहब्बत पर डाका, प्रेमिका का सिर काटा

पायनियर संवाददाता। बछरावां, रायबरेली

❖ बछरावां पुलिस ने 24 घंटे के अंदर किया ब्लाइंड मर्डर केस का खुलासा

शादी-शुदा प्रेमिका की उसके ही प्रेमी ने बांके से गर्दन उड़ा दी है। दो बच्चों की माँ पति को छोड़कर प्रेमी के साथ इश्क में गिरफ्तार थी। विवाहिता को अपने प्रेमी से मिलने में दिक्कत न हो इसके लिए वह पति से लड़कर मायके में रह रही थी। मृतका के परिजनों ने उसके पति को ही नामज़द किया था।

लेकिन पुलिस ने 24 घंटे के अंदर दूध का दूध पानी का पानी करते हुए असली क़ातिल उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया। मामला बछरांवा थाना इलाके के शेखपुर समोधा गांव के बाहर का है। यहाँ कल सुबह ग्रामीणों ने 30 वर्षीय महिला का शव पड़े देखा था। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त कराई तो उसकी पहचान शेखपुर समोधा की रहने वाली सोनी के तौर पर हुई। सोनी का विवाह पास के ही इचौली गांव में वही के रहने वाले गुरु प्रसाद से हुआ था। सोनी और गुरु के दो बच्चे हैं। गुरु प्रसाद अक्सर मज़दूरी करने बाहर भी जाता था। इस दौरान काफी पहले पास के खाले गांव निवासी राजू पासी और सोनी के बीच प्रेम सम्बन्ध हो गया था। सोनी के पति को यह पता चला तो उसने विरोध शुरू किया। सोनी ने प्रेमी से निर्बाध तौर पर मिलने का रास्ता निकालते हुए वह लड़ झगड़ कर मायके में रहने लगी। दोनों के अवैध संबंधों में सोनी के मायके वाले भी मूक समर्थक बने थे। तीन दिन पहले सोनी घर से गायब हुई तो मायके वालों ने पति गुरुप्रसाद पर गायब करने का आरोप लगाया था। कल शव मिलने पर मायके वालों ने गुरुप्रसाद को नामज़द कर दिया। उधर पुलिस ने मृतका का मोबाइल फोन खंगाला तो मामला कुछ और ही सामने आया। दरअसल सोनी का प्रेमी राजू पासी उस पर विवाह का दबाव बना रहा था। लेकिन सोनी मौज मस्ती के लिए राजू से जुड़ी रहना चाहती थी। जबकि अपने पति को उसका छोड़ने का इरादा बिलकुल नहीं था। इस बात से राजू पासी नाराज़ था और उसे शक था कि उसके और लोगों से भी अवैध सम्बन्ध हैं। राजू पासी ने तीन दिन पहले बाजार से तीस रुपये का एक बांका खरीदा और और उसी से हत्या कर शव को खांयी में डाल दिया। शिनाख्त छिपाने के लिए उसने सिर को धड़ से अलग किया और इसे पास ही फेक दिया। पुलिस ने आला क़त्ल बरामद करते हुए आरोपी प्रेमी राजू पासी को जेल भेज दिया हैं।

कैंपस प्लेसमेंट में 21 छात्रों का हुआ चयन

पायनियर संवाददाता। सुलतानपुर

केएनआई के कृषि संकाय में गुरूवार को आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में 21 विद्यार्थी चयनित हुए। एक बार फिर संस्थान की बेहतर शैक्षणिक गुणवत्ता को प्रमाणित किया व संस्थान का मान बढ़ाया।

इस प्लेसमेंट ड्राइव में देश की प्रतिष्ठित डेयरी कंपनी सहज मिल्क प्रोड्यूसर लिमिटेड ने प्रतिभाग किया। इस मौके पर चयन टीम ने छात्रों को कंपनी की कार्यप्रणाली रोजगार अवसरों व भविष्य की संभावनाओं से अवगत कराया। प्लेसमेंट कार्यक्रम मे 60 छात्रों ने हिस्सा लिया तथा आयोजित साक्षात्कार द्वारा कुल- 21 छात्रों का चयन किया गया। इनका चयन मिल्क फैसिलिटेटर के पद पर किया गया। संस्थान के प्राचार्य प्रो. आलोक कुमार सिंह ने चयनित छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि हमारे विद्यार्थियों की कठोर मेहनत समर्पण और सीखने की सतत इच्छा का प्रमाण है। संस्थान सदैव गुणवत्तापूर्ण शिक्षण प्रशिक्षण और छात्रों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस मौके पर कृषि संकाय के प्रभारी डॉ. नवीन विक्रम सिंह ने बताया कि इन 21 छात्रों का चयन संकाय के लिए गर्व व शिक्षकों के लिए अच्छे शिक्षण पद्धति का प्रमाण है। वहीं कृषि संकाय के डॉ. विशाल सिंह डॉ. कन्हैया लाल डॉ. नीरज सिंह एवं डॉ. अंशुमान सिंह आदि ने खुशी जाहिर की व बताया कि इस कैम्पस प्लेसमेंट कार्यक्रम मे छात्रों का चयनित होना हमारे विभाग व संस्थान के लिए गौरव का विषय है। संस्थान प्राचार्य सहित उपप्राचार्य डॉ. शक्ति सिंह मुख्य अनुशासक डॉ. सुधांशु प्रताप सिंह व आईक्यूएसी निदेशक डॉ. आलोक वर्मा ने चयनित छात्रों को बधाई व शुभकामनायें दीं हैं।

जिला विकास अधिकारी ने विकास कार्यों का किया निरीक्षण

पायनियर संवाददाता। सुलतानपुर

कुड़वार विकास खंड के डोमनपुर गांव में ग्राम पंचायत से हुए कार्यों का जिला विकास अधिकारी ने निरीक्षण किया। गुरुवार को डीडीओ गजेन्द्र तिवारी कुड़वार विकास खंड के डोमनपुर गांव पहुंचे।

जहां उन्होंने ग्राम पंचायत से हुए तालाब निर्माण, इंटर लॉकिंग कार्य,मनरेगा से हुई मार्गो की पटाई, मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री आवास सहित अन्य विकास कार्यों का गहनता से स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत में हुए विकास कार्यों की सराहना की। उन्होंने बताया कि इसी तरह सभी ग्राम पंचायतों में औचक निरीक्षण कर हकीकत की जानकारी ली जाएगी। जहां भी अनियमितता पाई जाएगी उसके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी। इस मौके पर जेईआरईएस दीप शिखा चौरसिया, एडीओ आईएसबी सुभाष सिंह, प्रधान प्रतिनिधि दिव्यांश सिंह, रोजगार सेवक पवन कुमार मिश्रा, करण सिंह, बबलू मिश्रा, ब्लॉक कॉर्डिनेटर सुमन मौर्य, आदि मौजूद रहे।

हटिया मेला रहा फीका दुकानदारों में मायूसी

लालगंज,रायबरेली। कार्तिक पूर्णिमा के दूसरे दिन लगने वाला परंपरागत हटिया मेला इस बार अपनी पुरानी रौनक खो बैठा। कभी भीड़ और चहल पहल से भरा रहने वाला यह मेला इस वर्ष फीका नजर आया। दुकानदारों और मेला देखने आए लोगों के चेहरों पर निराशा साफ झलकती रही।

करुणा बाजार चौराहा से लेकर बछरावां रोड रेलवे क्रॉसिंग तक हर साल की तरह इस बार भी मेला लगा। लेकिन भीड़ पहले जैसी नहीं रही। दुकानों की संख्या भी कम दिखाई दी। कई पुराने दुकानदारों ने बताया कि अब पहले जैसी तैयारी और उत्साह नहीं रहा। भीड़ घटने से बिक्री पर भी असर पड़ा। मेला स्थल पर केवल बच्चों और महिलाओं की चहल-पहल थोड़ी दिखी।

संक्षिप्त समाचार

11 वर्ष पुराने भूमि विवाद के मामले में 4 महिलाओं सहित 10 लोगों को सजा

महराजगंज,रायबरेली। 11 वर्ष पुराने भूमि विवाद में दो पक्षों के बीच हुई मारपीट के मामले में मंगलवार को न्यायालय विशेष न्यायाधीश एससीएसटी एक्ट ने अपना फैसला सुनाया है। कोर्ट ने मामले का निस्तारण करते हुए दोनों पक्षों को दोषी पाया और 4 महिलाओं सहित कुल 10 लोगों को सजा सुनाई। जिसके बाद सभी को जेल भेज दिया गया। घटना फरवरी 2014 की है। महराजगंज कोतवाली क्षेत्र के लालगंज मजरे मोन निवासी राम अवध और राम करन सिंह के बीच भूमि को लेकर विवाद हो गया था। यह विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों में जमकर लाठी-डंडे चले। जिसमें दोनों तरफ से आधा दर्जन लोग घायल हो गए थे। पुलिस ने घटना के बाद दोनों पक्षों के खिलाफ केस दर्ज कर आरोप पत्र न्यायालय में पेश किया था। मंगलवार को न्यायालय ने इस विचाराधीन मामले में फैसला सुनाते हुए एक पक्ष के राम करन पुत्र सरदार सिंह, सुरेश उर्फ लाला पुत्र राम सिंह, संजय सिंह पुत्र राम सिंह, विजय सिंह पुत्र रामेश्वर सिंह सहित चार लोगों को एससी-एसटी एक्ट में 5-5 के कारावास व 36 हजार अर्थदंड की सजा सुनाई है। वही दूसरे पक्ष से रामअवध पुत्र महावीर, राम पियारे पुत्र देवतादीन, गंगादेई पत्नी रामअवध, भावना देवी पत्नी राज कुमार, गेंदावती पत्नी राजेंद्र, सुनीता पुत्री राजेंद्र सहित 6 लोगों को 6-6 माह का कारावास व 12 हजार रुपए के अर्थ दंड की सजा सुनाई है। कोतवाल जगदीश यादव ने बताया कि न्यायालय के अनुपालन में दोनों पक्षों के सभी दस आरोपियों को जेल भेजा गया है।

नाली के विवाद में दो पक्षों में खूनी संघर्ष 13 लोग गंभीर रूप से घायल

महराजगंज,रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के जिहवा गांव में नाली को लेकर दो पक्षों में विवाद इतना बढ़ गया कि लाठी-डंडों और कुल्हाड़ियों से हमला हो गया। घटना में एक पक्ष के आठ लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जबकि दूसरे पक्ष के पाँच लोग भी चोटिल हुए हैं। जिसमें मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने सभी तेरह घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाकर डॉक्टरी परीक्षण कराया। जिसमें दो लोगों की हालत नाजुक देख चिकित्सक ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। कोतवाली क्षेत्र के जिहवा गाँव में नाली को लेकर पूर्व में भी कई बार विवाद हो चुका है। लेकिन प्रशासन द्वारा कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई ठोस कदम न उठाए जाने के कारण गुरूवार को एक बार फिर पानी निकलने को लेकर दो पक्षों में जमकर खूनी संघर्ष हुआ। जिसमें लाठी डंडे और कुल्हाड़ियां जमकर चली तो वही एक पक्ष से राम सजीवन पुत्र राम मनोहर, संत सेवक पुत्र राम मनोहर, संतलाल पुत्र रतिपाल, सुनीता पत्नी राम सजीवन शांति देवी पत्नी संतलाल, प्रियंका पुत्री राम सजीवन, रतिपाल पुत्र महावीर, राम दुलारी पत्नी रतिपाल, तो दूसरे पक्ष से शत्रोहन पुत्र रामप्रसाद, आशीष पुत्र शत्रुहन, कृष्णावती पत्नी शत्रुहन, शशि पुत्री शत्रुहन, शिवानी पुत्री शत्रुहन्त्र सहित कुल 13 लोग चोटहिल हुए हैं। जिसमें रतीपाल पुत्र महावीर व राम दुलारी पत्नी रतिपाल की हालत नाजुक देख चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

अपहृत बालिका का नहीं मिला सुराग, एसपी से की गुहार

कर्नलगंज, गोंडा। दस दिन पहले 13 वर्षीय बालिका के अपहरण के मामले में कोई सुराग न मिलने से परेशान परिजनों ने बृहस्पतिवार को पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल से मुलाकात की। एसपी ने पीड़ित परिवार को निष्पक्ष जांच और शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

जानकारी के अनुसार बीते 26 अक्टूबर को कोतवाली करनैलगंज क्षेत्र की एक महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया था कि 25 अक्टूबर की रात वह अपने घर के बरामदे में दो बुजुर्गों और 13 वर्षीय पुत्री के साथ सो रही थी। रात करीब ढाई बजे उसकी आंख खुली तो बेटी गायब थी। काफी तलाश करने के बाद भी कोई पता नहीं चला।

भुगतान न होने पर आशा बहुओं ने हड़ताल कर दिया ज्ञापन

पायनियर संवाददाता। उन्नाव

असोहा विकास खण्ड की आशा बहुओं ने गुरुवार को भुगतान न होने पर कलम बंद हड़ताल की।

ब्लाक अध्यक्ष सुनीता देवी के नेतृत्व में तारावती, कल्पना वर्मा, रंजीता, शालिनी, संगीता देवी, मायादेवी, प्रियंका, शिवानी, निर्मला देवी सहित सैकड़ों आशा बहुओं ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर एकत्रित होते हुए धरना प्रदर्शन किया। सुनीता देवी ने प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को ज्ञापन देते हुए बताया कि अब तक उनके कार्यो का पूर्ण भुगतान नही किया गया, हमारी बार बार मांगो व किये गए निवेदनों पर भी इस दिशा में कोई कार्यवाही नही की गई। यह हड़ताल तब तक जारी रहेगी, जब तक सभी आशा बहुओं व आशा संगिनी का बकाया भुगतान नही दिया जाता।

दबंगों ने 80 वर्षीय वृद्ध की गले में गोली मारकर कर दी हत्या

पायनियर संवाददाता। शुक्लागंज, उन्नाव

❖ तहरीर के आधार पर हत्या के मामले में 9 के विरुद्ध मामला दर्ज, 6 आरोपी हिरासत में

गगनी खेड़ा गांव में पुरानी रंजिश का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीते 31 अगस्त को फायरिंग में 10 वर्षीय बालक की मौत के मामले के मुख्य आरोपी के 80 वर्षीय पिता हीरालाल उर्फ मुनीम की देर रात घर में घुसकर गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना ने क्षेत्र में दहशत और तनाव पैदा कर दिया है।

पुलिस ने मृतक की पत्नी की तहरीर पर पूर्व सभासद समेत नौ लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है और छह आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मृतक हीरालाल (80) अगस्त में हुई हत्या के मुख्य आरोपी अशोक निषाद के पिता थे। अशोक के जेल में बंद होने के कारण हीरालाल अपनी पत्नी महादेई के साथ गांव में रहने वाली बेटी सरला के घर पर रह रहे थे। बेटी सरला ने पुलिस को बताया कि बुधवार देर रात करीब दो बजे सोनू, राजकुमार, जितेन्द्र, महेश निषाद, गोविंद, संतोष, अमन, मंटानी और मनोज उनके घर में घुस आए। घर के आंगन में चारपाई पर सो रहे हीरालाल पर उन्होंने हमला कर दिया और फायरिंग शुरू कर दी। गोली सीधे उनके गले में लगी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही एसओजी, सर्विलांस टीम, फोरेंसिक टीम और स्थानीय पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने घटनास्थल की जांच की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गर्दन पर गन शाट होने और छर्रे फंसे होने की पुष्टि हुई है। कोतवाली प्रभारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि पत्नी महादेई की तहरीर पर नौ आरोपियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है और छह आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस शव को लेकर मिश्रा कॉलोनी श्मशान घाट पहुंची, लेकिन यहां परिवार में फिर से तनाव पैदा हो गया।

पेट्रोल पंप पर लकी ड्रा आयोजित

पायनियर संवाददाता। गोंडा

भारत पैट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड ने अपने उपभोक्ताओं के लिए खुशियों का त्यौहार भारत पेट्रोलियम के संग स्लोगन के साथ 31 अक्टूबर 2025 तक एक आकर्षक इनाम योजना चलाया गया। जिसका कूपन लकी कूपन ड्रा 6 नवंबर को बैजनाथ शर्मा एंड संस पेट्रोल पंप, निकट बस स्टैंड गोंडा पर आयोजित कार्यक्रम में कंपनी के सेल्स ऑफिसर मंगीलाल एवं शहर के गणमान्य लोगों द्वारा किया गया।

सार्वजनिक रूप से निकाले गए लकी ड्रा में प्रथम पुरस्कार विजेता अयांश सिंह को मोटरसाइकिल, द्वितीय पुरस्कार विनोद शर्मा को टीवी एवं तृतीय पुरस्कार राधेश्याम, रमेश गुप्ता एवं विनोद कुमार को एक-एक वॉशिंग मशीन प्राप्त हुई। इसी तरह गीजर के चार, हीटर के पांच एवं आयरन प्रेस के दस पुरस्कार निकाले गए। लकी ड्रा कार्यक्रम में शर्मा पेट्रोल पंप के मलिक अंतरिक्ष कृष्ण पांडेय ने बताया कि कंपनी द्वारा लगभग प्रत्येक त्योहारों के उपलक्ष में ऐसी योजनाएं उपभोक्ताओं के लिए संचालित की जाती है, जो आगे भी जारी रहेगी। कार्यक्रम के दौरान अनोखेलाल, आरपी तिवारी, अंकित, अविरल पांडे, विमल वर्मा, पत्रकार नरेंद्र लाल गुप्ता, हेमन्त पाठक, प्रदीप तिवारी, अशोक पाठक, सुनील तिवारी सहित नगर के तमाम गणमान्य लोग मौजूद रहे।

धान क्रय केंद्रों का करें औचक निरीक्षण : डीएम

पायनियर संवाददाता। गोंडा

जिला पंचायत सभागार में आज जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में धान खरीद कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में जिले के समस्त खरीद केन्द्रों के सचिव, प्रभारीगण, संबंधित विभागों के अधिकारी एवं अन्य जिम्मेदार अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने बताया कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य आगामी धान खरीद सत्र के सफल संचालन हेतु आवश्यक तैयारियों की समीक्षा करना एवं किसानों की सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिए दिशा-निर्देश प्रदान करना रहा। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार द्वारा किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ की जा रही हैं। अतः धान क्रय केन्द्रों पर किसानों के बैठने की समुचित व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल की सुविधा, तौल प्रक्रिया की पारदर्शिता तथा तौल के बाद निर्धारित समय सीमा में भुगतान की व्यवस्था कराना अधिकारी सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि समय समय पर अधिकारी क्रय केन्द्रों का औचक निरीक्षण करें, ताकि वहां सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रहें। साथ ही क्रय केन्द्रों पर पॉवर डस्टर, मॉइस्चर मीटर, तौल मशीन व बोरे आदि की पर्याप्त व्यवस्था समय से की जाए तथा केन्द्रों पर साफ-सफाई एवं सुरक्षा के उचित इंतजाम रहें। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं किसानों की शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने के लिए एक कंट्रोल रूम एवं हेल्पलाइन नंबर सक्रिय रखा जाए। बैठक के दौरान उपस्थित अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्र से संबंधित तैयारियों की जानकारी दी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी आलोक कुमार, जिला खाद्य विपणन अधिकारी एन.के. पाठक, सभी खरीद केन्द्रों के सचिव, प्रभारीगण एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कोर्ट में 35 पत्रावलियों पर की सुनवाई : नेहा मिश्रा

करनैलगंज, गोंडा। तहसील करनैलगंज की सभी अदालतों का संचालन माह भर बाद बृहस्पतिवार से शुरू हो गया। एसडीएम नेहा मिश्रा ने सुचारू रूप से न्यायालय का संचालन प्रारंभ कराया।

उन्होंने बताया कि अवकाश और तहसील में अधिवक्ताओं की हड़ताल के चलते न्यायालय का कार्य ठप पड़ा था। जिसे अधिवक्ताओं का गतिरोध समाप्त कराकर न्यायिक प्रक्रिया को बहाल किया गया है। जिससे अधिवक्ता और वादकारी प्रसन्न दिखाई दिए। अधिवक्ताओं ने न्यायालय का संचालन शुरू होते ही मुकदमों की पैरवी भी किया। एसडीएम सुश्री मिश्रा ने बताया कि गुरुवार को 35 मुकदमों के पत्रावली पर सुनवाई किया गया। उन्होंने कहा कि अब प्रत्येक दिवस में प्रशासनिक कार्य के साथ न्यायालय की व्यवस्था का संचालन किया जाएगा। तहसील के अधिवक्ता त्रिलोकीनाथ तिवारी, श्यामधर शुक्ला, पवन कुमार शुक्ला, धर्मेंद्र मिश्रा, एसएन सिंह, राजेश कुमार यादव, रामबाबू पांडेय, वेद प्रकाश तिवारी, हृदयनारायण मिश्रा आदि ने न्यायालय संचालन पर प्रसन्नता जताई है।

विधायक ने बीघापुर अस्पताल को दिया माइकोस्कोप मशीन

बीघापुर उन्नाव। जनसामान्य के स्वास्थ्य हितों को सर्वोपरि रखते हुए भगवंतनगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक आशुतोष शुक्ल ने क्षेत्र के 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय, बीघापुर में मरीजों की बढ़ती संख्या और चिकित्सीय जांच में आ रही कठिनाइयों को देखते हुए अपनी विधायक विकास निधि से एक अत्याधुनिक माइकोस्कोप मशीन प्रदान करने की घोषणा की है।

बीघापुर अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने विधायक से मांग की थी कि अस्पताल में माइकोस्कोप मशीन न होने से अनेक तरह की जांचें प्रभावित हो रही हैं। मरीजों को निजी क्लीनिकों या शहर के बड़े अस्पतालों का रुख करना पड़ता है, जिससे आर्थिक और समय दोनों की हानि होती है।

हत्या के प्रयास के अभियोग से संबंधित 2 अभियुक्त गिरफ्तार

अमेठी । वादी विमलेश सिंह पुत्र स्व0 राजेन्द्र सिंह निवासी ग्राम पूरे मंशा गूजर टोला थाना गौरीगंज जनपद अमेठी द्वारा थाना गौरीगंज पर लिखित तहरीर दी गयी कि सोमवार को उनके पुत्र अंकित सिंह बाजार से अपने घर की तरफ मोटरसाइकिल से जा रहे थे तभी पीछे से चार पहिया वाहन ने टक्कर मार कर उनके पुत्र को गिरा दिया था तथा वाहन से निकल कर 06 लोगों ने उनके पुत्र पर जान से मारने की नीयत से असलहे से फायर कर दिया था तथा लोहे की राड से कई वार करके भाग गये थे । प्राप्त तहरीर पर थाना गौरीगंज पर मु0अ0सं0 372/25 धारा 190, 191,191;3 109;1 61;2 बीएनएस का अभियोग पंजीकृत किया गया था । पुलिस अधीक्षक अमेठी द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी हो। पुलिस अधीक्षक अमेठी अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद अमेठी में अपराध एवं अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में मुकदमा उपरोक्त से संबंधित अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु क्षेत्राधिकारी गौरीगंज अखिलेश कुमार वर्मा के कुशल नेतृत्व में थाना गौरीगंज पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर 2 अभियुक्तों मो0 जलील पुत्र मुनीर निवासी पूरे सूबेदार मजरे ऐंधी थाना गौरीगंज जनपद अमेठी व दीपक कुमार पुत्र मनोज कुमार निवासी ग्राम बरौलिया थाना जामो जनपद अमेठी को गिरफ्तार किया गया ।

स्कूल जाते समय लापता हुआ छात्र पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

अमेठी। मिली जानकारी के अनुसार थाना अमेठी क्षेत्र के जंगलरामनगर गांव में पांचवीं कक्षा के छात्र के लापता होने का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पूरे स्वयंवर सिंह का पुरवा निवासी आजाद सिंह का भांजा कप्तान पुत्र अश्वनी सिंह (मूल निवासी बनकटा, जनपद फतेहपुर) पिछले दो वर्षों से अपने मामा के घर रहकर रणवीर आनंद पाठशाला, रामनगर अमेठी में पढ़ाई कर रहा था।बताया गया कि बच्चा 4 नवंबर की सुबह करीब 8:30 बजे विद्यालय जाने के लिए घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने आसपास काफी खोजबीन की, परंतु उसकी कोई जानकारी नहीं मिल सकी।अंततः परिजनों ने मामले की सूचना थाने में दी।

महिलाओं की सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम

पायनियर संवाददाता। अमेठी

मिशन शक्ति 5 अभियान के अंतर्गत चाइल्ड हेल्पलाइन अमेठी द्वारा घरेलू हिंसा, दहेज उन्मूलन, नारी सुरक्षा एवं साइबर अटैक विषय पर जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित चाइल्ड हेल्पलाइन अमेठी के माध्यम से महिलाओं एवं बच्चों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से ग्राम सोरांव परभनपुर, विकासखंड शाहगढ़ में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिलाधिकारी संजय चौहान एवं उपजिलाधिकारी प्रभारी जिला प्रोबेशन अधिकारी सात्विक श्रीवास्तव के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को घरेलू हिंसा के दुष्परिणामों के प्रति सचेत करना तथा समाज में दहेज न लेने और न देने के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। इस अवसर पर प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर गौरव श्रीवास्तव ने कहा जब तक रहेगी दहेज प्रथा, बेटी रहेगी दुखी सदा। महिलाओं को शिक्षित करें और उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित करें, ताकि उन्हें दहेज के लिए वस्तु के रूप में न देखा जाए। केस वर्कर रुचि सिंह ने उपस्थित महिलाओं को घरेलू हिंसा, साइबर अटैक और नारी सुरक्षा से संबंधित विस्तृत जानकारी दी तथा कन्या सुमंगला योजना के बारे में बताया। वहीं सुपरवाइजर रोशन लाल ने स्पॉन्सरशिप योजना, बाल सेवा योजना एवं महत्वपूर्ण टोल फ्री नंबर – 1098, 102, 108, 181, 1090, 1076, 112, 1930 – की जानकारी दी और पंपलेट वितरित किए।

सेवानिवृत्त हुई फिर भी अस्पताल आ रही नर्स, कर्मचारी परेशान

पायनियर संवाददाता। उन्नाव

महिला अस्पताल की नर्स के सेवानिवृत्ति होने के बाद भी अस्पताल का मायामोह नहीं छूट रहा है। दिन से लेकर रात तक अस्पताल में बना रहना चर्चा का विषय बना है। चर्चा यह भी है कि कर्मचारी भी परेशान है। उक्त नर्स के पास पीपीसी, ओटी का चार्ज था।

यहां मरीजों से रोजना सुविधा के नाम पर शुल्क लिया जाता था। वहीं स्टॉप के लोगों ने दबी जुबा से बताया कि ओटी तथा पीपीसी से कीमती सामान पार करने की फिराक में है। पंडित उमाशंकर दीक्षित संयुक्त महिला चिकित्सालय में कार्यरत नर्स राजबाला 31 अक्टूबर को सेवानिवृत हो गई थी। उनके पास पीपीसी तथा ओटी का चार्ज था। जिसके बाद से रोजाना की तरह अस्पताल में बने रहना तथा पहले कि तरह कर्मचारियों पर दबाव बनाना जिससे कर्मचारी परेशान है। बुधवार की सुबह पीपीसी तथा रात में ओटी में मौजूद रही। विभाग में लगे कैमरों के फुटेज की जांच की जाए तो स्वतः चर्चा पर विराम लग सकता है। वहीं एक सीनियर नर्स को चार्ज मिलना चाहिए था। सेवानिवृत होने के बाद भी अभी पूरी तरह चार्ज नहीं दिया। सुत्रो की मानें तो एक मुख्य दरवाजे की चाबी भी गायब है जो विभाग में चर्चा का विषय बना है। इसकी जानकारी के लिए जब महिला सीएमएस डॉ फौजिया अंजुम को कई बार फोन मिलाया गया तो उनका फोन नहीं मिला।

वन क्षेत्र पर अवैध कब्जा

भूमाफ़िया और डेरी मालिक ने मिलकर किया बड़ा खेला

पायनियर संवाददाता। गोला, खीरी

जहां एक ओर सीएम योगी जो कि माफियाओं की जमीन को छीनकर गरीबों हेतु व उस पर सरकारी विल्डिंग बना रहे हैं, लेकिन गोला वन विभाग क्षेत्र के अंतर्गत रजानगर पूर्वी बीट के अंतर्गत रजागंज कस्बे के निकट गोला लखीमपुर हाइवे दक्षिण को ओर एक बड़ी दूध डेरी का निर्माण मानकों को दर किनार कर के किया जा रहा है।

इतना ही नहीं गोला वन विभाग के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के किनारे विगत लगभग एक वर्ष पूर्व बृहद वृक्षारोपण कराया गया था जिसमे कई दर्जनों पेड़ सक्षम वन विभाग की अगुवाई में रोपे गये थे और वृक्षारोपण के पश्चात उनकी सुरक्षा के चलते चारों तरफ कटीले तारो की बाड भी लगाई थी और वन विभाग के द्वारा एक सरकारी बोर्ड भी लगाया था जिसमें वन के कर्मचारियो के द्वारा उसमें कुछ मानक लागत व अन्य सामग्री भी लिखी गई थी। लेकिन सारे नियम कानूनों को धता बताते हुये डेरी मिल मालिक को जमीन दे दी गई। वहीं कुछ ग्रामीण व आस पास के रहने वालों ने बताया कि इस फैक्ट्री से निकलने वाले कैमिकल युक्त पानी से अन्य जो पौधे लगे हुये हैं उनको भारी नुकसान का खामियाजा उठाना पड़ सकता है और वृक्ष सूख भी सकते हैं।

इस बाबत संजीव कुमार तिवारी, वन क्षेत्राधिकारी का कहना है कि गोला लखीमपुर हाइवे के किनारे जो दूध की डेरी लग रही है उसका परमीशन हमने नहीं दिया है यदि वह वन विभाग की जमीन पर दूध फैक्ट्री लगी है तो कार्यवाही की जायेगी।

टेस्ट ड्राइव लेने के बहाने 1.94 लाख की बाइक लेकर फरार, मामला दर्ज

पायनियर संवाददाता। लखीमपुर

शहर में टेस्ट ड्राइव के बहाने एक व्यक्ति येज्दी शोरूम से बाइक लेकर फरार हो गया। शोरूम संचालक की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है बाइक की कीमत 1.94 लाख रुपए है। जानकारी मुताबिक, एक व्यक्ति शोरूम पर बाइक खरीदने पहुंचा था। उसने काले रंग की रोडस्टर बाइक की टेस्ट ड्राइव मांगी। हालांकि, वह व्यक्ति बाइक लेकर निकला और फिर वापस नहीं लौटा। काफी देर इंतजार के बाद शोरूम संचालक को धोखाधड़ी का संदेह हुआ। उन्होंने तुरंत सदर कोतवाली को सूचना दी। पुलिस ने संचालक की तहरीर पर एफआईआर दर्ज कर ली है और फरार युवक की तलाश में टीमें गठित कर दी हैं।

राज्य महिला आयोग सदस्य सुजीता कुमारी ने की जनसुनवाई, दिए निस्तारण के निर्देश

पायनियर संवाददाता। लखीमपुर,खीरी

गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित अटल सभागार में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य सुजीता कुमारी ने महिलाओं से जुड़ी शिकायतों की जनसुनवाई की। उन्होंने उपस्थित पीड़ित महिलाओं की बात गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित और निष्पक्ष कार्यवाही के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान 39 प्रकरण दर्ज हुए, जिसमें घरेलू हिंसा जमीनी विवाद, छेड़छाड़ के प्रकरण शामिल हैं। मामलों की सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिये कि प्रकरणों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण जल्द से जल्द करके कार्यवाही की जाए। सुजीता कुमारी ने कहा कि मिशन शक्ति के अंतर्गत शासन प्रशासन नारी सम्मान तथा सशक्तीकरण के लिये प्रतिबद्ध है। आयोग का उद्देश्य है कि हर महिला को त्वरित न्याय मिल सके। जनसुनवाई कार्यक्रम में थानाध्यक्ष महिला थाना शिल्पी शुक्ला, डिप्टी सीएमओ डॉ प्रमोद रावत, सीडीपीओ कीर्ति सचान, असिस्टेंट प्रोफेसर महिला अस्पताल डॉ श्रीमती तनीषा गुप्ता, जिला समाज कल्याण अधिकारी वंदना सिंह, बीईओ बृजराज सिंह उपस्थित रहे।

सदस्य राज्य महिला आयोग ने ब्लॉक फूलबेहड़ में आयोजित नारी चौपाल में सहभागिता की गई, जहां ब्लॉक द्वारा संचालित आवास योजना, सीएम कन्या सुमंगला योजना, सीएम बाल सेवा योजना,निराश्रित महिला पेंशन योजना' वन स्टॉप सेंटर 1098 के बारे में जानकारी दी गई।

देव दीपावली पर 21 हजार दीपों से जगमगाया घाट

पायनियर संवाददाता। अंबेडकर नगर

कार्तिक पूर्णिमा एवं देव दीपावली के पावन अवसर पर श्रवण क्षेत्र धाम में भव्य श्रवण क्षेत्र धाम महोत्सव का आयोजन बड़े हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के वातावरण में संपन्न हुआ। देव दीपावली के अवसर पर सम्पूर्ण श्रवण धाम क्षेत्र 21,000 से अधिक दीपों की रौशनी से आलोकित होकर दिव्यता और आस्था का अद्भुत संगम बन गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसे माननीय सदस्य विधान परिषद हरिओम पांडे एवं विधायक कटेहरी श्री धर्मराज निषाद ने संयुक्त रूप से संपन्न किया। दीप प्रज्वलन से पूर्व सभी अतिथियों एवं श्रद्धालुओं ने श्रवण क्षेत्र धाम में विधिवत पूजा-अर्चना की और भगवान की आराधना के साथ देव दीपावली का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक केशव कुमार, मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला, परियोजना निदेशक (डीआरडीए) अनिल कुमार सिंह, जिला विकास अधिकारी, वरिष्ठ भाजपा नेता रमाशंकर सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

दीप प्रज्वलन में स्काउट गाइड, एनसीसी कैडेट्स तथा स्थानीय जनसामान्य ने बढ़-चढ़कर भाग लिया, जिससे संपूर्ण श्रवण क्षेत्र दिव्य प्रकाश से नहाया हुआ प्रतीत हुआ। भक्ति और उत्सव के इस वातावरण में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर श्रवण धाम की पवित्र भूमि को आलोकित किया।

महोत्सव के अंतर्गत सांस्कृतिक संध्या का भी आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय कलाकारों एवं सांस्कृतिक संस्थाओं ने मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से भारतीय संस्कृति, लोककला और परंपराओं का सुंदर संगम देखने को मिला। इस अवसर पर भव्य आतिशबाजी भी की गई।

कार्यक्रम के सफल संचालन में श्रवण क्षेत्र धाम महोत्सव न्यास के अध्यक्ष एवं संस्कार भारती के जिला अध्यक्ष डॉ. अनुपम पांडे का विशेष योगदान रहा। भव्य दीपोत्सव के इस आयोजन ने न केवल श्रवण क्षेत्र धाम की धार्मिक गरिमा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया, बल्कि जिले के सांस्कृतिक जीवन में भी एक नई ऊर्जा का संचार किया।

सीएम डैशबोर्ड का मंडलायुक्त ने लिया जायज़ा

संबंधित विकास कार्यों एवं 50 लाख से अधिक मूल्य के निर्माण कार्यों की समीक्षा

पायनियर संवाददाता। अंबेडकरनगर

मंडलायुक्त राजेश कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार अंबेडकर नगर में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड से संबंधित विकास कार्यों एवं 50 लाख से अधिक लागत मूल्य के निर्माण कार्यों (सड़कों को छोड़कर) की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में मंडल आयुक्त द्वारा सर्वप्रथम मुख्यमंत्री डैशबोर्ड से संबंधित विभिन्न विभागों के विकास कार्यों के प्रगति की समीक्षा की गई।

बैठक में उन्होंने अतिरिक्त ऊर्जा विभाग के पंडित दीनदयाल उपाध्याय सोलर स्ट्रीट लाइट योजना, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, उद्यान विभाग द्वारा संचालित एकीकृत बागवानी विकास मिशन, पर ड्रॉप मोर क्राफ्ट माइक्रोइरिगेशन, ऊर्जा विभाग, कृषि विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, दुग्ध विकास विभाग, आदि के अंतर्गत संचालित योजनाओं की विभागवार प्रगति की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बैठक में उद्यान विभाग के अंतर्गत संचालित एकीकृत बागवानी मिशन योजना की समीक्षा के दौरान जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि एकीकृत बागवानी मिशन के अंतर्गत जनपद में पहली बार ड्रैगन फूड एवं स्ट्रॉबेरी की खेती कृषकों द्वारा प्रारंभ की गई है इसी के साथ ही पाली हाउस का भी निर्माण किया गया है जिसमें सरकार द्वारा 50% कृषकों को सब्सिडी प्रदान की जाती है।

मंडलायुक्त ने कहा कि पॉलीहाउस के अंतर्गत खेती से अच्छा फायदा प्राप्त होता है। उन्होंने जिला उद्यान अधिकारी को पॉलीहाउस कृषकों को अच्छे गुणवत्ता का बीज उपलब्ध कराने के साथ-साथ बेहतर प्रशिक्षण दिलाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पॉलीहाउस में खेती में पेस्टिसाइड एवं अन्य उर्वरकों का प्रयोग फसलों के देखभाल के बारे में कृषकों को प्रशिक्षित टीम द्वारा बेहतर जानकारी प्रदान की जाए।

उन्होंने पॉलीहाउस से संबंधित कृषकों की अन्य जनपदों में संचालित अच्छे पाली हाउसों का भ्रमण कराए जाने के निर्देश दिए।

पुलिस की दबिश के दौरान छत से गिरकर बसपा नेता की हुई मौत, दारोगा पर मुकदमा दर्ज

पायनियर संवाददाता। बरेली

तिलहर थाना क्षेत्र के गांव मौजमपुर में मंगलवार रात पुलिस की दबिश के दौरान बसपा नेता की मौत से हड़कंप मच गया आरोप है कि पुलिस की मारपीट और धक्का देने से बसपा नेता सत्यभान छत से नीचे गिर गए। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

सूचना मिलने पर शाहजहांपुर बसपा जिलाध्यक्ष उदयवीर सिंह और बरेली से बसपा नेता पूर्व विधानसभा प्रत्याशी तौफीक प्रधान भी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। बसपा नेता तौफीक प्रधान ने कहा कि मृतक के बेटे अभिषेक पर हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज है और वह फरार चल रहा है। उसकी तलाश में तिलहर पुलिस देर रात सत्यभान के घर पहुंची थी। परिजनों का कहना है कि पुलिस ने घर का दरवाजा तोड़ दिया और अंदर घुसकर महिलाओं से गाली-गलौज की।

इसी बीच दरोगा छत पर चढ़ गया और वहां मौजूद सत्यभान से मारपीट करने लगा। आरोप है कि उसी दौरान दरोगा ने उन्हें छत से नीचे धक्का दे दिया।सत्यभान के बेटे ने पिता का वीडियो भी बनाया, जिसमें वह कहते नजर आ रहे हैं कि दरोगा ने मुझे धक्का दिया, मुझसे मारपीट की। इस वीडियो के वायरल होने के बाद पुलिस कार्रवाई पर सवाल खड़े हो गए हैं।

बसपा नेताओं ने अधिकारियों से दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की। जिसके बाद दरोगा राहुल सिसौधिया समेत एक अन्य पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

महिला जनसुनवाई व चौपाल का आयोजन

अंबेडकर नगर। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग उत्तर प्रदेश की सदस्य गीता बिन्द की अध्यक्षता में सर्किट हाउस में महिला जनसुनवाई एवं मिशन शक्ति जागरूकता चौपाल का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनसुनवाई में घरेलू हिंसा, जमीनी विवाद, मारपीट, दहेज आदि के कुल 8 प्रकरण आये जिसमें सम्बन्धित अधिकारियों को निस्तारित करने के निर्देश दिये गये। जन सुनवाई कार्यक्रम के उपरान्त सदस्या द्वारा विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित यांजनाओ की समीक्षा की गयी। इसके उपरान्त सदस्या द्वारा कस्तूरबा गांधी विद्यालय कटेहरी का निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई की व्यवस्था उचित नहीं पायी गयी। जिसके लिए सदस्या ने साफ-सफाई के लिए सम्बन्धित कर्मचारियों का निर्देशित किया।

श्रद्धापूर्वक मना गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व

पायनियर संवाददाता। बरेली

संपूर्ण मनुष्य जाति के सांझे रहबिर साहिब श्री गुरु नानक देव जी, जिन्होंने सिक्ख धर्म की स्थापना कीऊँच-नीच, जात पात ,आदि कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाई, एक ईश्वरवाद का सन्देश दिया व सबको एक सामान, एक पंगत में बैठकर लंगर छकना सिखाकर समाज में फैली छुआ छूत जैसी कुरीतियों को दूर किया ।ऐसे रहबिर साहिब श्री गुरु नानक देव जी के पावन प्रकाश पर्व सारे संसार भर में, बड़े ही श्रद्धा व प्रेम के साथ मनाया जा रहा है। इसी उपलक्ष्य में बरेली कॉलेज बरेली में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया इसमें प्रोग्राम का आरंभ सुबह को 8 बजे आसा की वार जी के पाठ से हुआ।

इसके उपरांत समाप्ति के उपरांत सभी संगठन ने मिलकर गुरु का लंगर ग्रहण किया इस प्रोग्राम में विशेष तौर पर गुरुद्वारा के सेंट्रल गुरपुरब कमेटी के प्रधान सरदार परमजीत सिंह और महासचिव सरदार हरप्रीत सिंह खालसा ने संगतों का धन्यवाद किया एवं महासचिव हरप्रीत सिंह खालसा ने इस बात पर जोर दिया कि हमें अपनी धार्मिक स्कूलों को बेहतर बनाने की जरूरत है।

शहर के प्रमुख स्कूल श्री गुरु हरकिशन पब्लिक स्कूल को उच्च शिक्षा के लिए मिलकर कार्य करेंगे और एक बेहतरीन स्कूल बनाएंगे जिसमें हमारे बच्चे धार्मिक शिक्षा के साथ-साथ पंजाबी में निपुण हो एवं उच्च शिक्षा भी प्राप्त करें।

इस उपलक्ष में सभी गुरुद्वारों के प्रतिनिधियों का विशेष सहयोग रहा इसमें डॉक्टर महेंद्र सिंह बासु , सरदार दलबीर सिंह, सरदार हरप्रीत सिंह बिंद्रा, सरदार मनमीत सिंह, सरदार प्रद्युमन सिंह ,सरदार मंजीत सिंह नागपाल, देवेंद्र सिंघ चन्नी, महेंद्र सिंह दुआ,सुभाष नगर गुरुद्वारा के प्रधान मनजीत सिंह नागपाल , सरदार महेंद्र सिंह बासु , ज्ञानी काला सिंह , सरदार जसपाल सिंह जी गुजराल, सरदार महेंद्र सिंह जी साबुन वाले, चौकी चौराहेगुरुद्वारे के प्रधान राजा चावला, मॉडल टाउन गुरुद्वारा के सचिव गुरदीप सिंह बग्गा, सरदार हरप्रीत सिंह की गोलू सरदार मंजीत सिंह बिट्टू फैशन पॉइंट वाले, जनकपुरी गुरुद्वारे के प्रधान सरदार हरनाम सिंह वास सचिन सोनी वीर , सरदार मंजीत सिंह खालसा, पतासे वाली गुरुद्वारे के सचिव सरदार गुरमीत सिंह, सुभाष नगर गुरुद्वारा के सचिव प्रदमन है सिंह , सरदार अमरजीत सिंह कालू वीर , सरदार जसपाल सिंह , इत्यादि का विशेष योगदान रहा।

मत्स्य पालन मंत्री ने की विभागीय समीक्षा, दिए आवश्यक निर्देश

पायनियर संवाददाता। अंबेडकरनगर

उत्तर प्रदेश के मंत्री, मत्स्य विभाग डॉ. संजय कुमार निषाद ने जनपद अंबेडकर नगर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने सर्किट हाउस अंबेडकर नगर में परियोजना निदेशक एवं उप जिलाधिकारी अकबरपुर तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं मत्स्य विभाग की जनपदीय अधिकारी के साथ समीक्षा बैठक की।

बैठक के दौरान मंत्री ने मत्स्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सभी योजनाओं में अपेक्षित प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि मछलीपालन से जुड़े प्रत्येक पात्र व्यक्ति को योजनाओं का सीधा लाभ मिले और इस दिशा में विभागीय अधिकारी पारदर्शी व तत्परता से कार्य करें।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना, निषादराज बोट सब्सिडी योजना, मत्स्य पालक कल्याण कोष, सामूहिक दुर्घटना बीमा योजना तथा किसान क्रेडिट कार्ड योजना में ज्यादा से ज्यादा लाभ पहुंचाया जाए। राजस्व विभाग द्वारा नियमानुसार ही पट्टा आवंटन हो ताकि मछुआ समुदाय को लाभ हो, पट्टा की प्रगति बढ़ाई जाए। विभागीय जलाशय का निस्तारण नियमानुसार कराए।सभी योजनाएं विभागीय वेबसाइट पर ऑनलाइन उपलब्ध हैं। माननीय मंत्री जी ने जनपद के पात्र आवेदकों से अपील की कि वे समय पर आवेदन कर इन योजनाओं का अधिकतम लाभ प्राप्त करें।

बैठक के उपरांत मंत्री ने लोहिया भवन सभागार, अंबेडकर नगर में मत्स्य पालकों के साथ बैठक की। इस अवसर पर उन्होंने मत्स्य उत्पादन बढ़ाने हेतु विभागीय योजनाओं, कार्यक्रमों एवं उपलब्ध संसाधनों की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार मत्स्य क्षेत्र के विकास को लेकर संकल्पित है और ग्रामीण स्तर पर रोजगार सृजन में इस क्षेत्र की अहम भूमिका है।

भव्य श्रीमद्भागवत कथा एवं सहस्त्रचण्डी यज्ञ 7 नवम्बर से

101 कलश यात्रा, अरणी मंथन से होगा यज्ञ व कथा का शुभारम्भ

पायनियर संवाददाता। बरेली

बाबा महाकाल सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में आगामी 7 नवम्बर से 15 नवम्बर तक दिव्य, आलौकिक नव कुण्डीय सहस्त्र चण्डी महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का आयोजन होने जा रहा है। मभागवत व्यास आचार्य रमाकान्त दीक्षित ने आयोजन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कार्यक्रम 7 नवम्बर सुबह 10.30 बजे कलश यात्रा से शुरू हो जायेंगे।

कार्यक्रम स्थल कृष्णा नगर कालौनी, निकट काशीनाथ लॉज, दुर्गा नगर में होगा।प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए शक्ति उपासक कथा व्यास आचार्य रमाकांत दीक्षित ने बताया कि 7 नवम्बर की सुबह 10.30 बजे से भव्य कलश यात्रा बैंड बाजे के साथ निकाली जायेगी तदोपरांत दोपहर 1 बजे वेदोच्चारण के साथ अरणी मंथन द्वारा दिव्य अग्नि प्रकट कर यज्ञ का शुभारम्भ किया जायेगा। आचार्य जी ने बताया कि सहस्त्रचण्ड़ी यज्ञ राजराजेश्वरी माता चण्डी के प्रसन्न करने के लिए किया जाता है शास्त्रों में इसको षट्कर्म को सिद्ध करने वाला, अकल्पनीय भोग्य पदार्थों, यश, वैभव, धन धान्य प्रदाता बताया गया है। यज्ञ रोजाना सुबह 8 बजे से 1 बजे तक चलेगा। श्रीमद् भागवत कथा का समय शाम 4 बजे से 7 बजे तक रहेगा। दिव्य यज्ञ में सवा क्विंटल हवन सामग्री व 3 क्विंटल आम की समिधा का प्रतिदिन प्रयोग किया जायेगा। 51 ब्राहाम्णों द्वारा यज्ञ का अनुष्ठान किया जायेगा।

यज्ञ में सम्मलित होने के लिए बनारस, अयोध्या, वृंदावन, हरिद्वार बुलंदशहर, नरौरा, मध्य प्रदेश आदि स्थानों से ब्राहाम्ण व संत महात्मा पधार रहें है, संगीतमय प्रस्तुति के लिए भी कलाकार आ रहें है। 15 नवम्बर को सुबह 10 बजे पूर्ण आहूति व कन्या भोज के उपरांत विशाल भण्डारे के साथ कार्यक्रम का विश्राम होगा।

नव कुण्डीय सहस्त्र चण्ड़ी महायज्ञ से पूर्ण होंगी भक्तों की समस्त कामनाएंः आचार्य रमाकांत दीक्षितआचार्य रमाकांत दीक्षित ने बताया कि यज्ञ शाला नव कुण्डीय हैं, नवकुण्ड इस प्रकार हैं। ईशान कुण्ड के माध्यम से आरोग्यप्राप्ति, पूर्व-चतुरस्त्र कुण्ड के माध्यम से कार्यसिद्धी, अग्नि-योनी कुण्ड़ से पुत्रप्राप्ति, दक्षिण अर्धचन्द्र से कल्याण, नैऋत्य त्रिकोण से शुत्रबाधा से मुक्ति, पश्चिम-वर्तुल से शांति प्राप्ति, उत्तर-पद्यकुंड वषार्कारक, वायव्य षडस्त्र से भयमुक्ति, रक्षा की प्राप्ति होती है। यह सभी नौ कुण्ड विद्वानों की देख रेख में यज्ञशाला में बनवाये गये हैं. साधकों के सभी मनोथर को पूर्ण करेंगे। प्रेसवार्ता के दौरान अजय राज शर्मा, दीपेश अग्रवाल, मीडिया प्रभारी एड्वोकेट हर्ष कुमार अग्रवाल, संजय शर्मा, गरिमा कमाण्डो, सभासद , अरूण शुक्ला, विजय कमाण्डो, प्रवीन अग्रवाल, अनुराग अवस्थी, मनोज मिश्रा, सचिन शर्मा आदि मौजूद रहे।

पशु मेले में पशुपालकों को वितरित की गईं दवाईयां

पायनियर संवाददाता। हजपुरा,अंबेडकरनगर

पंडित दीनदयाल उपाध्याय योजना के तहत सलाहुद्दीनपुर गांव में गुरुवार को एक दिवसीय पशु आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। जिसमें पशुओं में फैलने वाली गंभीर बीमारियों की रोकथाम के लिए जरूरी दवाएं वितरित की गई। पशु आरोग्य मेले में महिला एवं पुरुष पशुपालकों को पशुओं में लगने वाले रोग एवं उनके निदान के लिए राजकीय पशु चिकित्सालय की चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर अर्चना सिंह ने जरूरी जानकारी दी। गांव में पशुओं में लगने वाले खुर पका व मुंह पका रोग से कई जानवरों के ग्रस्त होने से ग्रामीण भयभीत हैं। यहां पिछले एक महीने के अंदर बीमारियों की चपेट में आने से करीब 50 से अधिक बकरियों की मौत हो चुकी है। बड़ी संख्या में जानवर खुर पका व मुंह पका रोग से पीड़ित है। चिकित्सा प्रभारी ने कहा की पशुओं में बीमारी के लक्षण दिखने पर वह तत्काल संपर्क करें।

मतदेय स्थलों के सम्भाजन हेतु डीएम ने की बैठक

पायनियर संवाददाता। अंबेडकरनगर

भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के अनुपालन में मतदेय स्थलों के सम्भाजन के संबंध में जिलाधिकारी,जिला निर्वाचन अधिकारी अनुपम शुक्ला की अध्यक्षता में एनआईसी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने 1200 से अधिक मतदाताओं वाले मतदेय स्थलों का सम्भाजन कराने के निर्देश दिए हैं। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट किया कि मतदेय स्थलों के निर्धारण में भौतिक सत्यापन, मतदाताओं की सुविधा, दिव्यांगजनों हेतु रैम्प की उपलब्धता, दूरी की उपयुक्तता, स्थायी भवन का चयन, पारदर्शिता और आयोग के सभी दिशा-निदेर्शों का पालन अनिवार्य रूप से किया जाएगा।

राजनीतिक दलों से अनुरोध किया गया कि वे अगले दो दिवस में अपने सुझाव एवं प्रस्ताव प्रस्तुत करें ताकि उन्हें प्रस्तावित सूची में समुचित रूप से सम्मिलित किया जा सके।

बैठक में भाजपा जिला उपाध्यक्ष विमलेंद्र प्रताप सिंह, कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष गुलाम रसूल, सपा जिला अध्यक्ष जंग बहादुर यादव, बसपा कार्यालय प्रभारी अजय गौतम, आम आदमी पार्टी के जिला महासचिव कौशलेंद्र प्रताप राय, अपना दल (एस) के जिलाध्यक्ष चौधरी भूपेन्द्र सिंह पटेल सहित अन्य राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अंत में जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मतदेय स्थलों के सम्भाजन से संबंधित समस्त कार्यवाहियां निर्धारित समय सीमा में एवं पूर्ण पारदर्शिता के साथ पूर्ण की जाएं।

इस अवसर पर जिलाधिकारी में एसआईआर के कर में भी तेजी लाने की निर्देश दिए साथ ही सभी राजनीतिक पार्टियों से एसआईआर के कार्य में प्रत्येक बूथ पर अपने-अपने पार्टियों से संबंधित बूथ लेवल एजेंट से सहयोग सुनिश्चित कराने की अपील की।

बरेली के त्रिवटीनाथ मंदिर में धूमधाम से मनाई गई देव दीपावली, जगमगाया परिसर

बरेली। बरेली के प्राचीनतम एवं भव्यतम बाबा त्रिवटीनाथ मंदिर में आज देव दीपावली पर्व बहुत धूमधाम से मनाया गया। मीडिया प्रभारी ने बताया कि तीनों लोको पर त्रिपुरासुर राक्षस के आतंक तथा अधर्म से सभी देवता तथा मानव आतंकित रहते थे। देवताओं की प्रार्थना पर भगवान शंकर ने कार्तिक पूर्णिमा के दिन त्रिपुरासुर राक्षस का वध करके , उसके अत्याचारों से सभी को मुक्त कराया था और इसी कारण भगवान शंकर का एक नाम त्रिपुरारी भी है। प्रसन्न होकर देवताओं ने दीप जलाकर दीपोत्सव मनाया गया और तभी से कार्तिक पूर्णिमा को देव दीपावली मनायी जाती है। मीडिया प्रभारी संजीव औतार अग्रवाल ने बताया कि मन्दिर में काफी संख्या में भक्तों ने हजारों की संख्या में दीप प्रज्ज्वलित करके पावन देव दीपावली पर्व मनाया गया।

पायनियर

लखनऊ, शुक्रवार, 7 नवंबर 2025

मतदेय स्थलों के संभाजन को लेकर बैठक, जिलाधिकारी ने की अध्यक्षता

पायनियर संवाददाता। उरई,जालौन

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदेय स्थलों के सम्भाजन के संबंध में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने बताया कि आयोग के निर्देशानुसार मतदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 1200 मतदाताओं के अनुपात में मतदेय स्थलों का सम्भाजन किया जाएगा। साथ ही जीर्ण-शीर्ण भवनों के स्थान पर अन्य उपयुक्त शासकीय भवनों में मतदेय स्थल स्थानांतरित किए जाएंगे। उन्होंने राजनीतिक दलों से कहा कि वे अपने-अपने बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति कर विधानसभावार सूची उपलब्ध कराएं। जिलाधिकारी ने कहा कि वर्तमान में जनपद में कुल 1477 मतदेय स्थल हैं। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित मतदेय स्थलों पर किसी प्रकार की आपत्ति या सुझाव संबंधित राजनीतिक दल लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं।

इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी उरई नेहा व्याडबाल, उप जिलाधिकारी मनोज कुमार सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

अखिल भारतीय हाकी टूर्नामेंट और मुशायरे को लेकर दी गई जानकारी

पायनियर संवाददाता। मौदहा, हमीरपुर

कस्बे में आगामी नौ नवम्बर से आयोजित मौलाना सलीम मेमोरियल अखिल भारतीय हाकी टूर्नामेंट और अखिल भारतीय मुशायरा के आयोजन को लेकर रहमानिया खेल ग्राउंड में शीर्ष न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता चौधरी जुन्नूरैन ने पूरी जानकारी दी। उन्होने कार्यक्रम के बारे में चर्चा की। कहा कि हर साल की भांति इस वर्ष में कार्यक्रम अच्छे ढंग से मनाया जायेगा, विशिष्ट अतिथि समाजसेवी मौलाना खान रहे। पत्रकार वार्ता मैं बुण्देलखण्ड के सबसे बडी इनामी राशि के हाकी टूर्नामेंट और मुशायरे को सफल बनाने के लिए विचार विमर्श किया।

टूर्नामेंट में विजेता टीम को डेढ़ लाख और उपविजेता को एक लाख नकद इनाम दिया जाएगा।

सीनियर सेकेंडरी सेंट मैरी स्कूल बांदा में किया गया रंगारंग वार्षिक उत्सव का आयोजन

पायनियर संवाददाता। बांदा

बांदा में अंग्रेजी मीडियम के सबसे प्रसिद्ध सीनियर सेकेंडरी सेंट मैरी स्कूल बांदा में आज वार्षिक उत्सव का आयोजन रंगारंग प्रोग्राम फादर डेबिड जेम्स के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम के चीफ गेस्ट चित्रकूट धाम मंडल के डीआईजी एस राजेश, प्रेसिडेंट बिशभ बिल पैड मार्स थे।

इन्होंने दीपक जलाकर वार्षिकोत्सव सेलिब्रेशन का शुभारंभ किया छोटे-छोटे बच्चे बड़े बच्चों ने एक से बढ़चढ़कर प्रदर्शन किया। लोगों ने तालियां बजाकर खूब। सराहा नाटक में आज की वस्तु स्थिति दिखाई गई।

हालांकि इसमें गेस्ट ऑफ ऑनर प्रकाश श्री प्रकाश द्विवेदी सदर विधायक श्रीमती मालती बसु नगर पालिका अध्यक्ष रहीं। चित्रकूट धाम मंडल के डीआईजी एस राजेश ने सभी छात्र-छात्राओं के अभिभावकों का वेलकम करते हुए बताया कि सेंट मैरी की पढ़ाई बहुत ही उत्तम क्वालिटी की है। मैं भी सेंट मैरी का पढ़ा हुआ हूं। इस स्कूल में पढ़ने से बच्चों की अंग्रेजी और सभी विषयों का अच्छा ज्ञान होता है। बच्चे बच्चियों को आईएएस आईपीएस इंजीनियरिंग विदेश आदि में जाने का मौका इस पढ़ाई के बाद मिलता है। वर्तमान पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल और जिला कलेक्टर जे रिभा भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 964 जोड़ों ने लिए सात फेरे

पायनियर संवाददाता। उरई,जालौन

जनपद के नवीन गल्ला मंडी, कालपी रोड उरई में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत भव्य समारोह में 964 जोड़ों का विवाह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। समारोह में जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देकर उनके सुखद व उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी, विधान परिषद सदस्य रमा निरंजन, सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, माधौगढ़ विधायक मूलचंद्र निरंजन, कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी, जल शक्ति मंत्री के प्रतिनिधि अरविंद चौहान, एमएलसी शिक्षक प्रतिनिधि मयंक त्रिपाठी, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने नवविवाहित जोड़ों को विवाह प्रमाणपत्र वितरित किए और उनके मंगलमय जीवन की शुभकामनाएँ दीं।

जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना समाज के अंतिम छोर तक पहुँच रही है। यह योजना न केवल गरीब परिवारों के लिए आर्थिक सहयोग का माध्यम है, बल्कि समाज में सामाजिक समरसता व सद्भाव का सशक्त उदाहरण भी है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी धर्मों व समुदायों के बीच एकता और भाईचारे का संदेश दिया जा रहा है।

विधान परिषद सदस्य रमा निरंजन, सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा और माधौगढ़ विधायक मूलचंद्र निरंजन नेकहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को सम्मानजनक तरीके से सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन समाज में समानता, सहयोग और सौहार्द को सुदृढ़ करते हैं।

कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी ने कहा कि इस योजना ने सामाजिक समानता की भावना को सशक्त किया है। इससे समाज में भेदभाव मिटाकर एकता का वातावरण बन रहा है।

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के विवाह में सहयोग देना है। उन्होंने बताया कि अब योजना की सहायता राशि 51,000 से बढ़ाकर 1,00,000 प्रति जोड़ा कर दी गई है।

अफसरों के फर्जी हस्ताक्षर कर जारी कर दिये एक दर्जन मासूमों के जन्म प्रमाण पत्र

पायनियर संवाददाता। हमीरपुर

❖ एसडीएम ने बीडीओ सुमेरपुर को दिये जांच के आदेश

सुमेरपुर ब्लाक के सुरौली बुजुर्ग गांव में करीब एक दर्जन मासूमों के जन्म प्रमाण पत्र अफसरो के फर्जी हस्ताक्षर करके जारी कर दिये गये है,जिन के हस्ताक्षर बनाये गये। उनमे कई लोगो ने अपने हस्ताक्षर होने से साफ इंकार कर दिया। हालांकि एसडीएम सदर ने इस मामले की जांच खंड विकास अधिकारी सुमेरपुर को सौप दी है।

जानकारी के मुताबिक जिले में ग्रामीण क्षेत्रों में जो घरेली प्रसव कई साल पहले हुई है उनके जन्म प्रमाण पत्र ग्रामीण क्षेत्र में सचिव व बीडीओ के हस्ताक्षर से बनाये जाते हैं। जिसमे पिछले दिनों सुरौलीबुजुर्ग गांव में चुनकी डेरा गांव में मोहनलाल के पुत्री अक्शी व दिव्यांशी, रामचंद्र के पुत्र मंगल एवं नवल, लल्लू के पुत्री आकांक्षा, फुलुवा की पुत्री काजल व जयकरन के पुत्र खुशीराम, नाथूराम के पुत्र कल्लू का जन्म प्रमाण पत्र जारी किया गया है। जिसमे ग्राम विकास अधिकारी व एडीओ पंचायत, एसडीएम सदर के अलावा सीएमओ के हस्ताक्षर व मुहर बनाये गये हैं जो पूरी तरह फर्जी हैं। यही नही इस मामले में एडीओ पंचायत व सचिव सुरेंद्र पटेल ने लिखित दिया है कि प्रमाण पत्र में उनके फर्जी हस्ताक्षर व मुहर लगाये गये हैं।

इस मामले की जानकारी महिला ग्राम प्रधान रामप्यारी निषाद ने जिलाधिकारी को दी तो हड़कंप मच गया। पंचायत सहायक ने इसके बाद इस्तीफा दे दिया है। बताया जाता है कि क्षेत्र में इस मामले मे एक गिरोह है जो फर्जी काम करता है इसका सरगना इसी गांव का रहने वाला है। लोगों का कहना है कि फर्जी प्रमाण पत्र सैकडो की तादाद में जारी किये गये है।

एसडीएम सदर केडी शर्मा ने बताया कि मामले की जांच बीडीओ सुमेरपुर को दी गयी है जैसे ही रिपोर्ट आती है वैसे ही संबंधित व्यक्ति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करायी जायेगी,एसडीएम ने माना कि मामला गंभीर है इसकी गहरायी से छानबीन करायी जायेगी।

टप्पेबाज ने 1.32 लाख पार किये

राठ, हमीरपुर। क्षेत्र के सैना गांव में फुटकर गल्ला व्यापारी की दुकान से टप्पेबाज ने 1.32 लाख रुपए से भरा बैग पार कर दिया। शिकायत पर पुलिस ने जांच पडताल शुरू कर दी है.कस्बे के फरसौलियाना सैना रोड निवासी इंद्रपाल गुप्ता पुत्र प्रभू दयाल ने पुलिस को बताया कि वह सैना गांव में फुटकर गल्ला की दुकान खोले हुए हैं। गुरुवार की सुबह करीब साढ़े आठ बजे वह दुकान पर बैठा था। तभी दो व्यक्ति बाइक से दुकान पर आए। बताया कि बाइक से उतर कर एक व्यक्ति ने गल्ले का दाम पूंछा। थोड़ी देर बाद उक्त व्यक्ति बगल में रखा 1.32 लाख रुपए से भरा झोला उठाकर बाइक से भाग निकला। बताया कि वह पैर से विकलांग होने पर उक्त व्यक्ति का पीछा नहीं सका। कोतवाल अमित सिंह ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है।

बांदा नगर के स्वराज कालोनी एवं आवास विकास ए ब्लाक को मिलेगा 24 घण्टे शुद्ध पेयजल

बांदा। सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी एवं नगर पालिका बांदा अध्यक्ष श्रीमती मालती गुप्ता बासू जी द्वारा अमृत 2.0 के अन्तर्गत 247 स्वराज कालोन (वार्ड नं0 14) पेयजल योजना का भूमि पूजन किया गया। इस योजना के अन्तर्गत शासन द्वारा 1585.07 लाख रुपए स्वीकृत किये गये है जिसके सापेक्ष शासन द्वारा 258.23 लाख की धनराशि अवमुक्त की गयी है। इस योजना के अन्तर्गत एक 2000 किली0 क्षमता का ओवर हेड टैंक, 18.5 किमी0 का पाइप लाइन विस्तार का कार्य, 200 मी0 राइजिंग मेन का कार्य, 400 किली0 क्षमता का एक सी0डब्लू0आर0 का निर्माण, एल0टी0 रूम एवं एस0टी0 रूम व स्टाफ क्वाटर का निर्माण किया जायेगा। अधिशाषी अभियन्ता, जल निगम द्वारा बताया गया कि इस परियोजना को पूर्ण करने की तिथि 10.06.2026 शासन द्वारा निर्धारित की गयी है।

कालपी-मदारीपुर राजमार्ग का होगा चौड़ीकरण

76 करोड़ की लागत से चौड़ीकरण परियोजना को मिली मंजूरी, पहली किस्त जारी

पायनियर संवाददाता। कालपी,जालौन

इलाकाई विधायक विनोद चतुर्वेदी के प्रयासों से 220 कालपी विधानसभा क्षेत्र में शासन के द्वारा 76 करोड़ रुपए की परियोजना को मंजूरी मिल गई है। तथा शासन के द्वारा कालपी मदारीपुर राज्य मार्ग में 22 किलोमीटर तक सड़क चौड़ीकरण कार्य की प्रशासकिय एवं वित्तीय स्वीकृति मिल जाने के उपरांत लोक निर्माण विभाग के द्वारा टेंडर जारी हो गए तथा जल्दी निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

क्षेत्रीय विधायक विनोद चतुर्वेदी ने उक्त आशय की जानकारी देते हुए अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश शासन के अनुसचिव अभय प्रताप श्रीवास्तव के द्वारा दिनांक 5-11-2025 लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता विकास एवं विभाग अध्यक्ष का प्रेषित पत्र पत्र में राजमार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण के नए कार्य एक मुश्त व्यवस्था योजना अंतर्गत राठ कालपी मदारीपुर राजमार्ग संख्या 130 के चौनेज 29 से 31 तक लंबाई 22 किलोमीटर तक चौड़ीकरण कार्य की 5 वर्षीय अनुरक्षण सहित व्यय वित्त समिति द्वारा अनुमोदित कर दिया गया है।

एवं 76 करोड़ 50 लख रुपए की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। तथा वित्तीय वर्ष 2025 - 26 में 15 करोड़ 30 लाख व्यय हेतु अवमुक्त कर दिया गया है।

क्षेत्रीय विधायक ने बताया कि टेंडर भी हो चुके हैं तथा सड़क चौड़ीकरण का कार्य विभाग के द्वारा शुरू हो जाएगा। उन्होंने बताया कि सड़क के चौड़ीकरण हो जाने से आवागमन सुगम हो जाएगा।

बाबई-महियाकमलपुर के नये मार्ग निर्माण की मिली मंजूरी

कालपी, जालौन। कृषि विपणन सुविधाओं हेतु राजस्व ग्रामों को पक्के संपर्क मार्ग को जोड़ने हेतु ग्रामीण और संपर्क मार्ग के नव निर्माण कार्य की योजना के तहत शासन के द्वारा कालपी विधानसभा क्षेत्र की एक डेढ़ किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण के लिए एक करोड़ 38 लाख रुपए का बजट मंजूर हुआ है। जल्द ही निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। उक्त संबंध में क्षेत्रीय विधायक विनोद चतुर्वेदी ने बताया की लोक निर्माण विभाग खंड 3द्वारा प्रस्तावित सड़क का निर्माण जल्द कराया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

हाईवे किनारे खड़ी महिला को ट्रैक्टर ने कुचला

सुमेरपुर, हमीरपुर। नवीन गल्ला मंडी के समीप बहन के साथ वाहन के इंतजार में खड़ी महिला को बिल्डिंग मैटेरियल का सामान लादकर जा रहा तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने अनियंत्रित होकर जोरदार टक्कर मार के कुचल दिया। इस घटना में महिला का दाहिना पैर बुरी तरह से कुचल गया महिला को 112 की टीम ने इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया हालत गंभीर होने पर महिला को सदर अस्पताल रेफर किया गया है। मथुरा जनपद के कोसीकला निवासी मोना अपनी बहन पायल के साथ हाईवे किनारे नवीन गल्ला मंडी के समीप वाहन के इंतजार में खड़ी थी। दोपहर को तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने महिला को टक्कर मारकर कुचल दिया। इस घटना में मोना का दाहिना पैर बुरी तरह से चकनाचूर हो गया है। घटना की सूचना पाकर पहुंची 112 की टीम ने घायल को इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया और घटना की सूचना परिजनों को दी।

कुंआ पूजन में हुई मारपीट, चार लोग घायल

राठ, हमीरपुर। कस्बे के सिकंदरपुरा मोहल्ले में कुआं पूजन के दौरान दो पक्षों में मारपीट हो गई। मारपीट के दौरान एक पक्ष से चार लोग घायल हो गए। पीड़ित पक्ष ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। मोहल्ला निवासी संतोष रानी पत्नी बिहारी लाल अहिरवार ने बताया कि बुधवार को उसके घर पर कुआं पूजन का कार्यक्रम था। तभी रात करीब नौ बजे मोहल्ले के चंदा व उसके दो पुत्र शराब के नशे में आकर गाली गलौज करने लगे। सभी ने कार्यक्रम में पथराव कर उसके पति पुत्र पुष्पेन्द्र अभिषेक व पुत्री राधा के साथ मारपीट घायल कर दिया। कोतवाल अमित सिंह ने बताया कि घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व प्राचार्य के खाते से 40 हजार निकाले

राठ, हमीरपुर। पूर्व प्राचार्य से एक युवक ने धोखाधड़ी करके खाते से 40 हजार रुपए ट्रांसफर करा लिए हैं। धोखाधड़ी होने पर पूर्व प्राचार्य ने कोतवाली में लिखित शिकायत की है। कस्बा निवासी बीएनवी इंटर कालेज के पूर्व प्राचार्य अशोक कुमार सक्सेना ने बताया कि बुधवार की रात उनके फोन पर पारिवारिक सदस्य बताकर एक काल आई। उसने बच्चे को बीमर होने की बात बताई। कहा कि आज बैंक बंद है। उसने कहा कि तुम्हारे खाते में 40 हजार रुपए भेज दिए हैं। बताया कि आवाज को पहचानते हुए उसने उसके खाते में 20 हजार रुपए दो बार करके भेज दिए हैं। जब उसने परिवार के लोगों से जानकारी की तो वह फर्जी व्यक्ति निकला। पीड़ित ने कोतवाली में पुलिस से गुहार लगाई है।

तांत्रिक से परेशान पीड़ित ने सीओ से लगायी गुहार

कोंच, जालौन। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम शहपुरा निवासी यशवंत सिंह पुत्र स्व हंसराज ने पुलिस क्षेत्राधिकारी परमेश्वर प्रसाद को एक प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि थाना एट के ग्राम अमीटा निवासी नारायण सिंह पुत्र मंशाराम एक क्रमिनल व तांत्रिक है जो तांत्रिक विद्या से कई लोगों के साथ अन्याय कर चुका है और मेरे पुत्र तकदीर सिंह के पुत्र यशबन्त को भी दिनांक 28 अक्टूबर 2025 को तांत्रिक विद्या से बीमार कर दिया और पुत्री के ऊपर भी व छोटे लड़के पर भी तंत्र विद्या की जिससे आंखों की रोशनी चली गयी और उक्त चेलेंज करता है कि तुम्हारे परिवार को नष्ट कर देंगे सी ओ से उक्त तांत्रिक के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की मांग की है।

विद्यालय में निकला अजगर, मचा हड़कंप

कोंच, जालौन। तहसील क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय कूंडा में उस समय हड़कम्प मच गया जब एम डी एम के कमरे में एक मोटा अजगर सामान निकालने के दौरान दिखा जिस पर तत्काल ही विद्यालय अध्यापक ने बन बिभाग को सूचना दी सूचना पाते ही बन बिभाग से बन रक्षक शिबाजी गुप्ता अपनी टीम के साथ पहुंच गए और उन्होंने कड़ीं मशक्कत के बाद अजगर का रेस्क्यू करते हुए उसे अपने कब्जे में लिया और ले जाकर सकुशल जंगल में छोड़ दिया।

वर्षा से तबाह किसानों की समस्याओं को लेकर प्रदर्शन सात नवंबर को

पायनियर संवाददाता। उरई

अखिल भारतीय किसान महासभा के बैनर से कल दिनांक 7 नवंबर 2025 को समय 11 बजे पुराना एनसीसी मैदान से उरई की सड़कों पर पूरे प्रदेश में मोथा तूफान की तबाही ने अकस्मात बरसात के कारण किसानों की बुवाईबखराई पूरी तरीके से जहां एक ओर खड़ी धान की फसलें पूरी तरीके से चौपट हो गई वहीं दूसरी तरफ मटर मशहूर बोई गई सारी फसल बिजगुड़ी के अलावा पूरी तरीके से बर्बाद हो गई।

वैसे भी पिछले कई वर्षों से जनपद जालौन के अलावा पूरे बुंदेलखंड में किसानों ने बड़े पैमाने पर आत्महत्या की थी इन्हीं तमाम संदर्भों को देखते हुए किसानों के समस्त कर्ज माफी बड़े हुए बिजली के बिल माफ करने एमएसपी की गारंटी और किसानों को मुआवजा देने मनरेगा मजदूरों को बेरोजगारी भत्ता निर्माण मजदूरों को लाभांश पंजीकरण सहित संदर्भों को लेकर उरई की सड़कों से किसान मजदूरों मार्च निकालकर जिला अधिकारी जनपद जालौन के माध्यम से ज्ञापन मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को भेजा जाएगा उपयुक्त सूचना अखिल भारतीय किसान महासभा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य प्रादेशिक सह सचिव कामरेड राजीव कुशवाहा एवं ऑल इंडिया सेंट्रल काउंसिल आफ ट्रेड यूनियंस एक्टूराष्ट्रीय पार्षद कामरेड राम सिंह चौधरी ने संयुक्त रूप से दी।

ओवरलोड ट्रक ने जांच टीम के वाहन पर टक्कर मार किया प्राणघाती हमला, दर्ज की गई रिपोर्ट

पायनियर संवाददाता। हमीरपुर

अवैध खनन व ओवरलोड वाहनों की जाच कर रहे जांच टीम पर ट्रक चालक ने टक्कर मार कर जान से मारने का प्रयास किया, टीम ने दौडा कर ट्रक व चालक को पकड़ कर पुलिस को सौप दिया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करा कर छानबीन शुरू कर दी है।

एसडीएम सदर के डी शर्मा ने बताया कि बुधवार को देर रात एआरटीओ,सीओ सदर व खान निरीक्षक के साथ अवैध वाहनों की जांच स्थानीय लक्ष्मीबाई तिराहे में कर रहे थे तभी महोवा की तरफ से आ रहे ओवरलोड ट्रक जिसकी नंबर प्लेट कपडे से ढकी थी ताकि कोई ट्रक को पकड न सके। टीम ने रोकने का प्रयास किया जिसके पास रायल्टी भी नही थी, मगर वाहन चालक ट्रक को तेज रफ्तार के साथ भागने का प्रयास किया, जांच टीम ने जैसे ही ट्रक का पीछा किया तभी चालक ने जांच टीम के वाहन पर टक्कर मार कर गाडी में बैठे सदस्यों को जान से मारने का प्रयास किया, आगे जाम लगने के कारण पुलिस ने आगे यमुना पुल पर ट्रक को चालक समेत पकड लिया ट्रक में 32 घन मीटर मौरंग लोड थी।

उसके पास रायल्टी नही थी जांच में पता चला कि ट्रक चालक दीपेंद्र निवासी ग्राम बिंदपुरी थाना कुरारा का रहने वाला है। एसडीएम सदर के वाहन चालक ने ट्रक व चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करायी है।

एसडीएम व तहसीलदार ने फार्मर रजिस्ट्री केंद्रों किया निरीक्षण, किसानों से किया संवाद

पायनियर संवाददाता। कालपी,जालौन

उपजिलाधिकारी ने तहसीलदार के साथ कालपी तहसील क्षेत्र की विभिन्न स्थानों में फार्मर रजिस्ट्री केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र पर उपस्थित जिम्मेदारो को निर्देश दिए कि फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में तेजी लाएं और किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या न हो, इसका ध्यान रखें। अधिकारियों ने फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए।

नायब तहसीलदार चंद्र मोहन शुक्ला ने भेड़ी, बड़ागांव, पथरेहटा आदि ग्रामों में पहुंचकर किसानों से वार्ता करते हुए उनकी समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने का प्रयास किया। उन्होंने केंद्र के संचालको को निर्देश दिए कि वे किसानों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर करें। इस दौरान उपजिलाधिकारी मनोज कुमार सिंह ने फार्मर रजिस्ट्री केंद्रो में कार्यप्रणाली की भी समीक्षा की और आवश्यक सुधार के निर्देश दिये। उपजिलाधिकारी ने बताया कि फार्मर रजिस्ट्री की प्रक्रिया को सुचारु बनाना और किसानों को अपनी फसलों की रजिस्ट्री कराने में आसानी प्रदान करना है।

तहसीलदार अभिनव कुमार तिवारी के मुताबिक शासन की मंशा है कि फार्मर रजिस्ट्रेशन वाले कृषकों को अब किसान सम्मान निधि का भुगतान हुआ करेगा।

नशे में धुत युवक को बच्चा चोर समझ ग्रामीणों ने पीटा

पायनियर संवाददाता। सुमेरपुर

थाना सुमेरपुर क्षेत्र के देवगांव गांव में बच्चा चोर की अफवाह फैलने से ग्रामीणों ने नशे में धुत एक युवक को पकड़कर बुरी तरह पीट डाला। घटना के बाद पुलिस को सौंप दिया गया। थानाध्यक्ष ने अपहरण की किसी घटना से इनकार करते हुए इसे महज गलतफहमी बताया है। देवगांव में शाम को नशे की हालत में एक युवक के सात वर्षीय बालिका को पकड़ने की अफवाह फैल गई। ग्रामीणों ने अपहरण का आरोप लगाते हुए उसे दबोच लिया और जमकर मारपीट की। सूचना पर पहुंची पीआरबी टीम ने युवक को हिरासत में ले लिया। बालिका के परिजनों से पूछताछ में बच्ची ने ऐसी किसी घटना से इनकार कर दियाए जिसके बाद परिजनों ने कोई तहरीर नहीं दी। थानाध्यक्ष अनूप सिंह के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के चंदौलीतीर गांव निवासी बलवीर पुत्र दयाशंकर केवट ट्रैक्टर पर भवन निर्माण सामग्री लादकर आ रहा था। मंडी गेट के पास उसने एक महिला को टक्कर मार दी जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। डर के मारे बालवीर ट्रैक्टर छोड़कर भाग निकला और देवगांव पहुंच गया जहां ग्रामीणों ने बच्चा चोर समझकर उसे पकड़ लिया। फिलहाल युवक पुलिस हिरासत में है और अभी तक कोई तहरीर नहीं दी गई है।

तहसीलदार ने बीएलओ के साथ बैठक कर विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम की दी जानकारी

पायनियर संवाददाता। कालपी,जालौन

भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निदेर्शों के मुताबिक तहसीलदार की अध्यक्षता में बीएलओ की मीटिंग संपन्न हुई, जिससे उत्तर प्रदेश में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण 2025 को लेकर कर्तव्यों को बताकर जिम्मेदारी सौंपी गई।

बीआरसी प्रभारी शशांक विश्वकर्मा की मौजूदगी में गुरुवार को तहसील सभागार में आयोजित बैठक में तहसीलदार अभिनव कुमार तिवारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा उत्तर प्रदेश में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम को जारी कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि बीएलओ के द्वारा घर-घर जाकर प्रगाढ़ प्रपत्र 4 नवंबर से 4 दिसंबर 2025 तक उपलब्ध कराकर संग्रह करेंगे। निर्वाचित नामावली का आलेख्य प्रकाशन 9 दिसंबर तक तथा 9 दिसबंर से 8 जनवरी 2026 तक की दावे एवं आपत्तियां की जाएंगी। निर्वाचित नामावली का अंतिम प्रकाशन 7 फरवरी 2026 को किया जाएगा। तहसीलदार ने कहा कि समस्त बीएलओ के मतदाता स्थल के मतदाताओं से संपर्क करते हुए प्रत्येक मतदाता को दो प्रतियां उपलब्ध करायी जाएगी। सभी बीएलओ घर-घर जाकर प्रपत्र वितरण एवं संग्रह का कार्य सक्रियता से करेंगे। अगर कोई घर बंद हो तो बाहर स्लिप चस्पा करेगा प्रपत्र में 9 बिंदु भरे जाएंगे।

योगी आदित्यनाथ 11 को आएंगे

तैयारियां जोरों पर, विधायक ने अफसरों से की मंत्रणा

पायनियर संवाददाता।फतेहपुर, बाराबंकी

आगामी 11 नवंबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 में जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में दुबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ शामिल बताओ और मुख्य अतीत शामिल होंगे। जिसको लेकर प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।

झांसा पुरवा गांव में सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल के निकट 11 नवंबर की सुबह 10 बजे प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय एकता यात्रा समारोह में शामिल होंगे। इस भव्य आयोजन की तैयारियों को लेकर प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। गुरुवार को विधायक साकेन्द्र प्रताप वर्मा ने जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी और अन्य अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने समारोह की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए तैयारियों की विस्तृत जानकारी ली। विधायक ने अधिकारियों को हेलीपैड निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए ताकि मुख्यमंत्री के आगमन से पहले सभी व्यवस्थाएं पूरी हो सकें। इसके साथ ही उन्होंने पार्किंग और रूट डायवर्जन से जुड़ी व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से लागू करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रहे, इसके लिए पुलिस प्रशासन को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के समय एसडीएम कार्तिकेय सिंह, सीओ जगत राम कनौजिया सहित नगर व तहसील प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे। आयोजन स्थल पर मंच, पंडाल, विद्युत और साफ-सफाई की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। वही भाजपा के कार्यकर्ता भी योगी आदित्यनाथ के आगमन को लेकर काफी उत्साहित हैं। संगठनात्मक बैठक कर कार्यक्रम को लेकर के विभिन्न पहले वह पहलुओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

महादेवा महोत्सव को भव्यता प्रदान करने में तहसील प्रशासन जुटा

रामनगर बाराबंकी। महादेवा महोत्सव को भव्यता प्रदान करने में तहसील प्रशासन जुटा है जिला अधिकारी शशांक त्रिपाठी के निर्देशन में मेला प्रशासन के द्वारा महोत्सव में चार चांद लगाने के लिए नामचीन कलाकारों से वार्ता की जा रही हैं। जिसमें भोजपुरी कलाकार प्रख्यात कवि बॉलीवुड कलाकारों से संपर्क किया जा रहा है बता दे कि उत्तर भारत के सुप्रसिद्ध तीर्थ स्थल लोधेश्वर महादेवा में 17 नवंबर से महादेवा महोत्सव का आगाज हो रहा है एक सप्ताह तक चलने वाले इस महोत्सव को कैसे भव्य स्वरूप प्रदान किया जाए इस पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट गुंजिता अग्रवाल तहसीलदार विपुल कुमार नायब तहसीलदार विजय प्रकाश तिवारी के द्वारा पूरी तन्मयता से काम किया जा रहा है। महोत्सव में चार दिनों तक होने वाली क्रीडा प्रतियोगिता में वॉलीबॉल दंगल कबड्डी आदि कार्यक्रम कराए जाएंगे ।

इंटरसिटी में पहिये के पास धुंआ उठने से यात्रियों में हड़कंप

पायनियर संवाददाता। रामनगर बाराबंकी

गोंडा से लखनऊ जा रही इंटरसिटी एक्सप्रेस में बुढ़वल रेलवे स्टेशन के निकट अचानक पहिया के पास धुंआ उठने से यात्रियों में हड़कंप मच गया। बृहस्पतिवार को इंटरसिटी एक्सप्रेस गोंडा से लखनऊ की ओर जा रही थी जब वह बुढ़वल जक्सन के पास स्थित रामनगर फ़तेहपुर मार्ग पर बने ओवर ब्रिज के निकट पहुंची उसी समय अचानक पहिया के पास के पास धुंआ उठने लगा। इसकी सूचना चालक को दी गयी तब जाकर ट्रेन रोककर। इसकी सूचना होने पर मौके पर पहुंचे रेलवे कर्मियों ने पहिया में चिपके ब्रेकसो को ठीक किया और एक्सप्रेस अपने गंतव्य को रवाना हुई। इस दौरान यात्रियों की भारी भीड़ नीचे उतरकर रेलवे लाइन के किनारे एकत्रित हो गई थी इस दौरान लगभग आधा घंटा से अधिक ट्रेन रुकी रही। जीआरपी चौकी इंचार्ज जयंत दुबे ने बताया एक्सप्रेस की पहिया के पास धुआं उठने की वजह से चैन पुलिंग कर ट्रेन रोकी गयी है मौके पर रेलवे कर्मचारीयों ने पहुंचकर खराबी को सही किया है।

प्रशिक्षित हो रहे स्ट्रीट फूड वेंडर्स

श्रावस्ती। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) उत्तर प्रदेश, नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ इंडिया (एनएएसवीआई) और नेस्ले इंडिया ने संयुक्त रूप से उत्तर प्रदेश में ₹ सर्व सेफ़ फूड ₹ प्रोजेक्ट का विस्तार किया है। इस भौगोलिक विस्तार के तहत अपने सहयोग को आगे बढ़ाते हुए लखनऊ, वाराणसी, कानपुर, गोरखपुर, आगरा और पीलीभीत सहित छह ज़िलों में 4,200 से अधिक स्ट्रीट फूड वेंडर्स को प्रशिक्षण देने का कार्य किया है। इस पहल के साथ राज्य में कुल प्रशिक्षित वेंडर्स की संख्या 14 हजार से अधिक हो गई है। सर्व सेफ़ फूड प्रोजेक्ट अब तक 26 राज्यों और 4 केंद्र शासित प्रदेशों में 92,800 से अधिक स्ट्रीट फूड वेंडर्स को लाभान्वित कर चुकी है। एक उद्घाटन समारोह के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी एवं कार्यवाहक डी.ओ. श्री स्वतंत्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा उत्तर प्रदेश भारत के पर्यटन का केंद्र है।

उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित

पायनियर संवाददाता। सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी

❖ फार्मर रजिस्ट्री का कार्य निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप पूरा करें

फार्मर रजिस्ट्रीकरण में तेजी लाने के उद्देश्य से उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। तहसीलदार बालेन्दु भूषण वर्मा के संयोजन में हुई इस बैठक में खंड विकास अधिकारी, ग्राम प्रधान और उचित दर विक्रेता शामिल हुए।

उपजिलाधिकारी प्रीति सिंह ने सभी उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों और प्रधानों को निर्देश दिए कि फार्मर रजिस्ट्री का कार्य निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप पूरा किया जाए। उन्होंने इस कार्य में तेजी लाने पर जोर दिया। बैठक में बताया गया कि आठ नवंबर से उचित दर विक्रेताओं द्वारा खाद्यान्न वितरण किया जाएगा। इस दौरान ग्राम प्रधान, लेखपाल, राजस्व निरीक्षक और उचित दर विक्रेता मिलकर उन किसानों की केवाईसी और फार्मर रजिस्ट्री का कार्य पूर्ण कराएंगे, जिनकी प्रक्रिया अभी लंबित है। तहसीलदार बालेन्दु भूषण वर्मा और खंड विकास अधिकारी संजीव गुप्ता ने भी सभी से इस कार्य को युद्धस्तर पर शीघ्रता से पूरा करने का आह्वान किया। बैठक में नायब तहसीलदार दिनेश पांडेय, राजस्व निरीक्षक अवधेश कुमार, प्रेमचंद, भूपेंद्र द्विवेदी, शुभेंद्र अवस्थी, प्रदीप कुमार वर्मा, के साथ ही ग्राम प्रधान सुनील कुमार रावत, चंद्रभान रावत, मोहम्मद अकरम अंसारी, निसार मेंहदी, जमशेद अली, जयराम मौर्या, रामसागर यादव, रियाज मसूद ,सुनील कुमार बाजपेयी सहित उचित दर विक्रेता आदि उपस्थित रहे।

मेहंदी भी न छूटी थी, तलाक दे उड़ गया विदेश, बेबस बेटी की दास्तान

छह महीने का रिश्ता, उम्रभर का दर्द दहेज के लिए कुचली गई जिंदगी

पायनियर संवाददाता। बाराबंकी

❖ पति , सास , देवर और ममिया ससुर के खिलाफ दहेज उत्पीड़न और मारपीट का मुकदमा दर्ज

जिस रिश्ते को खुशियों की नींव पर बसाया गया था, वह महज छह महीने में ही मलबे में बदल गया। मासूम उम्मीदों के साथ ससुराल पहुंची बेटी को दहेज के लालच और अत्याचार ने ऐसी चोट दी कि उसका पूरा जीवन बिखर गया। निकाह के चंद माह बाद ही पति ने उसे पीटकर घर से निकाल दिया और फिर समाज के सामने तीन तलाक देकर उसकी इज्जत तार-तार कर दी।

अब वही पति सऊदी अरब भाग गया है। ग्राम पंचायत बड़ागांव निवासी मोहम्मद रफीक ने 29 अप्रैल को अपनी लाड़ली की शादी गांव के ही स्व. अब्दुल कासिम के बेटे अली हसन से मुस्लिम रीति-रिवाज से की थी। पिता ने अपनी हैसियत से बढ़कर दहेज और उपहार दिए, लेकिन ससुराल वालों के लालच की कोई हद नहीं थी। कुछ ही दिनों में पति अली हसन, सास सालेहा बानो, देवर मोहम्मद हसन और ममिया ससुर रईस अंसारी ने युवती का जीना मुहाल कर दिया।जिसके हाथों की मेहंदी भी न छूटी थी, उसी को मारपीट कर आधी रात घर से निकाल दिया गया। रोती-बिलखती जब वह मायके पहुंची तो पिता ने समाज के सामने इंसाफ की गुहार लगाई। पर वहां भी बेटी की बेइज्जती हुई – पति ने सबके सामने तीन तलाक बोलकर न केवल शादी तोड़ी बल्कि इंसानियत को भी शर्मसार कर दिया।पीड़िता ने 13 अक्टूबर को मसौली थाने में तहरीर दी। पुलिस ने दोनों पक्षों को बुलाया, जहां सुलह की बात करते हुए ममिया ससुर रईस अंसारी ने 15 दिन का समय मांगा। मगर उसी बीच उसने साजिशन अली हसन को 29 अक्टूबर को चोरी-छिपे सऊदी अरब भेज दिया।

आखिरकार, मसौली पुलिस ने पति अली हसन, सास सालेहा बानो, देवर मोहम्मद हसन और ममिया ससुर रईस अंसारी के खिलाफ दहेज उत्पीड़न और मारपीट का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस घटना ने एक बार फिर सवाल खड़े किए हैं – आखिर कब तक बेटियों को लालच और जुल्म की आग में झोंका जाएगा? और कब तक गैरकानूनी 'तीन तलाक़' जैसी प्रथा समाज के जख्मों पर नमक छिड़कती रहेगी?

वॉलीबाल फाइनल मैच में मुख्य अतिथि होंगे एडीजीपी

कानपुर देहात। कानपुर जोन की 27 वीं अन्तर जनपदीय जोनल पुलिस वॉलीबाल कलस्टर (महिलाध पुरुष) (वॉलीबाल एव सेपक टकरा) प्रतियोगिता वर्ष-2025 का आयोजन जनपद कानपुर देहात में दिनांक 05.11.2025 से दिनांक 07.11.2025 तक पुलिस लाइन ग्राउण्ड, कानपुर देहात मे कराया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में जनपद कानपुर नगर, जनपद कानपुर देहात, जनपद इटावा, जनपद कन्नौज, जनपद औरेया, जनपद फतेहगढ़, जनपद झाँसी, जनपद जालौन एवं जनपद ललितपुर की टीमों द्वारा प्रतिभाग किया गया । गुरूवार कोः 09.00 बजे से प्रतियोगिता आरम्भ हुई, प्रतियोगिता के दौरान पुरुष वर्ग वॉलीबाल प्रतियोगिता का प्रथम सेमीफाइनल मैच जनपद कानपुर नगर व जनपद जालौन के मध्य हुआ, जिसमें जनपद कानपुर नगर विजयी होकर फाइनल में प्रवेश किया गया । पुरुष वर्ग वॉलीबाल प्रतियोगिता का द्वितीय सेमीफाइनल मैच जनपद कानपुर देहात व जनपद कन्नौज के मध्य हुआ।

संक्षिप्त खबरें

ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत

त्रिवेदीगंज बाराबंकी। ट्रेन की चपेट में आकर एक युवक की मौत हो गई। हादसा लखनऊ सुल्तानपुर रेलखंड पर थाना लोनी कटरा क्षेत्र में लदाई का पुरवा गांव के पास गुरुवार भोर को हुआ। थाना क्षेत्र के ही लदाई का पुरवा निवासी कमलेश गौतम (37) बुधवार शाम गांव में आयोजित कार्तिक पूर्णिमा का मेला देखने के लिए निकला। कमलेश अविवाहित था।गुरुवार सुबह गांव के किनारे से निकली लाइन की अप लाइन की पटरियों के किनारे उसकी लाश मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। थाना अध्यक्ष अभय कुमार मौर्य का कहना है कि ट्रेन की चपेट में आने से मौत हुई है।

बैटरी रिक्शा से चोरों ने की चार बैटरी चोरी

भोगनीपुर कानपुर देहात। भोगनीपुर थाना क्षेत्र के हलधरपुर गांव निवासी दोनों पैरों से विकलांग के बैटरी रिक्शा से चोरों ने चार बैटरी चोरी कर लिए पीड़ित ने थाने में सूचना दी है।हलदारपुर गांव निवासी शिवकुमार ने बताया कि वह दोनों पैरों से विकलांग है किसी तरह धन की व्यवस्था कर किस्तों में एक बैटरी रिक्शा लिया था और परिवार का पालन पोषण करता था ।शाम को बैटरी रिक्शा चलाकर घर के बाहर खड़ा कर दिया जहां पर उसका भतीजा लेटा हुआ था चोरों ने मौका पाकर बैट्री रिक्शा को पीछे ले जाकर चारों बैट्री खोल कर चोरी करके भाग गए। सुबह जब भतीजा जागा तो पता चला विकलांग पीड़ित शिवकुमार ने भोगनीपुर थाने में सूचना दी है।

युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कानपुर देहात।थाना क्षेत्र गजनेर के जसौरा गॉव में युवती ने फॉसी लगाकर आत्महत्या कर ली, सूचना पर पहुॅची पुलिस ने शव को सील कर पोस्टमार्टम हेतु भेजा है। प्रभारी निरीक्षक जर्नादन प्रताप सिंह ने बताया कि थाना गजनेर अंतर्गत ग्राम जसौरा में प्रिया उर्फ राशिका उम्र लगभग 17 वर्ष पुत्री श्री मदन कुमार कमल निवासी ग्राम जसौरा थाना गजनेर ने अपने ही घर में दुपट्टे से फंदा बनाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। फांसी लगाने की वजह का पता नहीं चल सका है। जांच जारी है और साक्ष्य संकलन किया जा रहा है। शव का पंचनामा भरवा कर पोस्टमार्टम हेतु मोर्चरी भिजवाया जा रहा है।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

पुखरॉया, कानपुर देहात। लखनऊ से चेन्नई जा रही सुपरफास्ट एक्सप्रेस की चपेट में युवक के आने पर उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। सूचना पर पहुॅची आरपीयफ पुलिस ने टीम ने परिजनों को मामले की सूचना देकर कार्यवाही शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भोगनीपुर थाना क्षेत्र के अमिलिया गॉव का आपेन्द्र उम्र 28 वर्ष गुरूवार की शाम को पुखरॉया स्टेशन से पटरियॉ पार कर रहा था, पुखरॉया स्टेशन के र्स्टाटर से गेट नम्ब्र 205 के बीच वह लखनऊ चेन्नई एक्सप्रेस की चपेट में आ गया जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गयी। सूचना पर पहुॅचे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, आरपीयफ प्रभारी ने बताया कि शव को सील कर पोस्टमार्टम के लिये भेजा जा रहा है।

कार की टक्कर से युवक की मौत, दो घायल

रसूलाबाद कानपुर देहात। जनपद कन्नौज के उमर्दा ब्लाक क्षेत्र के अंतर्गत निकारीपुर निवासी गुंजन यादव 30 पुत्र जंगीलाल अपने मित्र सत्येंद्र पुत्र रघुवीर के साथ कानपुर में रिश्तेदारी में एक इंगेजमेंट समारोह से वापस बाइक से अपने घर लौट रहा था। अभी वह रसूलाबाद पार करके मलिखानपुर गांव के समीप भट्टे के निकट ही पहुंचा था कि विपरीत दिशा से अज्ञात कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। वही पीछे से आ रहे दो अन्य बाइक सवार पिंटू वर्मा 30 पुत्र छक्कीलाल निवासी लालगांव व उसका साला पुरुषोत्तम पुत्र मेवा लाल निवासी मित्रसेनपुर कहिंजरी को भी अज्ञात कार ने टक्कर मार दी। जहां घटना से गुंजन यादव की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सीएचसी में डॉक्टर सौरभ शाक्य ने गुंजन यादव को मृत घोषित किया तो वहीं तीन अन्य घायलों का प्राथमिक उपचार करने के बाद हैलट को चिंताजनक देखते हुए डॉक्टरों ने हैलट कानपुर रेफर कर दिया। जहां अभी भी तीनों की हालत चिंताजनक बनी हुई है जबकि मृतक के शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस ने बताया कि मामले में तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मतदेय स्थलों के संभाजन को लेकर राजनीतिक दलों के साथ बैठक सम्पन्न

कानपुर देहात। जनपद में मतदेय स्थलों के संभाजन के उद्देश्य से गुरूवार को माँ मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष में जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी कपिल सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में 1200 से अधिक मतदेय स्थलों के संभाजन के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान मतदेय स्थलों के संभाजन संबंधी गतिविधियों की निर्धारित तिथियों की जानकारी दी गई, जिसके अनुसार मतदेय स्थलों का भौतिक सत्यापन, पुनर्निधारण एवं नये मतदेय स्थल स्थापित करने हेतु भवनों का चिन्हांकन 29 अक्टूबर से 4 नवम्बर 2025 तक किया जाएगा। मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर मतदेय स्थलों के प्रस्ताव तैयार कराना 6 से 7 नवम्बर तक किया जाएगा। आपत्तियों एवं सुझावों हेतु मतदेय स्थलों की आलेख्य सूची का प्रकाशन 10 नवम्बर को किया जाएगा तथा यह सूची उसी दिन राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को भी उपलब्ध कराई जाएगी। संसद सदस्यों, विधानसभा सदस्यों तथा मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ बैठकों के आयोजन के पश्चात शिकायतों एवं सुझावों के निस्तारण के बाद सूची को 18 नवम्बर तक अंतिम रूप दिया जाएगा। तत्पश्चात जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा मतदेय स्थलों के प्रस्ताव मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय को अनुमोदन हेतु 19 से 21 नवम्बर के मध्य भेजे जाएंगे तथा मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा सम्भाजन संबंधी प्रस्ताव आयोग को 24 नवम्बर को अनुमोदनार्थ प्रेषित किया जाएगा। बैठक में बताया गया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदेय स्थलों का संभाजन अधिकतम 1200 मतदाताओं के आधार पर किया जाना है। 27 अक्टूबर 2025 की स्थिति के अनुसार जनपद में 1200 से अधिक मतदाताओं वाले मतदेय स्थलों की जानकारी दी गई।

दिनदहाड़े व्यापारी की रुपयों से भरी गोलक ले उड़े चोर

रूरा, कानपुर देहात। रूरा थाना क्षेत्र के गुटैहा रूरा शिवली में रोड पर एक गल्ले के आढ़त से रूपये से भरी गोलक व जरूरी कागजात दिनदहाडे चोर चोरी कर ले गए है। जानकारी के मुताबिक गुटैया रूरा शिवली मार्ग पर यश यादव पुत्र सतेंद्र सिंह की घर के बाहर ही गल्ले की आढ़त है। जिसमें आस पास के किसान थोक व फुटकर में अपना अनाज बेचते है। गुरूवार को करीब दोपहर तीन बजे दुकान पर रखे तख्त पर रूपये से भरी गोलक रखी थी जिसमें लगभग 55 हजार रूपये व जरूरी कागजात रखे हुए थे। एक बाइक पर आए तीन अज्ञात युवकों ने रूपये से भरी गोलक ले उड़े घटना के वक्त यश यादव घर में खाना खा रहे थे। जैसे ही बाहर आए तो उन्होंने गोलक को अपनी जगह पर नहीं पाया। पीड़ित ने तुरंत दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरे में देखा तो एक युवक जो नीली टीशर्ट पहने हुए है वा उसके दो अन्य साथी बाइक पर बैठे हुए है ने रुपयों से भरी गोलक पार कर दी।

डीएम ने विकास कार्यों की समीक्षा की

❖ खराब रैंकिंग वाले विभागाध्यक्षों को लगायी फटकार

पायनियर संवाददाता। श्रावस्ती

भिनगा - जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समस्त विभागीय अधिकारियों के साथ सीएम डैशबोर्ड पर विकास कार्यों की प्रगति समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की गहन समीक्षा की।

समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने खराब रैंकिंग वाले विभागाध्यक्षों को कड़ी फटकार लगायी तथा कार्य में तेजी लाकर शत-प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति करने हेतु सख्त निर्देश दिया है। वहीं बैठक से बिना बताये नदारद पाये जाने पर अधिशासी अभियंता जल निगम को कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी की समीक्षा के दौरान ज्ञात हुआ कि माह-सितम्बर में जनपद श्रावस्ती की विकास एवं राजस्व कार्यों की संयुक्त रैंक 3 है। माह-सितम्बर में जनपद श्रावस्ती को कुल 76 कार्यक्रमों में से 58 कार्यक्रमों में ए श्रेणी, 3 कार्यकमों में बी श्रेणी, 2 कार्यकमो में सी श्रेणी, 3 कार्यकमो में डी श्रेणी एवं 10 कार्यक्रमों में ठअ प्राप्त हुआ है। अतिरिक्त उर्जा, उद्यान, उर्जा, कृषि, ग्रामीण अभियंत्रण, चिकित्सा एवं स्वास्थ, दुग्ध विकास, दिब्यांगजन सशक्तिकरण, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति, पंचायती राज, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, पशुधन, पिछडा वर्ग कल्याण, मत्स्य, महिला एवं बाल विकास, माध्यमिक शिक्षा,, श्रम एवं सेवायोजन, सुक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, समाज कल्याण, सहकारिता, सिचाई एवं जल संसाधन विभागो के कार्यक्रमो में 'ए' ग्रेड प्राप्त हुआ है। इसके अलावा ग्राम्य विकास, नियोजन, पर्यटन, प्राथमिक शिक्षा, लोक निर्माण विभाग, एवं लोक शिकायत (निर्माण कार्य) विभागों के कार्यक्रमों में श्रेणी यथा- बी, सी व डी श्रेणी प्राप्त हुये हैं। माह सितम्बर, 2025 में प्रदर्शित योजनाओं में से प्रदेश में मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण, मत्स्य उत्पादन, एवं ओ.डी.ओ.पी.वित्त पोषण योजना में जनपद श्रावस्ती प्रथम 5 जनपदों में है।

मिशन शक्ति के तहत अनंता मेगा इवेंट का हुआ आयोजन

पायनियर संवाददाता। श्रावस्ती

मिशन शक्ति विशेष अभियान फेज 5.0 के अंतर्गत जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार मेगा इवेंट अनंता कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया जिसमें जिला प्रोबेशन अधिकारी मो0 मुमताज द्वारा उपस्थित महिलाओं व बालिकाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि महिलाओं के सम्मान के लिए सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार की योजनाएं संचालित की जा रही है जिसका लाभ महिलाएं स्वयं ले सकती हैं इसके लिए महिलाओं को जागरूक होना आवश्यक है। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से महिलाएं व बालिकाएं उपस्थित रहीं जिन्होंने संघर्ष कर अपने सपनों को पूरा किया तथा लोगों को प्रेरित किया। जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा प्रेरित महिलाओं व बालिकाओं को सम्मान पत्र देकर उन्हें सम्मानित किया तथा आगे बढ़ने की प्रेरणा दी कार्यक्रम के दौरान बाल विवाह की शपथ भी दिलाई गई।

फसल अवशेष जलाने पर लगेगा जुर्माना

पायनियर संवाददाता। कानपुर देहात

उप कृषि निदेशक हरीशंकर भार्गव ने बताया कि फसल अवशेष जलाने पर लगेगा जुर्माना फसल अवशेष ध पराली जलाने से जहाँ एक ओर पर्यावरणीय क्षति, मृदा स्वास्थ्य एवं मित्र कीटों पर कुप्रभाव पडता है वही दूसरी ओर फसलों एवं ग्रागों में अग्निकाण्ड होने की भी सम्भावना होती है। फसल अवशेष जलाने से गिट्टी के तापमान में वृद्धि होने से मृदा की भौतिक, रासायनिक एवं जैविक दशा पर विपरीत प्रभाव पड़ता है. मिट्टी में उपस्थित सूक्ष्म जीव नष्ट होते है जिससे जीवांश के अच्छी प्रकार से राडने में भी कठिनाई होती है।

पौधे जीवाश से ही पोषक तत्व लेते है तथा इससे फसलों के उत्पादन में मा० सर्वोच्च न्यायालय द्वारा फसल अवशेष जलाये जाने पर पूर्णतः रोक लगाते हुए इस दण्डनीय अपराध की श्रेणी में रखा है तथा यदि किसी व्यक्ति द्वारा फसल अवशेष ध पराली जलाने की घटना घटित की जाती है तो मा० राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण अधिनियम की धारा-24 एवं 26 के अन्तर्गत उसके विरूद्ध पर्यावरण क्षतिपूर्ति हेतु 02 एकड़ से कम क्षेत्र के लिए रु0 5000ध-प्रति घटना, 02 से 05 एकड़ के लिए रु0 10000ध-प्रति घटना और 05 एकड़ से अधिक क्षेत्र के लिए रु० 30000ध- प्रति घटना की दर से अर्थदण्ड वसूले जाने का प्राविधान है। अतः जनपद के समस्त कृषक भाइयों से अनुरोध है कि वह फसल कटाई उपरान्त फराल अवशेष ध पराली न जलाये। पराली प्रबन्धन हेतु कृषक भाई निम्न उपाये अपना सकते हैः- 1. फसल कटाई उपरान्त गल्वर, एम०बी०प्लायू, हैप्पी सीडर, सूपर सीडर, आदि इन सीटू कृषि यंत्रों के माध्यम से जुताई कर दें, जिससे फसल अवशेष छोटे-छोटे टुकडों के कट कर गिट्टी में मिल जायेगा, तदोपरान्त यूरिया ध वेस्ट डिकम्पोजर का छिडकाव कर खेत में पानी लगा दे।

मेनरोड की नापजोख से व्यापारियों में मचा हड़कंप

पायनियर संवाददाता। पुखरायां, कानपुर देहात

लोक निर्माण विभाग की ओर से गुरूवार को सड़क चौड़ीकरण के लिए पुखरायां कस्बे के मेनरोड की नामजोख की गई। लोक निर्माण विभाग और नगर पालिका परिषद के कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से निर्धारित दूरी पर चिन्हांकन किया। जिसको लेकर पुखरायां कस्बे के दुकानदारों में हड़कंप मचा रहा।

नगर पालिका परिषद के एक कर्मचारी ने बताया कि पुखरायां कस्बे की मेनरोड अत्याधिक व्यस्त है। बस अड्डा, नगर पालिका मार्ग, मंडी मोड, सिनेमा टाकीज गली, त्रिवेदी मार्केट, स्टेशन तिराहा नेतराम गली और बरसाती पुलिया के सामने लोगों को अक्सर जाम का सामना करना पड़ता है। जिसको लेकर कुछ नागरिकों ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत की थी और लोक निर्माण से सड़क का चिन्हांकन करने की गुजारिश की गई थी। पोर्टल पर शिकायत के बाद मुख्यमंत्री कार्यालय से मेनरोड का चिन्हांकन करने के निर्देश जारी हुए हैं। चिन्हांकन करने पर करीब एक सैकड़ा दुकानें और मकान नापजोख के जद में आ रहे हैं। नापजोख होते ही दुकानदारों और मकान मालिकों में हड़कंप मच गया। टीम के सदस्यों ने सिखमापुर मोड़ से लेकर पटेल चौक तक घरों की गैलरी, दुकानों में घुसकर चिन्हांकन किया है। वहीं बीच-बीच में अंदर की ओर जाने वाली गलियों में निर्धारित दूरी पर निशान लगाए हैं। लोक निर्माण विभाग के अवर अभियंता आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि नाप के जद में आने वाले घर, दुकानमालिकों को नोटिस जारी किये जाएंगे। यदि समय रहते अतिक्रमण नहीं हटा तो विभाग कार्यवाही करने को वाध्य होगा। सिखमापुर मोड़ से पटेल चौक तक पुखरायां की मेनरोड का चौड़ीकरण किया जाएगा। अतिक्रमण के चलते आएदिन लोगों को जाम की समस्या से जूझना पड़ता है। उन्होंने बताया कि मेनरोड के किनारे नगर पालिका परिषद की ओर से नालियों का निर्माण कराया गया है। दोनों तरफ नालियों से 25 फुट की दूरी पर चिन्हांकन किया जा रहा है। लोक निर्माण विभाग शीघ्र ही कार्यवाही शुरूगा।

इस बावत व्यापार मंडल के अनुभव अग्रवाल का कहना है कि जब अतिक्रमण हो रहा था तब लोक निर्माण विभाग ने कोई कार्यवाही नहीं की। इस कार्यवाही से पुखरायां का पूरा व्यापार चौपट हो जाएगा। एकतरफा कार्यवाही करना उचित नहीं है। व्यापार मंडल के साथ बैठकर बीच का रास्ता अपनाना चाहिए।

पायनियर
लखनऊ, शुक्रवार, 7 नवंबर 2025

आस्ट्रेलिया पर जीत, भारत 2-1 से आगे

एजेंसी। कैरारा (गोल्ड कोस्ट)

अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर की उम्दा गेंदबाजी से भारत ने बृहस्पतिवार को यहां चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में ऑस्ट्रेलिया को 48 रन से हराकर पांच मैच की श्रृंखला में 2-1 की बढ़त बनाई। भारत के 168 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की टीम वाशिंगटन सुंदर (तीन रन पर तीन विकेट), अक्षर पटेल (20 रन पर दो विकेट) और शिवम दुबे (20 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 18.2 ओवर में 119 रन पर सिमट गई।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से कप्तान मिचेल मार्श (30) ही 30 रन के आंकड़े को छू पाए। नाथन एलिस (21 रन पर तीन विकेट) और एडम जंपा (45 रन पर तीन विकेट) ने इससे पहले अंतिम ओवरों में भारत को लगातार झटके दिए जिससे एक समय दो विकेट पर 121 रन बनाकर अच्छी स्थिति में दिख रही मेहमान टीम आठ विकेट पर 167 रन ही बना सकी। भारत की तरफ से सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल 39 गेंद में चार चौकों और एक छक्के से 46 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। अभिषेक शर्मा (28), शिवम दुबे (22) और कप्तान सूर्यकुमार यादव (20) अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में नाकाम रहे। अक्षर ने अंत में 11 गेंद में नाबाद 21 रन बनाकर भारत का स्कोर 160 रन के पार पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरे ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को भारतीय गेंदबाजों ने लगातार दबाव में रखा। मैथ्यू शॉर्ट (25) ने अर्शदीप सिंह (22 रन पर एक विकेट) पर चौके के साथ खाता खोला और फिर इस तेज गेंदबाज के अगले ओवर में भी छक्का और चौका मारा। मार्श ने भी जसप्रीत बुमराह (27 रन पर एक विकेट) और अर्शदीप पर चौके मारे। अक्षर ने शॉर्ट को पगबाधा करके इस साझेदारी को तोड़ा। मैदानी अंपायर ने उन्हें आउट नहीं दिया था लेकिन डीआरएस लेने पर उन्हें अपना फैसला बदलना पड़ा क्योंकि गेंद विकेटों से टकरा रही थी। जोश इंग्लिस (12) ने आते ही बुमराह पर दो चौके मारे जिससे ऑस्ट्रेलिया ने पावर प्ले में एक विकेट पर 48 रन बनाए। मार्श 21 रन के स्कोर पर भाग्यशाली रहे जब वरुण चक्रवर्ती (26 रन पर एक विकेट) की गेंद पर लांग ऑफ पर अभिषेक ने उनका मुश्किल कैच टपका दिया। अक्षर ने इंग्लिस को बोल्ड किया जबकि मार्श भी दुबे की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में अर्शदीप को कैच दे बैठे जिससे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर तीन विकेट पर 70 रन हो गया। पिछले मैच में अर्धशतक जड़ने वाले टिम डेविड (14) ने दुबे पर लंबा छक्का जड़ा लेकिन अगली गेंद को हवा में लहराकर मिड ऑफ पर सूर्यकुमार के हाथों लपके गए। अर्शदीप ने जोश फिलिप (10) को शॉर्ट मिडविकेट पर चक्रवर्ती के हाथों कैच कराके ऑस्ट्रेलिया को पांचवां झटका दिया।

ग्लेन मैक्सवेल (02) ने एक रन के साथ 15वें ओवर में ऑस्ट्रेलिया के रनों का शतक पूरा किया लेकिन अंतिम गेंद पर बोल्ड हो गए। ऑस्ट्रेलिया को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 65 रन की दरकार थी। सूर्यकुमार ने 17वें ओवर में श्रृंखला में पहली बार गेंद वाशिंगटन को थमाई और उन्होंने लगातार गेंदों पर मार्कस स्टोइनिस (17) और जेवियर बार्टलेट (00) को आउट करने के बाद अपने अगले ओवर में जंपा (00) को गिल के हाथों कैच कराके भारत की जीत सुनिश्चित की।

इससे पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद मैच की दूसरी ही गेंद पर अभिषेक भाग्यशाली रहे जब बेन ड्वारशुइस की गेंद को कवर्स के ऊपर से खेलने की कोशिश में हवा में लहरा बैठे लेकिन जेवियर बार्टलेट उनका कैच लपकने में नाकाम रहे। अभिषेक ने बार्टलेट (26 रन पर एक विकेट) पर पारी का पहला चौका मारा जबकि गिल ने ड्वारशुइस की गेंद को बाउंड्री के दर्शन कराने के बाद एलिस पर दो चौके जड़े। अभिषेक ने मार्कस स्टोइनिस पर दो चौकों के साथ पावर प्ले में भारत का स्कोर बिना विकेट खोए 49 रन तक पहुंचाया। अभिषेक ने जंपा का स्वागत छक्के के साथ किया लेकिन इस लेग स्पिनर पर एक और बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में लॉन्ग ऑन पर टिम डेविड को आसान कैच दे बैठे। उन्होंने 21 गेंद का सामना करते हुए तीन चौके और एक छक्का मारा। शिवम दुबे और गिल ने इसके बाद पारी को आगे बढ़ाया। दुबे ने ड्वारशुइस पर चौका जड़ने के बाद जंपा की गेंद को दर्शकों के बीच पहुंचाया। दुबे (22) हालांकि एलिस की धीमी गेंद पर चकमा खाकर बोल्ड हो गए। सूर्यकुमार ने जंपा पर लगातार दो छक्कों के साथ 13वें ओवर में भारत के रनों का शतक पूरा किया। गिल ने भी स्टोइनिस की गेंद पर छक्का जड़ा लेकिन एलिस की गेंद पर बोल्ड हो गए।

गिल ने 39 गेंद का सामना करते हुए चार चौके और एक छक्का मारा। सूर्यकुमार (20) भी बार्टलेट की गेंद को हवा में लहराकर डेविड के हाथों लपके गए जिससे भारत का स्कोर चार विकेट पर 125 रन हो गया। जंपा ने तिलक वर्मा (05) को विकेटकीपर जोश इंग्लिस के हाथों कैच कराके भारत को पांचवां झटका दिया और फिर जितेश शर्मा (03) को पगबाधा किया। अक्षर ने अंतिम ओवर में स्टोइनिस की लगातार गेंदों पर चौके और छक्के के साथ भारत का स्कोर 160 रन के पार पहुंचाया।

स्कोर बोर्ड

भारतः अभिषेक शर्मा का डेविड बो जंपा 28, शुभमन गिल बो एलिस 46, शिवम दुबे बो एलिस 22, सूर्यकुमार यादव का डेविड बो बार्टलेट 20, तिलक वर्मा का इंग्लिस बो जंपा 05, जितेश शर्मा पगबाधा बो जंपा 03, वाशिंगटन सुंदर का कुनहेमन बो एलिस 12, अक्षर पटेल नाबाद 21, अर्शदीप सिंह का फिलिप बो स्टोइनिस 00, वरुण चक्रवर्ती नाबाद 01

अतिरिक्तः 09 **कुलः** 20 ओवर में आठ विकेट पर 167 रन

विकेट पतनः 1-56, 2-88, 3-121, 4-125, 5-131, 6-136, 7-152

गेंदबाजीः ड्वारशुइस 4-0-31-0, बार्टलेट 4-0-26-1, एलिस 4-0-21-3, स्टोइनिस 4-0-41-1, जंपा 4-0-45-3

ऑस्ट्रेलियाः मिचेल मार्श का अर्शदीप बो दुबे 30, मैथ्यू शॉर्ट पगबाधा बो अक्षर 25, जोश इंग्लिस बो अक्षर 12, टिम डेविड का सूर्यकुमार बो दुबे 14, जोश फिलिप का चक्रवर्ती बो अर्शदीप 10, मार्कस स्टोइनिस पगबाधा बो वाशिंगटन 17, ग्लेन मैक्सवेल बो चक्रवर्ती 02, बेन ड्वारशुइस बो बुमराह 05, जेवियर बार्टलेट का एवं बो वाशिंगटन 00, नाथन एलिस नाबाद 02, एडम जंपा का गिल बो वाशिंगटन 00,

अतिरिक्तः 02 **कुलः** 18.2 ओवर में सभी विकेट खोकरः 119 रन

विकेट पतनः 1-37, 2-67, 3-70, 4-91, 5-98, 6-103, 7-116, 8-116, 9-118

गेंदबाजीः अर्शदीप 3-0-22-1, बुमराह 4-0-27-1, चक्रवर्ती 4-0-26-1, अक्षर 4-0-20-2, दुबे 2-0-20-2, वाशिंगटन 1.2-0-3-3

मंधाना आईसीसी की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए नामांकित

एजेंसी। दुबई

भारत की शीर्ष क्रम की करिश्माई बल्लेबाज स्मृति मंधाना को वनडे विश्व कप के दौरान दिखाए गए प्रदर्शन के लिए आईसीसी के अक्टूबर के महीने की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी के पुरस्कार लिए नामांकित किया गया। भारत ने रविवार को नवी मुंबई में आईसीसी वनडे विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर महिला क्रिकेट में अपना पहला वैश्विक खिताब जीतकर इतिहास रचा। भारतीय उप-कप्तान मंधाना दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ट और ऑस्ट्रेलिया की आक्रामक बल्लेबाज एशले गार्डनर के साथ इस सम्मान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। मंधाना ने शीर्ष क्रम में भारतीय बल्लेबाजी का नेतृत्व किया और विश्व कप के दौरान सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल के साथ कई बेहतरीन साझेदारियां निभाईं। मंधाना (29 वर्ष) की शुरुआत हालांकि धीमी रही लेकिन उन्होंने सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 80 रन की और फिर इंग्लैंड के खिलाफ 88 रन की आक्रामक पारी खेली।भारतीय टीम को हालांकि दोनों मैच में हार मिली लेकिन वह लय में दिखीं। वहीं न्यूजीलैंड के खिलाफ 'करो या मरो' के मुकाबले में मंधाना ने चुनौती का डटकर सामना किया जिसमें उन्होंने 109 रन की शानदार पारी खेलने के साथ प्रतिका के साथ 212 रन की मैच विजयी साझेदारी भी की। मंधाना ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में 45 रन बनाकर टीम को अच्छी शुरुआत कराई और शेफाली वर्मा के साथ शतकीय साझेदारी निभाई। दक्षिण अफ्रीकी कप्तान वोल्वार्ट ने टूर्नामेंट पहले मैच में इंग्लैंड से मिली 10 विकेट की शर्मनाक हार से उबारकर टीम को खिताबी मुकाबले तक पहुंचाया। वोल्वार्ट ने लीग चरण में भारत के खिलाफ 70 रन की पारी खेलकर निर्णायक भूमिका निभाई। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका की इस दिग्गज ने श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ अर्धशतक जड़े जिससे टीम नॉक-आउट दौर में पहुंची। सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ वोल्वार्ट ने 169 रन की पारी खेलकर क्रिकेट विश्व कप की सबसे बेहतरीन पारी खेली। वोल्वार्ट ने फाइनल में भी 101 रन की शतकीय पारी खेली लेकिन भारत के हरफनमौला प्रदर्शन ने दक्षिण अफ्रीका की पहली बार विश्व खिताब जीतने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

संक्षिप्त समाचार

जर्मनी के महान फुटबॉलर लोथार मथाउस 16 को कोलकाता आएंगे

कोलकाता। फीफा विश्व कप विजेता जर्मनी के कप्तान लोथार मथाउस बंगाल सुपर लीग (बीएसएल) के दूत के तौर पर 16 नवंबर को कोलकाता आएंगे और राज्य में फुटबॉल को बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। मथाउस का यह दौरा दिसंबर में लीग के पहले सत्र से पहले हो रहा है और उम्मीद है कि इससे लीग की पहचान बढ़ेगी और बंगाल के युवा फुटबॉलरों को प्रेरणा मिलेगी। जर्मनी का यह महान फुटबॉलर अपने प्रवास के दौरान खिलाड़ियों, कोचों और मुख्य हितधारकों के साथ बातचीत करेगा। वह आखिरी बार जनवरी 2010 में फीफा विश्व कप ट्रॉफी टूर के अंतर्गत कोलकाता आए थे और तब उन्होंने शहर में ट्रॉफी का अनावरण किया था।

एफआईएच पुरुष जूनियर विश्व कप ट्रॉफी दौरा शुक्रवार से

नई दिल्ली। प्रतिष्ठित पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप ट्रॉफी शुक्रवार से शुरू होने वाले देशव्यापी दौरे के दौरान भारत के 20 शहरों का दौरा करेगी। यह दौरा शुक्रवार को हॉकी इंडिया शताब्दी समारोह के दौरान खेल मंत्री मनसुख मांडविया, तमिलनाडु के उप मुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन, एफआईएच अध्यक्ष दातो तैयब इकराम, हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की, महासचिव भोला नाथ सिंह और कोषाध्यक्ष सेकर जे मनोहरन की उपस्थिति में आधिकारिक तौर पर शुरू होगा। इन 20 शहरों में चंडीगढ़, अमृतसर, लखनऊ, जम्मू, पुणे और हैदराबाद भी शामिल हैं। यह टूर्नामेंट 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में आयोजित किया जाएगा। ट्रॉफी तमिलनाडु लौटने से पहले 20 शहरों से होकर गुजरेगी जिससे देश भर के प्रशंसकों को इसे करीब से देखने का मौका मिलेगा। टिर्की ने बयान में कहा, "ट्रॉफी दौरे के पीछे का मकसद एचआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप के उत्साह को भारत के हर कोने तक पहुंचाना है।

मालोलन रंगराजन आरसीबी महिला टीम के मुख्य कोच नियुक्त

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने गुरुवार को तमिलनाडु के पूर्व स्पिनर मालोलन रंगराजन को अगले साल होने वाले महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के चौथे सत्र से पहले अपनी महिला टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया। रंगराजन ल्यूक विलियम्स की जगह लेंगे, जिन्हें 2024 में मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। बिग बैश लीग में एडिलेड स्ट्राइकर्स के साथ अपनी प्रतिबद्धताओं के कारण ऑस्ट्रेलिया का यह पूर्व खिलाड़ी डब्ल्यूपीएल में अपनी सेवाएं नहीं दे पाएगा। आरसीबी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट किया, "पिछले छह वर्षों से विभिन्न भूमिकाओं में आरसीबी के सहयोगी स्टाफ के प्रमुख सदस्य रहे मालोलन रंगराजन को अब आगामी डब्ल्यूपीएल के लिए मुख्य कोच नियुक्त किया गया है।" रंगराजन शुरुआत से ही आरसीबी के डब्ल्यूपीएल के सहयोगी स्टाफ के सदस्य रहे हैं। आरसीबी ने जब 2024 में खिताब जीता था तब वह टीम के सहायक कोच थे।

टी20 विश्व कप 2026 फाइनल की मेजबानी करेगा अहमदाबाद

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के आयोजन स्थलों की सूची में अहमदाबाद, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई और मुंबई को जगह दी है। फाइनल अहमदाबाद में खेला जाएगा। एकदिवसीय विश्व कप 2023 का भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच फाइनल भी अहमदाबाद में खेला गया था जो एक लाख से अधिक दर्शकों की क्षमता के साथ दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम है। विश्व कप 2023 भारत में 10 स्थलों पर खेला गया था। पता चला है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) फरवरी-मार्च में होने वाली इस प्रतियोगिता का पूर्ण कार्यक्रम अगले हफ्ते घोषित करेगा। टूर्नामेंट के सात फरवरी को शुरू होने की संभावना है जबकि फाइनल आठ मार्च को हो सकता है। टी20 विश्व कप का श्रीलंका सह मेजबान होगा जो भारत के साथ इंतजाम के तहत पाकिस्तान के लिए तटस्थ स्थल होगा। श्रीलंका में कैंडी और कोलंबो सहित तीन स्थलों पर मुकाबलों का आयोजन होगा।

भारत स्वदेश में होने वाले विश्व कप में गत चैंपियन के रूप में उतरेगा। टीम ने पिछले साल जून में बारबडोस में पिछले टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। पाकिस्तान अगर फाइनल में पहुंचता है तो खिताबी मुकाबला श्रीलंका में होगा। आईसीसी, बीसीसीआई और पीसीबी के बीच समझौते के तहत 2027 तक भारत और पाकिस्तान के सभी मैच तटस्थ स्थल पर होंगे।

भुल्लर सिंगापुर ओपन में 10वें स्थान पर

सिंगापुर। भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर बृहस्पतिवार को यहां पहले दौर में पांच अंडर 67 के स्कोर से मोतेई सिंगापुर ओपन में संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर हैं। पहले दौर का खेल अभी पूरा नहीं हुआ है। भुल्लर ने सात बर्डी की लेकिन दो बोगी भी कर गए। अन्य भारतीयों में अजितेश संधू (70) संयुक्त 57वें, विराज मादप्पा (71) संयुक्त 79वें, शिव कपूर (72) संयुक्त 98वें स्थान पर और एस चिकारंगप्पा (75) संयुक्त 121वें स्थान पर हैं। कोरिया के जेयुंगहुन वैंग ने आठ अंडर 64 के स्कोर से बढ़त बना रखी है।

ध्रुव जुरेल के शतक से भारत ए के 255 रन

एजेंसी। बेंगलुरू

ध्रुव जुरेल के शानदार शतक की मदद से भारत ए ने शीर्षक्रम की नाकामी से उबरते हुए दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ चार दिवसीय मैच के पहले दिन बृहस्पतिवार को 255 रन बनाये। पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर भारत ए ने सात विकेट 126 रन पर गंवा दिये थे लेकिन जुरेल (नाबाद 132) और कुलदीप यादव (20) ने आठवें विकेट के लिये 79 रन की साझेदारी की । जुरेल ने 175 गेंदों में 12 चौकों और चार छक्कों की मदद से 126 रन की पारी खेली जबकि कुलदीप ने अपनी पारी में 87 गेंदों का सामना किया। जुरेल ने आफ स्पिनर प्रेनेलान सुब्रायेन को लांग आन पर शानदार छक्का जड़ा । इसके बाद इसी गेंदबाज को स्लॉग स्वीप पर छक्का लगाया। उन्होंने वान वूरेन की गेंद पर एक रन लेकर प्रथम श्रेणी क्रिकेट में चौथा शतक पूरा किया । पिछली सात पारियों में यह उनका तीसरा शतक है । उन्होंने आस्ट्रेलिया ए के खिलाफ लखनऊ में और वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद में शतक बनाया था ।

इससे पहले साइ सुदर्शन (17), केएल राहुल (19) और कप्तान ऋषभ पंत (24) सस्ते में आउट हो गए ।

चैपमैन की चमकदार पारी से न्यूजीलैंड की रोमांचक जीत

ऑकलैंड। मार्क चैपमैन ने 28 गेंदों पर 78 रन की चमकदार पारी खेली जिससे न्यूजीलैंड ने गुरुवार को यहां दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में वेस्टइंडीज को तीन रन से हराकर श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली। चैपमैन ने अपनी पारी में छह चौके और सात छक्के लगाए। उन्होंने केवल 19 गेंद पर अपना अर्धशतक पूरा किया। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण न्यूजीलैंड ने नौवें से 16वें ओवर तक 100 रन जोड़े और पांच विकेट पर 207 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। चैपमैन के अलावा न्यूजीलैंड की तरफ से डेरिल मिशेल ने 14 गेंदों में नाबाद 28 और मिशेल सैंटनर ने आठ गेंदों में नाबाद 18 रन बनाए। टिम रॉबिन्सन ने शीर्ष क्रम में 39 रन का योगदान दिया। इसके जवाब में वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और 13 ओवर के बाद उसका स्कोर छह विकेट पर 94 रन था। लेकिन रोवमैन पॉवेल (16 गेंदों में 45 रन), रोमारियो शेफर्ड (16 गेंदों में 34 रन) और मैथ्यू फोर्ड (13 गेंदों में नाबाद 29 रन) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर वेस्टइंडीज ने अच्छी वापसी की लेकिन आखिर में उसकी टीम आठ विकेट पर 205 रन ही बना सकी।

ब्रेविस की जगह हरमन दक्षिण अफ्रीकी टीम में

कराची। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के बाकी बचे मुकाबलों के लिए बृहस्पतिवार को चोटिल डेवाल्ड ब्रेविस की जगह विकेटकीपर बल्लेबाज रुबिन हरमन को टीम में शामिल किया। लाहौर में तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय के दौरान क्षेत्ररक्षण करते हुए कंधे में चोट लगा बैठे ब्रेविस दक्षिण अफ्रीकी टीम के साथ ही रहेंगे और 14 नवंबर से शुरू होने वाले भारत के दो टेस्ट मैच के दौरे की तैयारी करेंगे। हरमन दक्षिण अफ्रीका की 'ए' टीम का हिस्सा थे जो अभी भारत 'ए' के खिलाफ दो मैच की अनौपचारिक टेस्ट श्रृंखला खेल रही है। उन्होंने पहले मैच में अर्धशतक बनाया था जिसे मेजबान टीम ने तीन विकेट से जीता था। दक्षिण अफ्रीका के लिए 28 साल के हरमन ने छह टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और अभी तक उन्होंने एकदिवसीय प्रारूप में पदार्पण नहीं किया है। पाकिस्तान दौरे पर आई दक्षिण अफ्रीकी टीम में पहले से ही कप्तान एडेन मार्करम, कागिसो रबाडा, तेंबा बावुमा, केशव महाराज, डेविड मिलर, गेराल्ड कोएट्जी, रेयान रिकेल्टन और ट्रिस्टन स्टब्स जैसे कई मुख्य खिलाड़ी नहीं हैं। पाकिस्तान तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला में 1-0 से आगे है। उसने पहला मैच दो विकेट से जीता था। दूसरा और तीसरा एकदिवसीय क्रमशः छह और आठ नवंबर को फैसलाबाद में खेला जाएगा।

हालात के अनुकूल ढलना जीत की कुंजीः सूर्यकुमार

एजेंसी। कैरारा

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने आस्ट्रेलिया पर चौथे टी20 मैच में 48 रन से मिली जीत के लिये बल्ले और गेंद से अपने खिलाड़ियों के चतुराई भरे खेल को श्रेय दिया। भारत ने 167 रन बनाने के बावजूद जीत दर्ज करके पांच मैचों की श्रृंखला में 2 . 1 से बढत बना ली है ।

सूर्यकुमार ने जीत के बाद कहा ," मुझे लगता है कि बल्लेबाजों को इसका श्रेय जाना चाहिये । शुभमन और अभिषेक ने जिस तरह से शुरूआत की , उन्हें पता था कि यह 200 या 220 रन वाला विकेट नहीं है ।उन्होंने चतुराई से खेला ।बल्लेबाजों की तरफ से यह पूरा टीम प्रयास था ।'' उन्होंने आगे कहा ," मैं और गौती भाई (कोच गौतम गंभीर) इस बारे में स्पष्ट हैं कि गेंदबाजों को आक्रामक प्रदर्शन करना होगा । मैदान पर ओस अधिक नहीं थी लेकिन गेंदबाजों ने खुद को जल्दी ढाल लिया ।'' हरफनमौला शिवम दुबे ने दो और वॉशिंगटन सुंदर ने तीन विकेट लिये। सूर्यकुमार ने कहा ," दो तीन ओवर डालने वाले गेंदबाज टीम में होना हमेशा अच्छा रहता है । यह संयोजन हमे रास आता है ।'' आस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने कहा ," 167 का स्कोर बुरा नहीं था ।

अनिसिमोवा ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स के अंतिम चार में जगह बनाई

रियाद। अमांडा अनिसिमोवा ने पहला सेट टाइब्रेकर में गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज इगा स्वियातेक को 6-7 (3), 6-4, 6-2 से हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के अंतिम चार में प्रवेश किया। अमेरिका की इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने विंबलडन के फाइनल में पोलैंड की खिलाड़ी से 6-0, 6-0 से हारने के बाद स्वियातेक पर लगातार दूसरी जीत हासिल की। विश्व में चौथे नंबर की खिलाड़ी अनिसिमोवा ने अमेरिकी ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी स्वियातेक को हराया था। अनिसिमोवा को मुकाबले में केवल चार ब्रेक पॉइंट का सामना करना पड़ा और उन्होंने हर एक को बचा लिया।

इंटर मिलान का विजय अभियान जारी, बार्सिलोना ने ड्रॉ खेला

एजेंसी। मिलान

इंटर मिलान ने कजाकिस्तान के क्लब कैराट को 2-1 से हराकर चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में अपना विजय अभियान जारी रखा लेकिन बार्सिलोना को क्लब ब्रुग ने ड्रॉ पर रोक दिया जबकि एर्लिंग हालैंड ने गोल करने का क्रम जारी रखा जिससे मैनचेस्टर सिटी ने बोरूसिया डॉर्टमुंड पर 4-1 से जीत हासिल की।

पिछले वर्ष की उपविजेता इंटर के लिए लुटारो मार्टिनेज और कार्लोस ऑगस्टो ने प्रत्येक हाफ में एक गोल किया, जिससे वह इस प्रतियोगिता में बायर्न म्यूनिख और आर्सेनल के साथ चार मैचों में चार जीत हासिल करने वाली तीसरी टीम बन गई है। बार्सिलोना ने क्लब ब्रुग के खिलाफ 3-3 से ड्रॉ रहे मैच में तीन बार पिछड़ने के बाद वापसी की। बेल्जियम में खेले गए इस मैच में बार्सिलोना को वापसी दिलाने में लामिन यामल का अहम योगदान रहा। उन्होंने 61वें मिनट में गोल किया और 77वें मिनट में उनके ही शॉट पर क्लब ब्रुग के मिडफील्डर क्रिस्टोस त्ज़ोलिस ने आत्मघाती गोल कर दिया जिससे स्कोर 3-3 हो गया। मैनचेस्टर में खेले गए एक अन्य मैच में फिल फोडेन ने मैनचेस्टर सिटी के लिए दो गोल दागे, जबकि हालैंड ने इस सत्र में अपने क्लब और अपने देश नार्वे के लिए कुल मिलाकर 17 मैचों में 27वां गोल किया। नॉर्वे के इस स्ट्राइकर ने अपने पिछले नौ मैचों में 14 गोल किए हैं। वह इस सत्र में सिर्फ़ दो बार ही गोल करने में नाकाम रहे हैं। इस बीच बेनफिका को घरेलू मैदान पर बायर लीवरकुसेन से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा, जो लीग चरण में उसकी लगातार चौथी हार है। अजाक्स को भी घरेलू मैदान पर नौवें स्थान पर काबिज गैलाटसराय से 3-0 से हार का सामना करना पड़ा। विक्टर ओसिमेन ने अपनी हैट्रिक में दो पेनल्टी को गोल में बदलकर प्रतियोगिता में सर्वाधिक छह गोल कर लिए हैं। इस तरह से उन्होंने हालैंड, हैरी केन और काइलियन एम्बाप्पे को पीछे छोड़ दिया, जिनके नाम पांच-पांच गोल हैं।

राष्ट्रपति को भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने अपने हस्ताक्षर वाली जर्सी भेंट की

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को यहां राष्ट्रपति भवन में आईसीसी महिला वनडे विश्व कप जीतने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम से मुलाकात की जिसमें कप्तान हरमनप्रीत कौर ने उन्हें सभी खिलाड़ियों के हस्ताक्षर वाली टीम जर्सी भेंट की। भारत ने रविवार को नवी मुंबई में 50 ओवर के विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर महिला क्रिकेट में अपना पहला वैश्विक खिताब जीतकर इतिहास रचा। राष्ट्रपति मुर्मू ने टीम को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई दी और कहा कि खिलाड़ियों ने सिर्फ इतिहास ही नहीं रचा है बल्कि वे युवा पीढ़ी के लिए आदर्श भी बन गई हैं।

राष्ट्रपति के कार्यालय से जारी एक बयान में उनके हवाले से कहा गया, "युवा पीढ़ी विशेषकर लड़कियां इस उपलब्धि से जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होंगी।''

मुर्मू ने भविष्य में भी इस टीम के भारतीय क्रिकेट को शीर्ष पर रखने का भरोसा जताया और खिलाड़ियों के क्रिकेट सफर में आई मुश्किलों पर कहा, "कभी-कभी तो खिलाड़ियों को नींद भी नहीं आई होगी। लेकिन उन्होंने सभी चुनौतियों का सामना किया। ''उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड पर जीत के बाद लोगों को पूरा भरोसा था कि मैच में उतार-चढ़ाव के बावजूद "हमारी बेटियां ही जीतेंगी।''मुर्मू ने कहा कि इन खिलाड़ियों की सफलता में उनकी कड़ी मेहनत, कौशल, पक्के इरादे और उनके परिवारों के अलावा क्रिकेट प्रेमियों के प्यार और आशीर्वाद का हाथ रहा।

जटिल सर्जरी कर युवती के जीवन को दिया नया मोड़

नई दिल्ली। धर्मशिला नारायणा अस्पताल के गाइनेकोलॉजी ऑन्कोलॉजी विभाग की प्रमुख डॉ. रश्मि रेखा बोरा के नेतृत्व में एक विशेषज्ञ टीम ने 19 वर्षीय युवती रिया (नाम बदला हुआ नाम) के जीवन को नया आयाम दिया है। दरअसल कुछ दिन पहले रिया को जब अस्पताल लाया गया तो कुछ जरूरी जांच करने पर उसके पेट में फुटबॉल के आकार जितना ट्यूमर पाया गया। डॉक्टर रश्मि के नेतृत्व वाली टीम ने रिया का ऑपरेशन कर ट्यूमर निकालने का फैसला किया और उसे सफलतापूर्वक हटा भी दिया गया।

यह थी चुनौती: रिया के पेट में मौजूद ट्यूमर का आकर 30 x 26 सेंटीमीटर का था जो पेट के अधिकांश हिस्से में फैल चुका था। इसकी वजह से रिया कि जान तो खतरे में थी ही साथ ही उससे उसकी प्रजनन क्षमता भी प्रभावित होने कि सम्भावना बन रही थी।

सर्जरी की जटिलता: सर्जरी सम्बन्धी चुनौतियों के मद्देनजर टीम ने ट्यूमर को हटाने के लिए एक जटिल प्रक्रिया अपनाई। उन्होंने ट्यूमर हटाते समय रिया की प्रजनन क्षमता को बनाए रखने के लिए विशेष ध्यान दिया। सर्जरी के दौरान, टीम ने ट्यूमर के साथ-साथ उसके आसपास के ऊतकों को भी सावधानी से हटाया।

रिया की रिकवरी: सर्जरी के बाद रिया की रिकवरी बहुत तेजी से हुई। वह 24 घंटे के भीतर बैठने और खाना खाने में सक्षम हो गई। रिया की सकारात्मकता और सर्जरी टीम की विशेषज्ञता ने उसे जल्द ही ठीक होने में मदद की।

सफल सर्जरी सकारात्मक रवैया: रिया कि सफल सर्जरी करने वाली विशेषज्ञ डॉक्टर रश्मि रेखा बोरा ने कहा, 'यह केस हमारे लिए एक बड़ी चुनौती थी। हमने उसकी प्रजनन क्षमता को बनाए रखने के लिए विशेष ध्यान दिया और हमें खुशी है कि हम उसे एक नया जीवन देने में सफल रहे।'

डॉक्टर बोरा ने आगे कहा, 'रिया ने इसी साल नीट कि परीक्षा पास की डॉक्टर बनने का सपना देखने वाली रिया को पता नहीं चला कि वह खुद एक गंभीर समस्या कि चपेट में है लेकिन सुखद है कि समय पर उसकी सर्जरी हो गई निश्चय ही एक दिन वह डॉक्टर बनके लोगों का इलाज करेगी साथ ही मातृत्व सुख भी उठा सकेगी।

"रिया की कहानी दिखाती है कि चिकित्सा विज्ञान की प्रगति और विशेषज्ञता के साथ, हम जीवन को नया मोड़ दे सकते हैं। धर्मशिला नरायण अस्पताल की टीम ने रिया के जीवन को बचाने और उसकी प्रजनन क्षमता को बनाए रखने के लिए एक अद्भुत काम किया है।"

सर्दियों में खास करके रखें दिल का ख्याल

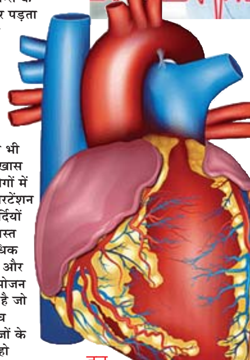

तेजी से करवट लेता मौसम कई लोगों के लिए राहत तो कई लोगों के लिए स्वास्थ्य की समस्याएं लेकर आता है। सर्दियों के मौसम का पूरा मजा लेने के लिए सही ध्यान रखना जरूरी है। यह माना हुआ तथ्य है कि दिल के दौरे, कार्डियक अरेस्ट और दिमाग के दौरे से काफी सारी मौतें सर्दियों में ही होती हैं। सर्दियों में दिन छोटा हो जाने से शरीर के हार्मोन्स के संतुलन पर असर पड़ता है और विटामिन डी की कमी हो जाती है जिससे दिल का दौरा पड़ने की संभावना बन जाती है। ठंडा मौसम तनाव को भी बढ़ावा देता है, खास कर उम्रदराज लोगों में तनाव और हाइपरटेंशन बढ़ जाता है। सर्दियों के अवसाद से ग्रस्त लोगों को अत्यधिक चीनी, ट्रांस फैट और सोडियम वाले भोजन खाते देखा गया है जो मधुमेह और उच्च रक्तचाप के मरीजों के लिए खतरनाक हो सकता है।

हार्ट केयर फाउंडेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ के.के. अग्रवाल का कहना है, ₹सर्दियों में होने वाले दिल के रोगों की गंभीर समस्याओं को अपनी आदतों में बदलाव लाकर आसानी से रोका और संभाला जा सकता है। दिल के लिए सेहतमंद आहार लेना चाहिए और ज्यादा खाने से बचना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

1. दिल पर दबाव ना डालें, नियमित तौर पर धूप में जाएं और उचित व्यायाम करें।

2. अत्यधिक व्यायाम मत करें क्योंकि ज्यादा थकान दिल पर दबाव डाल सकती है। थोड़ा-थोड़ा आराम करते रहें ताकि चलते वक्त अचानक थकान महसूस न हो।

3. अत्यधिक ठंडे मौसम में सैर करने ना जाएं, बल्कि सूर्य निकलने के बाद सैर करने जाएं।

4. अपने कॉलेस्ट्रॉल का ध्यान रखें, क्योंकि सर्दियों में यह असंतुलित हो सकता है। कुछ भी अजीब होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें, क्योंकि ज्यादा कॉलेस्ट्रॉल से दिल के दौरे का खतरा बढ़ जाता है।

5. हाईपोथर्मिया ऐसी समस्या है जो सर्दियों में सभी दिल के मरीजों को हो जाती है। इसके खतरे से बचने के लिए आप खुद को गर्म रखें।

6. सीने में हल्की सी भी बेचैनी, पसीना, जबड़े, गर्दन, बाजू और कंधों में दर्द, सांस का टूटना बिल्कुल नजर अंदाज ना करें। इन लक्षणों के नजर आने पर तुरंत मेडिकल सहायता लें।

7. बचाव इलाज से हमेशा बेहतर होता है। थोड़ी सी सावधानी रख कर छुट्टियों के महीने मजे से और सेहतमंद दिल के साथ बिताए जा सकते हैं।

सर्दियों में भी आंखों के लिए जरूरी हैं धूप के चश्मे

दुनिया के लगभग कुछ ही देश ऐसे हैं, जहां मौसम के चार रूप होते हैं। भारत में चार मौसम का हम आनंद लेते हैं। ये मौसम का ही असर है जो हमारे फैशन व स्टाइल को बदल देते हैं। हर मौसम का अपना फैशन ट्रेंड होता है। सर्दियां बस आने ही वाली हैं ऐसे में हम बात करते हैं सूरज के किरणों की। गर्मियों में, तो हम अपने आंखों को चश्मे से इन नुकसानदायक किरणों से बचा लेते हैं। मगर सर्दियों में हम इन किरणों को नजरअंदाज कर देते हैं। सच मानें तो सर्दियों में भी सूरज की किरणें हमारी आंखों के लिए नुकसानदायक होती है। सर्दियों में भी हमें अपनी आंखों को उतना ही बचा कर रखना पड़ता है, जितना गर्मियों में। इसलिए सनग्लासेस यानी धूप के चश्मे बेहतर विकल्प हैं न सिर्फ गर्मियों में बल्कि ये चश्मे सर्दियों में भी आंखों की रक्षा करते हैं।

पेस्टल फ्रेम-यह किसी भी लुक के साथ मैच बनाता है। आपकी त्वचा का रंग चाहे जैसा भी हो, यह फ्रेम हर रंग पर जंचता है। इस मौसम में यह ट्रेंडी है। अगर आपको नियॉन रंग पहनना पसंद है, तो उनके साथ ये पेस्टल फ्रेम खूब जंचेंगे। पेस्टल रंग सर्दियों के हिसाब से सबका पसंदीदा होता है। इसलिए जब भी घर से बाहर निकलें, अपनी लुक को इस फ्रेम से निखारें।

आर-पार दिखने वाले चश्मे-लाल और नीले रंग के शीशे वाले चश्मे अगर पहनते-पहनते बोर हो गए हैं, तो इस मौसम कुछ अलग ट्राई करें। सुनहला, कॉपर कलर, ब्रांज कलर यह सब इस मौसम के खास रंगों में शामिल है। यह साफ नजर आने वाले चश्मे आपके लुक को बेहतर करने के साथ-साथ आपकी आंखों की भी बेहतर सुरक्षा करते हैं। वुड प्रिंट वेफेअॅर-इस रंग में आपका लुक बेहतर लगेगा।

लक्षणों को पहचान लें तो संभव है कैंसर का इलाज : डॉ. राहुल भार्गव

डॉ. राहुल भार्गव
प्रिंसिपल डायरेक्टर,
हेमेटोलॉजी विभाग,
फोर्टिस अस्पताल, गुरुग्राम,
हरियाणा

बीते दिनों प्रकाशित एक अध्ययन की रिपोर्ट में बताया गया कि साल 2015 से 2019 के दौरान भारत में कैंसर के करीब सात लाख से अधिक मामले सामने आये और इस भयावह बीमारी की वजह से लगभग 2.6 लाख मौतें भी हुईं। यह आंकड़ा निश्चय ही डराता है वह भी तब जबकि वैश्विक स्तर के साथ ही भारत में भी लोगों को कैंसर के प्रति जागरूक करने के लिए अनेक अभियान चलाये जा रहे हैं। इन्हीं अभियानों में से एक विशेष दिन आज यानी सात नवंबर का भी है। यह साल 2014 की बात है जब तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन ने 'राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस' की शुरूआत की थी। वैसे सात नवंबर का दिन चर्चित भौतिकी और रसायन विज्ञानी मैरी क्यूरी की जयंती के तौर पर भी मनाया जाता है जिन्होंने रेडियोधर्मिता की खोज की थी और रेडियोधर्मिता का कैंसर के उपचार में विकिरण ऑन्कोलॉजी या रेडियोथेरेपी के रूप में किया जा रहा है जिसमें शक्तिशाली विकिरण (जैसे एक्स-रे और गामा किरणें) का उपयोग कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने या क्षतिग्रस्त करने के लिए किया जाता है। इस प्रक्रिया से कैंसर कोशिकाओं की रोकथाम की जाती है और उपचार की इस प्रक्रिया को या सर्जरी और कीमोथेरेपी के साथ मिलाकर किया जाता है।

स्वास्थ जीवन शैली की जरूरत

इसमें कोई संदेह नहीं कि कैंसर एक खतरनाक बीमारी है, जो शरीर के किसी भी हिस्से में पनप सकती है। कैंसर को लेकर किये गये अध्ययनों की बात करें तो भारत के पुरुषों में मुंह का कैंसर सबसे ज्यादा पाया जाता है और इसके बाद फेफड़ों और प्रास्टेट कैंसर के मामले देखने को मिलते हैं। वहीं महिलाओं में स्तन कैंसर की समस्या सबसे ज्यादा आती है और इसके बाद सर्वाइकल या ओवेरियन कैंसर की बारी आती है। भारत के पुरुषों में कैंसर के मामले बढ़ने की सबसे बड़ी वजह व्यक्तिगत रूप से मैं तम्बाकू और तम्बाकू जनित उत्पादों को मानता हूं। गुटका, पान, पान मसाला के अलावा सिगरेट और बीड़ी की जद में देश के नौजवान आ जाते हैं जो उनके स्वास्थ्य को प्रभावित करता है।

यही नहीं, बीड़ी व सिगरेट पीने वालों के आसपास जो लोग रहते हैं उनके शरीर में भी इन पदार्थों का धुआं पहुंचता है जो नुकसान पहुंचाता है। ऐसे में बेहतर यही है कि जो लोग तम्बाकू व इससे बने उत्पादों से बचे हुए हैं वे इनका इस्तेमाल करने वालों को छोड़ने के लिए प्रेरित करें।

इससे आप कुछ लोगों या किसी एक की नशे की लत छुड़वाने में तो भागीदार बनेंगे ही साथ ही अन्य लोगों को भी स्वस्थ रख पाने में अपना योगदान दे सकेंगे। इसके अलावा देश की एक बड़ी आबादी ग्रामीण इलाकों में बसती है जहां उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव है। साथ ही जीवनशैली और पर्यावरणीय कारकों के अलावा कैंसर का देर से पता लगने की वजह से इलाज असाध्य हो जाता है।

यह उपाय अपनाये जाएं

मै केंद्र के साथ राज्य सरकारों से अपील करूंगा कि सबसे पहले तम्बाकू और तम्बाकू जनित पदार्थों की बिक्री नियंत्रित की जाय। कैंसर के जिन प्रारूपों के टीके उपलब्ध हैं उन्हें मुफ्त में लगवाये जाने की व्यवस्था की जाय। आयुष्मान भारत जैसी योजना से जन साधारण को काफी लाभ पहुंचा है ऐसे में इस योजना को सुदृढ़ करके कैंसर के सभी प्रारूपों को इसमें शामिल किया जाय। कैंसर के प्रति लोगों को और अधिक जागरूक करने और इससे संबंधी आंकड़ों को एकत्र करने के लिए राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम का विस्तार किया जाय। इसमें कोई दो राय नहीं कि कोविड जैसी महामारी को हराने के लिए हमारे देश के वैज्ञानिकों ने स्वदेशी टीके का आविष्कार किया, ऐसे में कैंसर को हराने के लिए केंद्र सरकार अनुसंधान पर किये जाने वाले व्यय में परिमार्जन करे। अंत में मैं यही कहूंगा कि कैंसर को मृत्यु का द्वार न समझें मौजूदा समय में चिकित्सा क्षेत्र ने इतनी प्रगति कर ली है कि इसका इलाज किया जा सकता है और इसका रोगी व परिवार हिम्मत से काम ले इस बीमारी पर जीत हासिल की जा सकती है।

"चर्चित पत्रिका लैंसेट द्वरा 'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज' नाम से हालही में एक रिपोर्ट प्रकाशित की गई जिसमें बताया गया कि वैश्विक स्तर पर जहां कैंसर के मामलों और इससे होने वाली मृत्यु दर में कमी आ रही है तो वहीं भारत में इसके मामलों में वृद्धि दर्ज की गई है। इसी रिपोर्ट के मुताबिक साल 2023 में भारत में आनुमानित तौर पर कैंसर के 15 लाख नए मामले और 12 लाख से अधिक मौतें दर्ज की गईं। ऐसे में इस रोग को लेकर जागरूकता फैलाना और अधिक जरूरी हो जाता है। निश्चय ही कैंसर के प्रति जागरूकता फैलने से इसके जोखिम को कम किया जा सकेगा। लोगों को यदि इसके शुरूआती लक्षणों की पहचान के बारे में जानकारी होगी तो वे निश्चय ही विशेषज्ञों से संपर्क करेंगे जिससे उन्हें समय पर उपचार मिल सकेगा और रोग की रोकथाम करने में सरलता होगी। इसके अलावा मैं यह भी समझता हूं कि कैंसर पीड़ितों और उनके परिवारों को सरकारों की तरफ से भी समर्थन किये जाने की जरूरत है जिससे कि इलाज पर होने खर्च के अभाव में किसी की जान न जाय और उन्हें आर्थिक रूप से प्रोत्साहन मिल सके।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. देवेन्द्र सिंह द्वारा द इंडियन एक्सप्रेस प्रा.लि. सी-26 अमौसी इंडस्टियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन : 0522-4036600) से प्रकाशित। **प्रधान सम्पादक: डॉ. देवेन्द्र सिंह।** पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।